Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

देश

Page 09

मूल्य ₹ 2.00

कृष्ण पक्ष, श्रावण, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • रविवार • 12 अप्रैल 2026 • वर्ष 28 • अंक 130 • पृष्ठ 12

वैभव की एक और तूफानी पारी, राजस्थान ने आरसीबी को हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज...

प्रस्तावित परिसीमन 'असंवैधानिक', महिला आरक्षण पर कांग्रेस को क्यों ऐतराज...

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,40,100	₹ 2,60,000

आज का इतिहास

1978 : भारतीय रेलवे के 125 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देश की पहली डबल डेकर ट्रेन सिंहगढ़ एक्सप्रेस बाम्बे (अब मुम्बई) के विक्टोरिया टर्मिनल से पुणे तक चलायी गयी।

2013 : फ्रांस की सीनेट ने समलैंगिक विवाह को मान्यता दी।

न्यूज बाइट्स

जीविका दीदियों की सिलाई से सजे आंगनबाड़ी बच्चे,10 लाख पोशाक वितरित

पटना (नि.सं.)। बिहार सरकार की तरफ से जीविका दीदियों को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता की एक कड़ी के रूप में उनके हाथों से सिले हुए 10 लाख पोशाक विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को वितरित किये जा चुके हैं। बिहार सरकार की पहल के बाद अब आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को बाजार से खरीदी गई तैयार पोशाक के बजाय जीविका दीदियों द्वारा घरेलू स्तर पर सिली हुई गुणवत्तापूर्ण पोशाक उपलब्ध कराई जा रही है। इसके तहत अब तक 10 लाख से अधिक पोशाक सेट का वितरण आंगनबाड़ी केंद्रों में किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पूरे प्रदेश में 1000 से अधिक विद्यालय स्तर पर बच्चों की पोशाक की सिलाई का कार्य जीविका दीदियों के माध्यम से चल रहा है।

बिहार के 630 खिलाड़ियों को मिलेगी स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप

पटना (नि.सं.)। बिहार में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए कुल 630 खिलाड़ियों का चयन स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप के लिए किया गया है। इस योजना के तहत चयनित खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे वे अपने खेल प्रशिक्षण, उपकरण, किट, पोषण और कोचिंग फीस का खर्च वहन कर सकेंगे। खेल छात्रवृत्ति नीति के अंतर्गत तीन प्रमुख योजनाओं उत्कर्ष, सक्षम और प्रेरणा में खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

नीतीश सरकार ने लिया फैसला, स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने की पहल

बिहार में सरकारी डॉक्टरों के प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक, आदेश हुआ जारी

अब डॉक्टर सिर्फ सरकारी अस्पतालों में ही सेवा देंगे, इसके बदले उन्हें भत्ता भी मिलेगा

निज संवाददाता | पटना

बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बड़ा और सख्त निर्णय लिया है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर पूरी तरह रोक लगाने का फैसला किया है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आधिकारिक संकल्प जारी कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब सरकारी अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टर निजी क्लीनिक या प्राइवेट अस्पतालों में प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय 'सात निश्चय-3' कार्यक्रम के अंतर्गत लिया गया है और राज्य के सभी सरकारी चिकित्सकों पर लागू होगा। इसमें बिहार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग, बिहार चिकित्सा शिक्षा सेवा संवर्ग तथा इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान से जुड़े डॉक्टर और शिक्षक भी शामिल हैं। सरकार का मानना है कि कई डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त समय नहीं दे रहे थे और निजी प्रैक्टिस में अधिक व्यस्त रहते थे, जिससे आम मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण इलाज नहीं मिल पाता था। कई मामलों में डॉक्टरों की अनुपस्थिति और इलाज में लापरवाही की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। इसी समस्या के

समाधान के लिए यह निर्णय लिया गया है, ताकि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस फैसले से डॉक्टरों की आय प्रभावित न हो, इसके लिए उन्हें गैर-प्रैक्टिस भत्ता (एनपीए) और अन्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। हालांकि, भत्तों और प्रोत्साहन से जुड़ी विस्तृत गाइडलाइन अभी जारी की जानी बाकी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस निर्णय को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जल्द ही विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, जिनमें नियमों के पालन की प्रक्रिया और उल्लंघन की स्थिति में कार्रवाई का प्रावधान स्पष्ट किया जाएगा। सरकार का दावा है कि इस कदम से राज्य के सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था में सुधार होगा और आम जनता को बेहतर व नियमित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

बिहार में सत्ता परिवर्तन की आहट

14 को इस्तीफा दे सकते हैं नीतीश कुमार, 15 को नई सरकार संभव

निज संवाददाता | पटना

बिहार की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत तेज हो गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे और नई सरकार के गठन को लेकर सियासी हलचल चरम पर है। सूत्रों के अनुसार, 14 अप्रैल को वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं, जिसके बाद राज्य में सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी। जानकारी के मुताबिक, 13 अप्रैल को मौजूदा सरकार की अंतिम कैबिनेट बैठक हो सकती है। इसके बाद 14 अप्रैल को इस्तीफा देने की संभावना जताई जा रही है। इस्तीफे के तुरंत बाद एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की बैठक होगी, जिसमें नए नेता का चयन किया जाएगा। एनडीए के भीतर लगातार बैठकों का दौर जारी है। हालांकि अभी तक नए मुख्यमंत्री के नाम पर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन गठबंधन के भीतर सहमति बनाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। बीजेपी की ओर से भी संकेत दिए गए हैं कि नया मुख्यमंत्री सर्वसम्मति

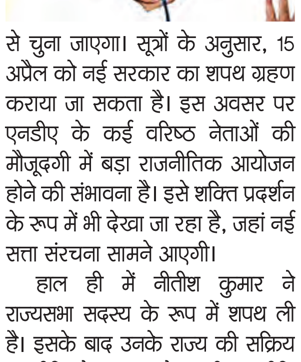

से चुना जाएगा। सूत्रों के अनुसार, 15 अप्रैल को नई सरकार का शपथ ग्रहण कराया जा सकता है। इस अवसर पर एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में बड़ा राजनीतिक आयोजन होने की संभावना है। इसे शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है, जहां नई सत्ता संरचना सामने आएगी।

हाल ही में नीतीश कुमार ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली है। इसके बाद उनके राज्य की सक्रिय राजनीति से हटकर केंद्र की राजनीति में नई भूमिका निभाने की अटकलें और मजबूत हो गई हैं। यदि यह घटनाक्रम तय समय पर होता है, तो यह बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। सत्ता परिवर्तन के साथ ही राज्य की राजनीतिक दिशा और नेतृत्व में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

पूर्णिया से भागलपुर जा रही बस ने कई लोगों को कुचला

10 यात्रियों की मौत, 30 से अधिक घायल

निज संवाददाता | कटिहार

जिले के कोढ़ा प्रखंड में शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। एनएच-31 पर डागपुर बकरी फार्म के समीप एक तेज रफ्तार यात्री बस अनियंत्रित होकर कई लोगों को कुचलती चली गई, जिसमें अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 30 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बस पूर्णिया से भागलपुर की ओर जा रही थी और उसमें बड़ी संख्या में यात्री सवार थे। जैसे ही बस डागपुर बकरी फार्म के पास पहुंची, चालक अचानक नियंत्रण खो बैठा और सड़क पर जा रहे दो बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद स्थिति और भयावह हो गई, जब चालक बस को लेकर भागने की कोशिश में और भी अनियंत्रित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस ने आगे बढ़ते हुए एक पिकअप वाहन को भी टक्कर मार दी और रास्ते में मौजूद कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज रफ्तार और नियंत्रण खो चुकी बस ने कुछ ही क्षणों में कई जिंदगियां छीन लीं, जिससे घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को आनन-फानन में नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस दुर्घटना में मृतकों में से एक महिला की पहचान 35 वर्षीय चिंतामणी महतो, निवासी पूर्णिया के रूप में हुई है, जो कोढ़ा के बड़हरा कोठी अपने रिश्तेदार के यहां आई थीं। अन्य मृतकों की पहचान के लिए पुलिस जांच कर रही है, जबकि कई घायलों की पहचान भी अब तक नहीं हो सकी है।

घटना की सूचना मिलते ही कोढ़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही हादसे के कारणों की गहन जांच की जा रही है। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक ही पल में कई परिवारों के चिराग बुझ जाने से गांव और आसपास के क्षेत्रों में मातम पसर गया है।

बिहार को मिलेगा दूसरा और सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व

पटना(नि.सं.)। बिहार के वन क्षेत्र में बड़ा विस्तार होने की संभावना है। कैमूर वन्यजीव अभ्यारण्य को टाइगर रिजर्व घोषित करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ प्रमोद कुमार की सहमति के बाद इसका प्रस्ताव राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को भेज दिया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसी वर्ष इसे मंजूरी मिल सकती है। मंजूरी मिलने के बाद यह बिहार का दूसरा टाइगर रिजर्व होगा। वर्तमान में राज्य का एकमात्र टाइगर रिजर्व वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) है। कैमूर टाइगर रिजर्व का प्रस्तावित क्षेत्रफल लगभग 1500 वर्ग किलोमीटर है, जो इसे राज्य का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व बना सकता है। तुलना में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व का क्षेत्रफल करीब 900 वर्ग किलोमीटर है। प्रस्ताव के अनुसार, कैमूर अभ्यारण्य में लगभग 450 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कोर जोन और 1050 वर्ग किलोमीटर को बफर जोन के रूप में चिह्नित किया गया है। कोर जोन में मानवीय गतिविधियां पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगी, जबकि बफर जोन में सीमित गतिविधियों की अनुमति होगी। इस बफर क्षेत्र में ऐतिहासिक स्थल, गांव, मंदिर और पर्यटन स्थल भी शामिल हैं।

नगर निकायों में सशक्त स्थायी समिति का चुनाव 25 अप्रैल तक, तिथि बढ़ी

- सभी जिलाधिकारियों को समय-सीमा के भीतर चुनाव कराने का निर्देश
- विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश

निज संवाददाता | पटना

बिहार के नगर निकायों में सशक्त स्थायी समिति के निर्वाचन को लेकर राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पहले 15 से 20 अप्रैल के बीच प्रस्तावित यह चुनाव अब बढ़ाकर 15 से 25 अप्रैल के बीच कराने का निर्देश दिया गया है। इस संबंध में नगर विकास विभाग ने आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है, जिससे सभी नगर निकायों में चुनाव प्रक्रिया को नए सिरे से व्यवस्थित किया जा सके। नगर विकास मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह निर्णय निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने जिलों के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक नगर निकाय में सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों का चुनाव निर्धारित नई समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से संपन्न कराएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि चुनाव के दौरान पर्याप्त प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही यह भी कहा गया है कि चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और निर्धारित नियमों के अनुरूप संपन्न हो। सशक्त स्थायी समिति नगर निकायों के संचालन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह समिति विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय निर्णयों और प्रशासनिक कार्यों की निगरानी में अहम जिम्मेदारी निभाती है। ऐसे में इसके निर्वाचन को लेकर सरकार कोई भी जल्दबाजी नहीं करना चाहती और सभी प्रक्रियाओं को विधिसम्मत ढंग से पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है।

राज्य सरकार का मानना है कि तिथि बढ़ाने से जिलास्तर पर बेहतर तैयारी का समय मिलेगा, जिससे चुनाव प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुचारू रूप से संपन्न हो सकेगी। साथ ही इससे संभावित तकनीकी या प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने में भी मदद मिलेगी। सरकार ने यह भी संकेत दिया है कि यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस निर्णय के बाद अब सभी नगर निकायों में चुनावी गतिविधियां तेज होने की संभावना है और प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां भी जोर-शोर से शुरू कर दी गई हैं।

समृद्धि यात्रा में व्यवधान के आरोप में तीन और अंचलाधिकारी निलंबित

पटना(नि.सं.)। बिहार सरकार में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए तीन और अंचलाधिकारियों (सीओ) को निलंबित कर दिया है। इन अधिकारियों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा में व्यवधान डालने, विभागीय आदेशों की अवहेलना करने और कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, बक्सर सदर के सीओ राहुल कुमार, भागलपुर जिले के शाहकुंड की सीओ हर्षा कोमल और सीतामढ़ी जिले के डुमरा की सीओ डौली कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। विभाग का आरोप है कि इन अधिकारियों ने न केवल मुख्यमंत्री की यात्रा में बाधा उत्पन्न की, बल्कि डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के भूमि सुधार जन कल्याण संवाद कार्यक्रम में भी अनुपस्थित रहे, जो विभागीय अनुशासन का उल्लंघन है। विभाग ने यह भी बताया कि संबंधित अधिकारियों ने मार्च 2026 के दौरान महालेखाकार, बिहार को आवंटन व्यय एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराया। साथ ही राजस्व संग्रहण के निर्धारित लक्ष्य से काफी कम उपलब्धि दर्ज की, जिससे राज्य के वित्तीय प्रबंधन पर प्रतिकूल असर पड़ा। इसके अलावा, अतिक्रमण हटाने से संबंधित न्यायालय के आदेशों का अनुपालन नहीं करने और अदालत की अवमानना के भी आरोप लगाए गए हैं।

पंचायती राज विभाग का बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

10 बीपीआरओ व व्याख्याताओं का तबादला

- रोहतास और औरंगाबाद जिलों में सबसे ज्यादा फेरबदल
- औरंगाबाद में विनोद कुमार वर्मा मदनपुर से बारूण, विकास कुमार कलेर से ओबरा स्थानांतरित

निज संवाददाता | पटना/औरंगाबाद

बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ और कार्यकुशल बनाने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर अधिकारियों का तबादला किया है। विभाग द्वारा जारी कार्यालय आदेश (संख्या-183) के तहत बिहार पंचायत सेवा के 10 प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों (बीपीआरओ) एवं व्याख्याताओं को तत्काल प्रभाव से नए पदस्थापन स्थल पर भेजा गया है। इस फेरबदल में रोहतास और औरंगाबाद जिलों में सबसे अधिक बदलाव देखने को मिला है। जारी आदेश के अनुसार, अमनदीप सिंह भाटिया को रोहतास जिले के नौहट्टा से कोचस स्थानांतरित किया गया है, जबकि ममता कुमारी को डिहरी से हटाकर नौहट्टा का प्रभार सौंपा गया है। वहीं औरंगाबाद जिले में मदनपुर में पदस्थापित विनोद कुमार वर्मा को बारूण भेजा गया है। इसके अलावा अरवल के कलेर से विकास कुमार को ओबरा (औरंगाबाद) में नई जिम्मेदारी दी गई है।

व्याख्याताओं के पदस्थापन में भी बदलाव किया गया है। जहानाबाद के मोदनगंज में कार्यरत राजीव कुमार को भोजपुर के पीरो भेजा गया है। बारूण (औरंगाबाद) से विकास कुमार का तबादला नवादा के मेसकौर किया गया है। सु स्नेहा कुमारी को गोपालगंज सदर से नालंदा के एकंगरसराय स्थानांतरित किया गया है, जबकि सुमित कुमार चौधरी को रोहतास के कोचस से पश्चिम चंपारण के नौतन में पदस्थापित किया गया है। उप सचिव मोविन्द चौधरी द्वारा जारी आदेश में सभी स्थानांतरित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे बिना किसी विलंब के अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान दें। खास बात यह है कि इस प्रक्रिया में पारगमन अवकाश (ट्रांजिट लीव) की अनुमति नहीं दी गई है। संबंधित जिला पंचायत राज पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल प्रभाव से अधिकारियों को विरमित कर उनकी जॉइनिंग सुनिश्चित कराएं और इसकी सूचना विभाग को भेजें। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आदेश की प्रति सभी जिलाधिकारियों, विकास आयुक्तों एवं कोषागार पदाधिकारियों को भेज दी गई है। साथ ही आईटी प्रबंधक को निर्देश दिया गया है कि आदेश को विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर तत्काल अपलोड किया जाए।

BAYC Institute
स्थापित 1972

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज

गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7

नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स

भारत का पहला कॉलेज

डॉक्टर बनें

एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine | DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture | MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2 | अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) | MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार

Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised

DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।

कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. अजय प्रकाश
सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in

Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

सोखोदेवरा बंगवाटांड़ जंगल में जंगली हाथियों का उत्पात, किसान का बगीचा किया नष्ट

कौआकोल। कौआकोल थाना क्षेत्र के सोखोदेवरा स्थित बंगवाटांड़ जंगल में शुक्रवार की रात जंगली हाथियों का आतंक देखने को मिला। हाथियों के झुंड ने एक किसान के बगीचे में घुसकर भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। सोखोदेवरा गांव निवासी किसान सुरेश प्रसाद सिंह ने बताया कि उनके बगीचे में लगे दर्जनों केले के पौधों सहित कई पेड़-पौधों को हाथियों ने पूरी तरह नष्ट कर दिया। सुबह जब वे खेत पहुंचे तो बगीचे की स्थिति देखकर स्तब्ध रह गए। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही लगातार देखी जा रही है। हाथियों के भय से ग्रामीण रात में घरों से बाहर निकलने से भी परहेज कर रहे हैं और हमेशा सतर्क रहने को मजबूर हैं।गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व भी हाथियों के झुंड ने प्रखंड क्षेत्र के कई गांवों में उत्पात मचाया था। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्ती बढ़ाने एवं हाथियों को सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ने की मांग की है,ताकि जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

कस्तूरबा गांधी की जयंती पर बालिकाओं का नामांकन, प्रवेश उत्सव मनाया गया

कौआकोल। कस्तूरबा गांधी की जयंती के शुभ अवसर पर क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में बालिकाओं के नामांकन अभियान के तहत प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान नव नामांकित छात्राओं का स्वागत तिलक लगाकर एवं पुष्प देकर किया गया। विद्यालय की वार्डन साधना सिंह के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने बालिका शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों से अपनी बेटियों को शिक्षा से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षित बालिका ही समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला होती है। इस अवसर पर नामांकन अभियान चलाकर अधिक से अधिक बालिकाओं को विद्यालय से जोड़ने का प्रयास किया गया। छात्राओं एवं अभिभावकों को सरकारी योजनाओं तथा शिक्षा से मिलने वाले लाभों की जानकारी भी दी गई। इसके पूर्व जयंती के अवसर पर कस्तूरबा गांधी के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के लेखापाल अजीत कुमार सुमन,शिक्षक,छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

पोषण पखवाड़ा में सीडीपीओ ने बच्चों को जंक फूड से दूर रहने की दी सलाह

पोषण कार्यक्रम की जानकारी देतीं सीडीपीओ

नरहट (नवादा): पोषण पखवाड़ा अभियान के तहत शनिवार को सीडीपीओ ज्योति सिन्हा ने विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों और अभिभावकों को जंक फूड से दूर रहने की सलाह दी। सीडीपीओ ने बताया कि बच्चों के जीवन के पहले छह वर्ष मस्तिष्क विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इस अवधि में बेहतर पोषण और समुचित देखभाल सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि आठवां पोषण पखवाड़ा 9 से 23 अप्रैल 2026 तक मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, अभिभावकों और समुदाय से अपील की कि वे बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान दें और अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। सीडीपीओ ने बच्चों को बर्गर, चिप्स और पिज्जा जैसे जंक फूड के नुकसान के बारे में बताया और कहा कि ये खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इसके बजाय फल, दूध, हरी सब्जियां, दाल और रोटी जैसे पौष्टिक आहार बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होते हैं।

विद्यालय में बाल संसद व मीना मंच का गठन

कटिहार। जिले के आजमनगर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मध्य विद्यालय अरिहाना में माह के दूसरे शनिवार को विद्यालय परिसर लोकतंत्र के उत्सव का साक्षी बना। तय कार्यक्रम के तहत बाल संसद, मीना मंच एवं आपदा प्रबंधन समिति का गठन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बाल संसद और मीना मंच का गठन पूरी तरह चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से कराया गया। विद्यालय के सैकड़ों बच्चों ने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया और अपने प्रतिनिधियों का चयन किया। चुनावी माहौल में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था, मानो विद्यालय में वास्तविक लोकतांत्रिक प्रक्रिया जीवंत हो उठी हो।

मतदान के बाद घोषित परिणामों में कौशल्या कुमारी को मीना मंच की सदस्य के रूप में चुना गया। वहीं बाल संसद के प्रधानमंत्री पद पर नंदनी कुमारी विजयी रहीं, जबकि उपप्रधानमंत्री के रूप में राजकिशोर राय का चयन हुआ।

कृषि विज्ञान केंद्र में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 26वीं बैठक आयोजित

किसानों एवं पशुपालकों की समस्याओं के समाधान पर हुई चर्चा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कौआकोल। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद,नई दिल्ली के निर्देशानुसार कौआकोल प्रखंड स्थित जेपी आश्रम सोखोदेवरा के राजेंद्र भवन में शनिवार को कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मंडल नवादा के बैनर तले 26वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक का उद्घाटन ग्राम निर्माण मंडल के अध्यक्ष प्रभाकर कुमार, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी जोन-4, पटना) के निदेशक डॉ. अंजनी कुमार, इफ्को के राज्य विपणन प्रबंधक डॉ. आनंद कुमार श्रीवास्तव, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुशील कुमार पाठक, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर के निदेशक डॉ. विकास दास, ग्राम निर्माण मंडल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार एवं कोषाध्यक्ष दिलीप मंडल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत एवं अंगवस्त्र व बुके देकर सम्मान के साथ हुई। इसके बाद कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. जयवंत कुमार सिंह ने वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श करते हुए वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों एवं विभिन्न गतिविधियों का पीपीटी के माध्यम से विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया।

बैठक में कृषि उत्पादन एवं गुणवत्ता सुधार, आधुनिक कृषि तकनीक, बदलती जलवायु परिस्थितियों में उत्पादकता वृद्धि तथा उर्वरकों के संतुलित उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। किसान प्रतिनिधियों एवं प्रगतिशील किसानों ने कृषि एवं पशुपालन से संबंधित समस्याएं रखीं, जिनका समाधान वैज्ञानिकों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा दिया गया। अटारी जोन-4 पटना के निदेशक डॉ. अंजनी कुमार ने समीक्षा के दौरान कृषि वैज्ञानिकों को कमियों को दुरुस्त करते हुए कार्यों में आवश्यक सुधार लाने का निर्देश देते हुए कहा कि विभिन्न विभागों के समन्वय से नई तकनीकों का विकास कर ही किसानों एवं पशुपालकों की आर्थिक स्थिति मजबूत की जा सकती है। उन्होंने उद्यमिता विकास,फल एवं सब्जी संरक्षण तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति किसानों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया, जिससे ग्रामीण युवाओं में आत्मनिर्भरता बढ़े।

कार्यक्रम के दौरान प्रखंड के पांच अनुसूचित समुदाय के किसानों के बीच कीटनाशक छिड़काव हेतु स्प्रे मशीन का वितरण भी किया गया। वहीं वैज्ञानिक पद्धति से सब्जी की खेती सहित चार पुस्तकों को विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी अजीत प्रकाश, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. दीपक कुशवाहा, जिला मत्स्य पदाधिकारी मनीष कुंदन, आत्मा के परियोजना निदेशक उपेन्द्र कुमार, जीविका के डीपीएम चंदन कुमार सुमन सहित केवीके के वैज्ञानिक रविकांत चौबे, अंगद कुमार, डॉ. शशांक शेखर सिंह, रजत रंजन तथा केवीके कर्मी पिंटू पासवान, सलोनी कुमारी, अनिल कुमार, विकास कुमार, किसान प्रतिनिधि सोनी कुमारी, राणा रंधीर सिंह समेत कई लोग उपस्थित रहे।

यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आरटीओ ने चलाया विशेष अभियान, जुर्माना के साथ दी गई चेतावनी

बाईपास में बाइक की जांच कर जुर्माना करते आरटीओ

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र में बाईपास समेत एनएच-20 पर शनिवार को आरटीओ संदीप कुमार ने यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले बाइक सवारों एवं चार पहिया वाहन चालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में 13 बाइक सवारों पर कुल 19500 रुपए जुर्माना लगाया गया है, जबकि चार पहिया वाहन चालकों पर 19000 रुपए जुर्माना लगाया गया है।

आरटीओ ने बताया कि शनिवार को 13 बाइक सवारों की जांच की गई, जिसमें बाइक सवार बिना हेलमेट और ड्राइविंग लाइसेंस के मिले। प्रति बाइक सवार को बिना हेलमेट के लिए 1000 रुपए एवं मौके पर ड्राइविंग लाइसेंस नहीं दिखाने पर 500 रुपए जुर्माना किया गया है। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करवाना था।

आरटीओ ने कहा कि यातायात नियमों के उल्लंघन से सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोत्तरी हो रही है, जिसे रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई है एवं दर्जनों लोगों को चेतावनी दी गई है। उन्होंने कहा कि वाहन चालकों को अपने साथ ड्राइविंग लाइसेंस एवं गाड़ी के जरूरी कागजात जरूर होनी चाहिए।

परिवहन विभाग के इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और जांच टीम को देखकर बाइक सवार गलियों से होकर भागते नजर आए। आरटीओ ने बताया कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्राथमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव एवं विदाई समारोह का हुआ आयोजन

छात्र छात्राओं के साथ शिक्षकगण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड के चितरकोली पंचायत स्थित डागरा स्थान में शनिवार को प्राथमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव व विदाई समारोह आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक पप्पू कुमार व चंदन कुमार ने संयुक्त रूप से किया। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों का स्वागत किया गया और उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में बताया गया। वहीं, विदाई समारोह में कक्षा 5 के छात्रों को विदाई दी गई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर शिक्षकों ने छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में भी बताया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस मौके पर माया कुमारी, आकृति कुमारी, मनीषा कुमारी, विद्या कुमारी, सागर कुमार, आर्यन कुमार समेत दर्जनों छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगणों में अनिल कुमार, कायनात फातमा एवं संगीता कुमारी मौजूद रहे।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को वार्ड पार्षद ने किया सम्मानित

- विद्यार्थी जीवन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और ज्ञान का अधिग्रहण करना है-सुशीला
- प्राथमिक विद्यालय कुंडलापर, उर्दू में आयोजित हुआ पाठ्य सामग्री वितरण कार्यक्रम

छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के साथ वार्ड पार्षद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड के कुंडलापर स्थित प्राथमिक विद्यालय उर्दू में शनिवार को छात्र-छात्राओं के बीच पाठ्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित इस पाठ्य सामग्री वितरण कार्यक्रम में विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष सह वार्ड नंबर 6 के वार्ड पार्षद सुशीला देवी के द्वारा वर्ग प्रथम से पांचवी तक के वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 15 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। छात्र-छात्राओं आदित्य कुमार, संस्कार कुमार एवं नीरज कुमार, शिवानी कुमारी, सन्नी कुमार एवं अकसरा प्रवीण, अंश कुमार, निशा कुमारी एवं मो. यूसुफ जयान, रिजवाना प्रवीण, आराध्या कुमारी एवं मो. रिजवान, मो. आमिर अंसारी, जिकरा प्रवीण एवं सोनी कुमारी को बैग, बोतल, कॉपी, कलम और इंस्ट्रूमेंट बॉक्स का वितरण किया गया। साथ ही वार्ड पार्षद के द्वारा विद्यालय के प्रधान शिक्षक अमरेश कुमार राज, शिक्षक महफूज आलम, शिक्षिका तबस्सुम गजाला, लवली कुमारी, अनीता कुमारी एवं विद्यालय के सचिव शगुफ्ता प्रवीण को डायरी एवं कलम देकर सम्मानित किया गया।

उसके बाद 1 से 5 वीं वर्ग स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच पुस्तक का वितरण किया गया। सुशीला देवी ने कहा हमारा उद्देश्य छात्रों का मनोबल बढ़ाना और शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना है। विद्यालय में हम विभिन्न विषयों का अध्ययन करते हैं, जिससे हमें न केवल अकादमिक ज्ञान मिलता है, बल्कि तर्कशक्ति, विचारशीलता और समस्या समाधान की क्षमता भी विकसित होती है। यह ज्ञान और शिक्षा हमारे भविष्य की नींव रखते हैं।

सम्मानित होने के बाद सभी छात्र-छात्राओं में एक अलग सी मुस्कान चेहरे पर देखने को मिली।

विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कहा कि इस विद्यालय में पहली बार वार्ड पार्षद के द्वारा बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं समेत शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया है। इसके लिए पूरा विद्यालय परिवार वार्ड पार्षद के प्रति आभारी है। मौके पर स्कुल के दर्जनों छात्र-छात्राएं उपस्थित थें।

प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण हेतु 'ज्ञान भारतम' मिशन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'ज्ञान भारतम' मिशन के अंतर्गत जिले में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों के संकलन एवं उनके डिजिटलीकरण का विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इस संबंध में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, सुश्री प्रतिभा कुमारी ने बताया कि 'ज्ञान भारतम' मिशन का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करना है।

ताड़पत्र, भोजपत्र, कपड़े अथवा पुराने कागज़ों पर लिखी पांडुलिपियों में प्राचीन ज्ञान, साहित्य, आयुर्वेद, खगोल विज्ञान एवं स्थानीय इतिहास का महत्वपूर्ण भंडार निहित है, जो समय के साथ नष्ट होने के कगार पर है। इस मिशन के माध्यम से इन अमूल्य धरोहरों को आधुनिक तकनीक एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से डिजिटल रूप में सुरक्षित किया जाएगा।

इसके अंतर्गत नवादा जिले के पुराने पुस्तकालयों एवं संग्रहालयों, विभिन्न धार्मिक स्थलों—जैसे दिगंबर जैन मंदिर, बुधौली मठ एवं मस्जिदों—तथा ऐतिहासिक परिवारों के निजी अभिलेखागारों में उपलब्ध पांडुलिपियों की पहचान की जाएगी। साथ ही, हिंदी एवं भोजपुरी के लेखकों, धार्मिक नेताओं, न्यास समितियों एवं स्थानीय समुदायों के सहयोग से इस अभियान को गति दी जाएगी। पंचायत स्तर पर भी जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध प्राचीन दस्तावेज़ों की जानकारी एकत्रित की जाएगी। इसके अतिरिक्त "ज्ञान भारतम्" ऐप के माध्यम से आम नागरिक भी इस अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने बताया कि यदि किसी भी व्यक्ति के पास या जानकारी में 75 वर्ष या उससे अधिक पुरानी कोई पांडुलिपि उपलब्ध हो, तो इसकी सूचना जिला प्रशासन को अवश्य दें, ताकि उसे सुरक्षित कर भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पांडुलिपियों का स्वामित्व संबंधित व्यक्तियों या संस्थाओं के पास ही सुरक्षित रहेगा। जिला प्रशासन द्वारा केवल उनका वैज्ञानिक विधि से डिजिटलीकरण किया जाएगा, जिससे उन्हें राष्ट्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी का हिस्सा बनाया जा सके।

जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा अपने पास उपलब्ध या जानकारी में आने वाली प्राचीन पांडुलिपियों की सूचना संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी अथवा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी को उपलब्ध कराएं।

15 अप्रैल को DRCC, बुधौल में 'सोलर लोन मेला' का आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देशानुसार दिनांक 15 अप्रैल 2026 को जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (DRCC), बुधौल, नवादा में 'सोलर लोन मेला' का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल, नवादा श्री अनिल कुमार भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि बिहार में बैंकों द्वारा लगभग 45 प्रतिशत ऋण आवेदनों को तकनीकी कारणों से रद्द कर दिया गया है, जो राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक है। इस मेले का मुख्य उद्देश्य पूर्व में रद्द अथवा लंबित आवेदनों की त्रुटियों को सुधार कर उन्हें तत्काल स्वीकृति प्रदान करना है, ताकि ऋण वितरण प्रक्रिया को सुचारू बनाया जा सके।

उन्होंने बताया कि ऐसे इच्छुक व्यक्ति जो अपने घर की छत पर सोलर प्लांट लगाना चाहते हैं, वे भी इस मेले में भाग लेकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन हेतु उपभोक्ताओं को केवल आधार कार्ड, नवीनतम बिजली बिल एवं छत के स्वामित्व का स्व-अभिप्रमाणित प्रमाण-पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

इस योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिसमें 1 किलोवाट के लिए 30,000, 2 किलोवाट के लिए 60,000 तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक के लिए 78,000 की वित्तीय सहायता निर्धारित है। विशेषज्ञों के अनुसार, सौर संयंत्र की स्थापना लागत लगभग 3 से 4 वर्षों में वसूल हो जाती है, जबकि इसके पश्चात 25 वर्षों तक उपभोक्ताओं को लगभग निःशुल्क बिजली का लाभ मिलता है।

कार्यपालक अभियंता ने आगे बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रथम चरण में 2.5 लाख 'कुटीर ज्योति' उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से जोड़ना है। योजना की प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर पर प्रत्येक 15 दिनों में इसकी नियमित समीक्षा की जाएगी।

जिला प्रशासन, नवादा द्वारा जिले के सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस सोलर लोन मेले में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। जिन आवेदकों के आवेदन पूर्व में लंबित या रद्द हो चुके हैं, वे अपनी त्रुटियों का सुधार कराकर लाभ प्राप्त करें। साथ ही, नए इच्छुक आवेदक भी इस अवसर का लाभ उठाते हुए मेले में उपस्थित होकर अपना आवेदन जमा करें एवं पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जुड़कर स्वच्छ, सस्ती एवं दीर्घकालिक ऊर्जा का लाभ प्राप्त करें।

राष्ट्रव्यापी मूलनिवासी मेला का आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

- 11 अप्रैल से आंबेडकर जयंती 14 अप्रैल तक राष्ट्रव्यापी मूलनिवासी मेला आयोजित की गई इसमें मूलनिवासी संघ, मूलनिवासी सभ्यता संघ, मूलनिवासी विद्यार्थी संघ, पीपल पार्टी ऑफ इंडिया आदि संगठनों के कार्यकर्तागण के साथ - साथ स्थानीय पुरुष, महिलाएं, बुद्धिजीवी एवं समाजसेवीगण शामिल हुए

नवादा। भारत के मूलनिवासियों एवं महिलाओं में शिक्षा की ज्योति जगाने वाले राष्ट्रपिता ज्योतिराव फुले की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक संगठन मूलनिवासी संघ एवं मूलनिवासी सभ्यता संघ के गया इकाई के तत्वावधान में बुद्धुआ मेला परिसर वुद्धगेरे मानपुर में फुले जयंती से 11 अप्रैल से आंबेडकर जयंती 14 अप्रैल तक राष्ट्रव्यापी मूलनिवासी मेला आयोजित की गई जिसमें मूलनिवासी संघ, मूलनिवासी सभ्यता संघ, मूलनिवासी विद्यार्थी संघ, पीपल पार्टी ऑफ इंडिया आदि संगठनों के कार्यकर्तागण के साथ - साथ स्थानीय पुरुष, महिलाएं, बुद्धिजीवी एवं समाजसेवीगण शामिल हुए।

पीपल पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सह बिहार प्रभारी इंजीनियर उमेश रजक, मूलनिवासी संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ आदित्य प्रधान, बिहार प्रदेश अध्यक्ष मूलनिवासी सूरज यादव, पूर्व पैक्स अध्यक्ष चंद्रदेव प्रसाद आदि के द्वारा राष्ट्रपिता ज्योतिराव फुले एवं अन्य महापुरुषों के चित्र पर सामूहिक रूप से माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

बामसेफ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सह गया जिला प्रभारी अजय विद्यार्थी के द्वारा फुले साहब की जीवनी एवं कार्य की चर्चा करते हुए उन्हें मूलनिवासियों की शिक्षा का जनक बताया गया।

राष्ट्रपिता ज्योतिराव फुले द्वारा लिखित गुलामगिरी की चर्चा करते हुए मुख्य अतिथि उमेश रजक द्वारा भारत के एससी, एसटी ओबीसी को भारत का मूलनिवासी बताया गया। शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार आदि मूलभूत आवश्यकताओं से संबंधित व्यवस्था परिवर्तन के लिए प्रदेश अध्यक्ष मूलनिवासी सूरज यादव द्वारा केंद्र में मूलनिवासियों की सत्ता स्थापित करने पर बल दिया गया।

इस अवसर पर डॉ आदित्य प्रधान, सुनील गुरु, सुरेश प्रसाद, विनय कुमार, सुरेंद्र कुमार, उदय दास, साहिल कुमार, मनोज कुमार आदि के द्वारा फुले साहब की संघर्ष की विस्तृत जानकारी वक्तागण के द्वारा दी गई।

कार्यक्रम के अंत में मूलनिवासी संघ के जिलाध्यक्ष मूलनिवासी अमरेंद्र प्रसाद यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन में डॉ सतेंद्र प्रधान, दशरथ गुप्ता, पिंकू यादव, बैजू यादव आदि का सक्रिय योगदान रहा।

प्रधानाध्यापकों के साथ बीईओ की समीक्षात्मक बैठक, शिक्षा सुधार पर दिया जोर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक करते बीईओ

नरहट (नवादा): प्रखंड सभा कक्ष में शनिवार को सभी प्रधानाध्यापक, प्रधान शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापकों के साथ प्रभारी बीईओ निशांत प्रियदर्शी की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान बीईओ ने विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रधानाध्यापकों को अपने-अपने विद्यालयों में छात्र संख्या बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही, विद्यालय के पोषक क्षेत्र के अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बीईओ ने बताया कि स्कूलों को संगीत वाद्य यंत्र और खेल सामग्री उपलब्ध कराई गई है, जिनका नियमित उपयोग किया जाना चाहिए। जिला कॉर्डिनेटर समीक्षा पाठक ने कहा कि खेल एवं संगीत गतिविधियों से बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास में मदद मिलती है। इस अवसर पर पाठक ने निपुण भारत कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान बिना आधार कार्ड के बच्चों के नामांकन का मुद्दा भी उठा। इस पर प्रधानाध्यापकों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बिना आधार के नामांकन लेने पर ई-शिक्षा पोर्टल पर बच्चों का विवरण प्रदर्शित नहीं होता। ऐसे में ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) जारी करते समय बीईओ द्वारा हस्ताक्षर नहीं किए जाने से छात्रों को दूसरे विद्यालय में नामांकन में कठिनाई होती है। विद्यालय में संगीत शिक्षक की कमी के बारे में भी बताया। इस मौके पर एमडीएम प्रभारी चंद्रभूषण कुमार ने उपस्थित प्रधानाध्यापकों को पोषण पखवाड़ा 2026 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में जिला कोऑर्डिनेटर समीक्षा पाठक, ताबिश आलम, गणेश कुमार, सुरेंद्र पासवान, संजय कुमार , राजेश कुमार राजेंद्र चौधरी शंकर चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

स्मृतिशेष स्व. अरुण लता सिन्हा : एक स्मृति, जो समय से परे है......

कुछ लोग केवल जीवन जीते नहीं, बल्कि अपने जाने के बाद भी यादों में जीवित रहते हैं। स्वर्गीय अरुण लता सिन्हा ऐसी ही एक व्यक्तित्व थीं, जिनका स्नेह, जिनकी ममता और जिनके संस्कार आज भी हर दिल में उसी तरह बसे हुए हैं। सोन वर्षा वाणी का यह विशेष पृष्ठ उसी अमिट स्मृति को समर्पित है। यह केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि भावनाओं का प्रवाह है—जहाँ उनके प्रियजनों ने अपनी-अपनी यादों को सहेजते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। इन लेखों में कहीं एक बेटी का अपनापन है, कहीं एक पोते-नाती का गर्व, कहीं परिवार का स्नेह, तो कहीं उन संस्कारों की झलक, जो उन्होंने जीवन भर दिए। यह पृष्ठ एक प्रयास है—उन्हें याद करने का, उन्हें महसूस करने का, और उनके जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाने का....

मां-मेरी पहली दुनिया

जब मन उदास होता था,
बस तुमको एक कॉल लगाती थी,
तुम्हारी आवाज़ सुनते ही माँ,
जैसे हर ग़म भूल जाती थी।
तुमसे बातें करना ही,
मेरी सबसे बड़ी राहत थी,
तुम्हारे हर शब्द में माँ,
एक सुकून की चाहत थी।
तुम्हारे छोटे-छोटे शौक,
पूरे करने में जो खुशी मिलती थी,
वो खुशी इस दुनिया में माँ,
कहीं और नहीं मिलती थी।
जब भी मैं बाजार जाती थी,
तुम धीरे से कहती थीं माँ,
"मेरे लिए फेयर एंड लवली ले आना बेबी",
बस यही छोटी-सी ख्वाहिश होती थी तुम्हारी माँ।
वो तुम्हारा "बेबी" कहना,
आज बहुत याद आता है,
एक शब्द ही तो था वो,
पर दिल को सुकून दे जाता है।
अब बाजार भी जाती हूँ,
सब कुछ खरीद भी लाती हूँ,
पर कोई नहीं कहता अब,
"मेरे लिए कुछ ले आना बेबी"
यही सोचकर चुप हो जाती हूँ।
तुम्हारी वो छोटी-छोटी बातें,
आज सबसे बड़ी लगती हैं,
तुम नहीं हो पास मेरे,
बस यादें ही साथ चलती हैं।
काश एक बार फिर से माँ,
तुम मुझे "बेबी" बुलाओ,
मैं दौड़कर तुम्हारे पास आऊँ,
और तुम्हारी वो ख्वाहिश पूरी कर जाऊँ।
आज भी जब मन टूटता है,
बस तुम्हारा नाम आ जाता है,
आँखों में आँसू भरकर माँ,
दिल तुमको और पापा को ही पुकारता है।
तुम बहुत याद आती हो माँ,
हर दिन, हर एक घड़ी,
आप दोनों के बिना अधूरी हूँ मैं,
आप ही से रौशन थी मेरी ज़िंदगी।
काश फिर से वो दिन लौट आएं,
जब आप दोनों साथ होते,
हर त्योहार में रंग भर जाते,
और हम सब एक साथ होते।
तुम्हारे बिना माँ, पापा,
सब कुछ होते हुए भी कुछ नहीं,
बहुत याद आते हो आप दोनों।
आप दोनों के बिना बारुन का घर सूना है,
हर कोना आप दोनों को बुलाता है।
बहुत याद आता है माँ,
तुम्हारे हाथ का वो खाना,
जिसमें बस स्वाद ही नहीं,
तुम्हारा प्यार भी था बसता ।
जब सर दर्द से भारी होता था,
तुम चुपचाप तेल लगाती थीं,
अपने नर्म हाथों से माँ,
सारा दर्द ही भुला जाती थीं।
काश तुन्हारी गोद में सिर रख पाऊँ,
सब भूलकर इस दुनिया को,
बस तुझमें ही खो जाऊँ।

- आपकी बेटी , भारती

नानी का सपना, मेरी प्रेरणा

नाना-नानी का हमेशा सपना था कि मैं आईएएस बनूं, और वे हर कदम पर मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। उनकी बातों में एक विश्वास झलकता था—जैसे उन्हें मुझ पर पूरा भरोसा हो कि मैं उनके सपनों को जरूर पूरा करूंगी। उन्होंने हमें केवल पढ़ाई की अहमियत ही नहीं सिखाई, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी समझाई। वे हमेशा कहते थे कि जीवन में आगे बढ़ते हुए कभी भी अपने मूल्यों को मत भूलना। उन्होंने हमें पिछड़े और वंचित वर्गों के प्रति सहानुभूति, करुणा और सेवा का भाव सिखाया। आज जब मैं अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही हूँ, तो उनकी यही सीख मुझे हर कदम पर मार्गदर्शन देती है, और मैं इसे अपनी सेवा में उतारने का संकल्प रखती हूँ। उनके हाथों का बना चावल और साग आज भी मेरी यादों में ताजा है। वे इतने प्यार और लगन से हम सबके लिए फिश करी बनाती थीं कि उसका स्वाद आज भी दिल में बसा हुआ है। **- आपकी नतिनी, मोनिका (IAS)**

एक व्यक्तित्व नहीं, एक युग की जीवित परंपरा

- आपका पोता, साकेत कुमार

आज का दिन मेरे लिए केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं, बल्कि भावनाओं का सागर है। यह वह क्षण है जब हम अपनी पूजनीय दादी, स्वर्गीय अरुण लता सिन्हा की प्रतिमा का अनावरण कर रहे हैं एक ऐसी प्रतिमा जो केवल पत्थर या धातु की आकृति नहीं, बल्कि उस जीवंत आत्मा की प्रतीक है, जिसने पूरे परिवार, गाँव-जवार और समाज को अपने स्नेह, करुणा और संस्कारों से सींचा। दादी एक साधारण महिला नहीं थीं; वे एक ऐसी धुरी थीं, जिसके चारों ओर हमारा पूरा परिवार और सामाजिक परिवेश घूमता था। उनके जीवन की सबसे बड़ी विशेषता थी—लोगों को जोड़ने की अद्भुत क्षमता। आज के इस स्वार्थी और भागदौड़ भरे युग में, जहाँ रिश्ते अक्सर औपचारिकता बनकर रह जाते हैं, वहाँ दादी का जीवन हमें यह सिखाता है कि रिश्ते निभाए जाते हैं, संवारे जाते हैं, और दिल से जोड़े जाते हैं।

हमारे पैत्रिक गाँव 'कर्मा' में आज भी उनका नाम श्रद्धा और प्रेम के साथ लिया जाता है। जब भी कोई बुजुर्ग या ग्रामीण उनके बारे में बात करता है, तो उसकी आँखों में सम्मान और हृदय में अपनापन साफ झलकता है। यह कोई सामान्य बात नहीं है, यह उस जीवन की कमाई है, जो उन्होंने दूसरों के लिए जिया। दादी के व्यक्तित्व का सबसे उज्ज्वल पक्ष था उनकी करुणा और सेवा भावना। उनके लिए कोई "पराया" नहीं था। कोई गरीब, असहाय या जरूरतमंद उनके दरवाजे से खाली हाथ नहीं लौटता था। मदद करना उनके लिए कोई दायित्व नहीं, बल्कि स्वभाव था। यह उनकी आत्मा में बसा हुआ संस्कार था। वे केवल अपने परिवार तक सीमित नहीं रहीं। उन्होंने दूर-दराज के रिश्तेदारों के बच्चों को अपने घर में स्थान दिया, उन्हें पाला, पढ़ाया और जीवन की दिशा दी। आज जब हम उन लोगों को सफल जीवन जीते देखते हैं, तो महसूस होता है कि उनकी सफलता के पीछे दादी का निस्वार्थ प्रेम और त्याग खड़ा है। एक आदर्श धर्मपत्नी के रूप में उन्होंने अपने पति, प्रख्यात शिक्षाविद स्वर्गीय लाला शम्भू नाथ का हर कदम पर साथ निभाया। उन्होंने केवल एक पत्नी का कर्तव्य नहीं निभाया, बल्कि एक सच्चे जीवनसाथी की भूमिका को जीवंत किया। उनके संघर्षों में सहभागी बनीं, उनके सपनों को अपना सपना बनाया और अंत तक उनके साथ अडिग रहीं।

भोजन की समझ से लेकर रिश्तों की गहरी समझ तक...

दादी एक उत्कृष्ट गृहिणी भी थीं। उनके हाथों का बना भोजन केवल स्वादिष्ट नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और गुणवत्ता का अद्भुत संगम होता था। उस समय, जब संसाधन सीमित थे, तब भी वे इस बात का पूरा ध्यान रखती थीं कि भोजन पौष्टिक हो, शुद्ध हो और परिवार के हर सदस्य की जरूरतों के अनुरूप हो। वे घर की महिलाओं को भी सिखाती थीं कि रसोई केवल खाना बनाने की जगह नहीं, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की नींव है। उनकी एक और अनोखी विशेषता थी—रिश्तों की गहरी समझ और स्मरण शक्ति। उन्हें परिवार के हर सदस्य के बारे में विस्तार से जानकारी होती थी—कौन कौन है, किससे क्या संबंध है। आज के डिजिटल युग में भी हम इतनी स्पष्टता से रिश्तों को याद नहीं रख पाते, लेकिन दादी के लिए यह सब सहज था। यह केवल स्मरण शक्ति नहीं, बल्कि रिश्तों के प्रति उनकी गहरी निष्ठा का प्रमाण था। जब भी कोई दूर का रिश्तेदार या गाँव का व्यक्ति घर आता, तो वह सबसे पहले "चाची" कहकर उनका आशीर्वाद लेता। यह संबोधन केवल एक शब्द नहीं था, बल्कि उस विश्वास, सम्मान और अपनत्व का प्रतीक था, जो उन्होंने अपने व्यवहार से अर्जित किया था।

हम सबकी दादी बनी 'एमा'

दादी के साथ हमारा रिश्ता केवल औपचारिक नहीं था, उसमें अपनापन, बचपन की मिठास और एक अनोखी पहचान जुड़ी हुई थी। हम सभी पोते-पोतियां उन्हें "दादी" नहीं, बल्कि बड़े स्नेह से "एमा" कहकर पुकारते थे। यह संबोधन अपने आप में एक कहानी है। एक मासूम बचपन की याद, जो आज भी दिल को छू जाती है। दरअसल, मैं अपने परिवार का सबसे बड़ा पोता हूँ। बचपन में जब मैं अपने पापा और चाचा को अपनी माँ यानी मेरी दादी को "ऐ मां" कहकर पुकारते सुनता था, तो वही शब्द मेरे मन में बस गया। मेरी नन्ही जुबान ने उसे अपने ढंग से ढाल लिया, और "ऐ मां" धीरे-धीरे "एमा" बन गया। उस समय न मुझे इसका कोई अर्थ पता था, न ही कोई औपचारिकता। बस एक सहज पुकार थी, जिसमें पूरा अपनापन समाया हुआ था। धीरे-धीरे, मेरे पीछे मेरे सभी छोटे भाई-बहन, पोते-पोतियां भी उसी पुकार को अपनाने लगे। देखते ही देखते "एमा" केवल मेरा नहीं, बल्कि पूरे परिवार का संबोधन बन गया। दादी अब सिर्फ "दादी" नहीं रहीं—वे हमारी "एमा" बन गईं। इस संबोधन में एक अलग ही गर्माहट थी। जब भी हम "एमा" कहकर उन्हें पुकारते, तो उनके चेहरे पर एक विशेष मुस्कान खिल उठती थी—वह मुस्कान जो केवल सच्चे स्नेह और अपनत्व से आती है। उन्हें इस नाम से एक अलग ही खुशी मिलती थी, मानो यह शब्द उनके और हमारे बीच एक अदृश्य, लेकिन बेहद मजबूत भावनात्मक डोर बन गया हो। "एमा" केवल एक नाम नहीं था—यह हमारे बचपन की पहचान था, हमारे रिश्ते की गहराई थी, और उस प्रेम का प्रतीक था जो बिना किसी औपचारिकता के, पूरी सहजता से बहता था। आज जब हम उन्हें याद करते हैं, तो "दादी" शब्द से ज्यादा "एमा" हमारे दिल में गूंजता है। यह वही पुकार है, जो आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित है—हर उस क्षण में, जब हम उनके स्नेह, उनके स्पर्श और उनकी ममता को महसूस करते हैं।

एक जागरूक महिला थी हमारी दादी

दादी समय के साथ चलने वाली महिला थीं। वे केवल परंपराओं तक सीमित नहीं थीं, बल्कि आधुनिकता को भी समझती थीं। रोज अखबार पढ़ना, देश-दुनिया की गतिविधियों से अवगत रहना, राजनीति में रुचि लेना ये सब उनके व्यक्तित्व को और भी व्यापक बनाते थे। वे जानना चाहती थीं, समझना चाहती थीं और अपने विचारों को विकसित करती रहती थीं। उनका जीवन जितना शांत और स्नेहपूर्ण था, उनका अंत उतना ही अचानक और अप्रत्याशित। वे एक तेज हवा के झोंके की तरह आईं और उसी तरह चली भी गईं। बिना किसी को सेवा का अवसर दिए, बिना किसी को तैयारी का समय दिए। उनका जाना आज भी एक खालीपन छोड़ जाता है, जिसे कोई भर नहीं सकता। लेकिन वे गई नहीं हैं, वे आज भी हमारे बीच हैं। हमारी यादों में, हमारे संस्कारों में, हमारे व्यवहार में और आज उनकी प्रतिमा के रूप में हमारे सामने खड़ी हैं। यह प्रतिमा केवल उनकी आकृति नहीं, बल्कि उनके जीवन मूल्यों की जीवित प्रेरणा है।

एक भावना, एक परंपरा, एक आदर्श थीं हमारी दादी

मैं स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे उनका सान्निध्य मिला। और यह मेरे जीवन का सबसे सुंदर क्षणों में से एक है कि वे अपने परपोते, मेरे बेटे सोमांक से मिलीं, उसके साथ समय बिताया। यह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक संस्कारों के हस्तांतरण का जीवंत उदाहरण है। मेरी यही कामना है कि दादी के कुछ गुण, उनकी करुणा, उनका संयम, उनका प्रेम—मेरे बेटे में भी समाहित हों। आज जब हम उनकी प्रतिमा का अनावरण कर रहे हैं, तो यह केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि एक संकल्प भी है कि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलेंगे, रिश्तों को जोड़कर रखेंगे, जरूरतमंदों की सहायता करेंगे, और परिवार व समाज को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास करेंगे। स्वर्गीय अरुण लता सिन्हा केवल एक नाम नहीं थीं—वे एक भावना थीं, एक परंपरा थीं, एक आदर्श थीं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि महानता बड़े पद या प्रसिद्धि में नहीं, बल्कि छोटे-छोटे कर्मों में, सच्चे प्रेम में और निस्वार्थ सेवा में होती है।

नाना-नानी का घर : बचपन की सबसे प्यारी दुनिया

वो थीं तो सबसे छुपाकर हमारे लिए कुछ चीज़ें अलग से रख लेती थीं। अपने कमरे की अलमारी में ताला लगाकर, उसकी चाभी लाल डोरी के साथ रूमाल में बांधकर रखती थीं। वो हमारी नानी थीं—जो हमारे कम खाने और दिनभर खेलने व टीवी देखने की शिकायत तो माँ से करती थीं, लेकिन उसका जिम्मेदार भी आखिरकार माँ को ही ठहराती थीं। कुछ तो खास होता ही है उस रिश्ते में, तभी तो नानी को माँ की भी माँ कहा जाता है। "नाना-नानी के घर जाना है"—यह सुनते ही मन हर्षित हो उठता था। नाना-नानी जैसा दुलार और प्यार भला कहाँ मिल पाता है? वे सबकी डाँट से बचाती थीं, हमें मनमानी करने देती थीं, अच्छे-अच्छे पकवान खिलाती थीं और साथ ही अच्छी बातें भी सिखाती थीं। उनके हर व्यवहार में एक सीख छिपी होती थी—वे हमारी गलतियों को सुधारकर हमें बेहतर बनाती थीं। आज आप जहाँ भी हों, अपने पूरे परिवार पर अपना आशीर्वाद बनाए रखिए। मैं भी हमेशा अपने नाना-नानी, मामा-मामी का नाम रोशन करने की पूरी कोशिश करता रहूँगा। **- आपका नाती (वैभव-श्वेताभ)**

नानी-नाना, आपकी यादों में आज भी जीती हूं...

प्रणाम नानी-नाना,
मुझे पता है, आप जहाँ भी होंगी, मुझे अपना आशीर्वाद ज़रूर दे रही होंगी। आज आपकी प्रतिमा के अनावरण के इस अवसर पर मैं यहाँ नहीं हूँ। मेरा बहुत मन था नानी, लेकिन हालात ऐसे थे कि मैं आ नहीं पाई। और कभी-कभी लगता है कि अगर आती भी, तो शायद खुद को संभाल नहीं पाती। नानी, आप इतनी जल्दी क्यों चली गईं? मुझे भी तो आपको वो सारी खुशियाँ देनी थीं, जो हर नातिन का सपना होता है। मेरे मन में बहुत से अरमान थे—मैं आपको सिल्क की साड़ी गिफ्ट करना चाहती थी। आप भी तो मुझे मेडिकल कॉलेज जाते हुए देखना चाहती थीं ना, नानी? आज वो सब है, पर आप नहीं हैं। कभी-कभी लगता है, काश पता होता कि वो हमारी आखिरी मुलाकात है तो मैं आपका हाथ कसकर पकड़ती और आपको बताती कि मैं आपसे कितना प्यार करती हूँ। आपसे गले लगकर कहती कि आप मेरे लिए कितनी खास हैं। जब भी कुछ अच्छा होता है, तो दिल कहता है कि आप ही मेरे लिए रास्ता आसान बना रही हैं। नानी, आप बहुत अलग थीं—बहुत ही खास। मैंने कभी आप जैसा किसी को नहीं देखा, जो खुद भूखा रह जाए, लेकिन सामने वाले को दो रोटी ज़रूर परोस दे। इस स्वार्थी दुनिया में आप निस्वार्थ प्रेम की मिसाल थीं। आपकी खूबसूरती केवल चेहरे में नहीं, बल्कि आपके शांत स्वभाव और असीम धैर्य में भी झलकती थी। मुझे अपने बरुण (बचपन) की हर छोटी-बड़ी बात याद है—नाना के साथ टीवी देखना, बाहर बैठना और जैसे ही हम वहाँ पहुँचते थे, आप दोनों की खुशी देखने लायक होती थी। नाना के जाने के बाद आप ही हमारा "नानी घर" थीं और अब

आप भी चली गईं। अब ये सारी यादें और भी अनमोल हो गई हैं। जब भी आपकी या नाना की याद आती है, मैं उसे लिख लेती हूँ, ताकि कभी भूल न जाऊँ। क्योंकि मैं चाहती हूँ कि आने वाली पीढ़ी भी जाने कि मेरे नाना-नानी कितने प्यारे और अनमोल थे। नानी, आपके हाथों में तो जैसे जादू था—वो स्पर्श इतना कोमल, इतना सुकून देने वाला और जब आप मेरे बालों में तेल लगाती थीं, उससे ज्यादा सुख शायद कहीं नहीं था। आप तो मुझसे अपने पैर भी नहीं दबवाती थीं। आपकी याद में न जाने कितनी रातें रोते हुए गुज़री हैं, नानी मैं आज भी तड़प जाती हूँ आपकी वो एक आवाज़—**"मेरी पारो"** सुनने के लिए।

वो चटक रंग की साड़ी,
वो आँखों में सुरमा,
दिल में बसाए सिर्फ प्यार,
खुशबू में घुली सादगी
खुद भूखी रह जाए जो,
पर दूसरों की थाली न रहने दे सूनी
ऐसी पवित्र आत्मा के आने पर,
खुदा ने भी सिर झुकाया होगा,
आसमान ने मुस्कुराकर स्वागत किया होगा,
और स्वर्ग ने भी आपका इंतज़ार किया होगा, आप इतनी प्यारी थीं कि भगवान ने भी आपको गले लगाया होगा। मैं वादा करती हूँ, नानी-नाना—मैं आपको कभी निराश नहीं करूँगी।

- आपकी नतिनी, परी

नानी के घर की यादें बचपन का सबसे सुकूनभरा संसार

नानी के घर की यादें आज
भी दिल को सुकून देती हैं
हमारे पहुँचते ही आपका राजभोग
खिलाना और सुबह-सुबह जलेबी
मंगवाना, जैसे हर दिन कोई छोटा
सा जश्न हो। वो बेफिक्र दिन—देर
तक सोना, मनचाहा खाना, और
हर बात पर नानी का प्यार।
न कोई डाँट, न कोई जल्दी
बस अपनापन ही अपनापन।
घंटों टीवी देखना, और शाम होते
ही छत पर खेलने जाना
हर पल को खुलकर जीना।
नानी के हाथ का सना हुआ
चावल-साग,
और मुझे इतने प्यार से "सूरत"
कहकर बुलाना—
सच में, नाना-नानी की वो यादें
ज़िंदगी की सबसे खूबसूरत दौलत
हैं। नानी, आप हमेशा यही सिखाती
थीं कि ज़रूरतमंद की मदद करो
खुद दो रोटी कम खा लेना, लेकिन
भूखे को पहले खिलाना।
आपकी यही सीख आज भी दिल
में बसी है, और हर बार किसी की
मदद करते वक्त आपकी याद और
भी गहरी हो जाती है। अब समझ
आता है कि वो छोटे-छोटे पल
कितने बहुमूल्य थे।
नाना-नानी जैसा स्नेह कहीं और
नहीं मिलता।

- आपकी नतिनी, श्रुतिका

"प्रतिमा के सामने खड़ी हूं, पर तुम्हें हर सांस में जीती हूं मां"

माँ, तुम आज हमारे बीच नहीं हो, लेकिन तुम्हारी उपस्थिति इस घर के हर कोने में है,हमारे साथ है। आज जब तुम्हारी प्रतिमा का अनावरण हो रहा है, ऐसा लगता है मानो समय ठहर गया हो—जैसे तुम फिर से हमारे बीच आ गई हों, उसी स्नेह और अपनापन के साथ।लेकिन मां,तुम्हारी जगह कोई नहीं ले सकता ,कभी नहीं ले सकता।

मैं तुम्हे हर दिन याद करती हूँ, हर छोटी-बड़ी बात में तुम्हारी कमी महसूस होती है। जब भी कोई मुश्किल आती है, सबसे पहले तुम्हारा ही चेहरा सामने आता है। तुम्हारी आवाज, तुम्हारा प्यार, तुम्हारा सभी के प्रति सहयोग का भाव—सब कुछ जैसे अब भी मेरे आसपास है, लेकिन छूने के लिए तुम नहीं हो मां।तुम कहां चली गई हो मां

माँ, मुझे आज भी वो दिन याद हैं जब तुम मुझे अपनी सबसे पसंदीदा चीज़ें बड़े प्यार से दे देती थीं—जैसे तुम्हारी सारी खुशियाँ भी मुझसे ही जुड़ी हों। जब भी मैं छुट्टियों में तुम्हारे पास आती थी,तुम्हारे और पापा के साथ बैठ के घंटों बाते करती थी।ये सब खत्म हो गया मां।पहले पापा चले गए और फिर तुम भी....तुम्हारे और पापा के साथ एक अलग ही सुकून महसूस होता था मां,जो अब नहीं होता,कहीं नहीं होता।

जब भी मैं किसी भी बात से परेशान या टूटी हुई तुम्हारे पास आती थी,तुम बिना कुछ पूछे ही मुझे अपना सारा प्यार और सुकून दे देती थी। तुम्हारी गोद में सिर रखते ही जैसे सारी परेशानियाँ खत्म हो जाती थीं। अब ना तुम हो ना तुम्हारी वो गोद है मां।तुम ही मेरी हर मुश्किल में मेरा सहारा बनी, तुमने ही मुझे हर कठिन परिस्थिति में संभालना सिखाया।शादी के बाद कैसे सभी चीजों को संभालते हैं ये भी तो तुमने सिखाया ना मां। तुम्हारी सीखें ही मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। तुमने जो संस्कार दिए, वही मुझे हर दिन संभालते हैं। फिर भी, एक खालीपन है जो कभी भर नहीं सकता—तुम्हारी गोद का सुकून, तुम्हारे कोमल हाथों का स्पर्श, तुम्हारी

आँखों का वो निःस्वार्थ प्रेम। आज तुम्हारी प्रतिमा के सामने खड़ी होकर, मैं बस यही कह पा रही हूँ कि मैं तुमको हर दिन जीती हूँ, हर दिन तुमको ढूँढती हूँ, और हर दिन तुमको और भी ज़्यादा याद करती हूँ। मुझे आज भी तुम्हारी ज़रूरत है, पहले से कहीं अधिक।आज भी एक रात नहीं बीतती, जो तुम्हारी याद न आए। तुम जहाँ भी हो, बस इतना जान लो,तुम मेरी हर साँस में बसी हो, और हमेशा रहोगी और तुम्हारी कमी हमेशा तुम्हारी लुसी को खलेगी मां..._

तुम्हारी बेटी, आरती उर्फ लुसी

एमा : हमारे घर की नींव, स्नेह और संस्कारों की अमर धरोहर...

दादी जिन्हें हम सब प्यार से "एमा" पुकारते थे—आपके जाने के बाद भी ऐसा लगता है मानो आपकी आवाज आज भी हमारे आसपास गूंज रही हो। समय भले आगे बढ़ गया हो, लेकिन आपकी उपस्थिति हमारे जीवन से कभी दूर नहीं हुई। आप केवल परिवार की सबसे बुजुर्ग सदस्य नहीं थीं, बल्कि हमारे घर की वह मजबूत नींव थीं, जिस पर हम सब आज भी टिके हुए हैं। आपका प्यार निस्वार्थ था—बिलकुल निर्मल और ईश्वर के वरदान जैसा। आपने कभी अपने लिए नहीं सोचा, हमेशा परिवार के हर सदस्य की खुशी को ही अपनी खुशी माना। आपके स्नेह में एक ऐसी गहराई थी, जो शब्दों में बयां नहीं की जा सकती, लेकिन दिल हर पल उसे महसूस करता है। दुनिया कितनी भी बदल जाए, जीवन कितना भी आगे बढ़ जाए, लेकिन आपके हाथों के बने खाने का स्वाद आज भी यादों में ताजा है। खासकर वह पल, जब आप अपने हाथों से खाना मिलाकर मुझे खिलाती थीं—उसमें जो प्रेम, जो अपनापन होता था, वह दुनिया के किसी भी स्वाद से बढ़कर था। और आपका वह स्नेह भरा आलिंगन—जिसमें हर चिंता, हर डर जैसे पल भर में खत्म हो जाता था—वह सुकून आज भी कहीं नहीं मिलता। आप केवल मेरी दादी ही नहीं थीं, बल्कि मेरी मार्गदर्शक, मेरी सलाहकार और एक सच्ची दोस्त भी थीं। जब भी किसी बात की उलझन होती, आपका अनुभव और आपकी सहज समझ रास्ता दिखा देती थी। आपके बिना आज सब कुछ सूना-सूना, खाली-खाली सा लगता है—जैसे जीवन में कुछ कमी रह गई हो, जो कभी पूरी नहीं हो सकती। मुझे आज भी अपने हर जन्मदिन की वह खुशी याद है, जब आप मेरे लिए कुछ न कुछ जरूर लाती थीं। आपका वह झोला, जिसमें ढेर सारी छोटी-बड़ी चीजें होती थीं—वह केवल उपहार नहीं होता था, बल्कि उसमें आपका प्यार भरा होता था। आपके लिए शायद वह सामान्य था, लेकिन मेरे लिए वह हर बार एक खास एहसास बन जाता था। आज आपकी मूर्ति के अनावरण के अवसर पर आपकी याद और भी गहरी हो गई है। यह केवल

एक प्रतिमा का अनावरण नहीं, बल्कि आपके व्यक्तित्व, आपके त्याग और आपके प्रेम को नमन करने का क्षण है। आप भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन आपके संस्कार, आपका स्नेह और आपका आशीर्वाद हर पल हमारे साथ हैं। मैं यही प्रार्थना करता हूँ कि आपके आशीर्वाद से मैं जीवन में आगे बढ़ता रहूँ, आपके बताए मार्ग पर चलूँ और कुछ ऐसा करूँ जिससे आपका नाम और अधिक रोशन हो। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि आपकी आत्मा को शांति मिले, और आप जहाँ भी हों, हमें इसी तरह अपना स्नेह और आशीर्वाद देती रहें।

- आपका कौस्तुभ, पौत्र

संक्षिप्त समाचार

निःशुल्क आंख जांच व चश्मा वितरण शिविर आयोजित

बिक्रमगंज / रोहतास। समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग,बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में बिक्रमगंज प्रखंड स्थित बिक्रमगंज ब्लॉक में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मुफ्त चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष शिविर 6 अप्रैल 2026 से 5 जून 2026 तक संचालित है। इस अवधि में सभी आयु वर्ग के महिला,पुरुष एवं बच्चे अपनी आंखों की जांच करवा सकते हैं तथा आवश्यकता अनुसार उन्हें निःशुल्क चश्मा उपलब्ध कराया जाएगा। उक्त के आलोक में आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी बुनियाद केंद्र बिक्रमगंज ब्लॉक पर पहुंचकर इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं एवं अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों को भी इसके प्रति जागरूक करें। साथ ही सभी संबंधित विभागों से अनुरोध किया गया है कि वे इस जनहितकारी कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार में सक्रिय सहयोग प्रदान करें,ताकि अधिकाधिक लाभुक लाभान्वित हो सके।

कदवा में संकुल स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन

कटिहार। आनंदी मध्य विद्यालय कदवा में संकुल स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी माह के द्वितीय शनिवार होने के कारण कक्षा चार एवं पांच के नामित शिक्षक एवं प्राथमिक कक्षाओं के अन्य बच्चे शिक्षक जो पहले शनिवार को सम्मिलित नहीं हुए थे, सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया। संगोष्ठी का अध्यक्षता संकुल संसाधन केंद्र के संचालिका सह आनंदी मध्य विद्यालय कदवा की प्रधानाध्यापिका शोभा देवी ने किया। संगोष्ठी का संचालन संकुल सामनवक सह प्रधानाध्यापक गजेंद्र प्रसाद विश्वास ने किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए संकुल संचालिका सह आनंदी मध्य विद्यालय कदवा के प्रधानाध्यापिका शोभा देवी ने कहा कि सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को पाटिका लिखना अनिवार्य है।नये शैक्षणिक वर्ष के पाठ्य-पुस्तक वितरण स-समय छात्र-छात्राओं को करने के साथ-साथ नए शैक्षणिक वर्ष की समय सारणी के अनुसार पठन-पाठन कार्य प्रारंभ करना सुनिश्चित करेंगे। कार्य पुस्तिका पर विस्तार रूप से चर्चा किया गया। संकुल संचालिका सह प्रधानाध्यापिका शोभा देवी ने कहा कि सभी बच्चों का एक बेसलाइन तैयार करेंगे।दक्षता के आकलन को ट्रैकर पर भर लेंगे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए संकुल समन्वयक सह मध्य विद्यालय तेगछिया के प्रधानाध्यापक गजेंद्र प्रसाद विश्वास ने कहा कि नये शैक्षणिक वर्ष में सभी छात्र- छात्राओं को नए शैक्षणिक वर्ष की पाठ्य पुस्तक को वितरण करना सुनिश्चित करेंगे। समय सारणी बनाकर सारणी के अनुरूप पठन-पाठन प्रारंभ करेंगे।

संकुल समन्वयक गजेंद्र प्रसाद विश्वास ने कहा कि सभी शिक्षक शिक्षिकाएं अपने-अपने विद्यालय का पाटिका का लिखना सुनिश्चित करेंगे। सभी छात्र-छात्राओं स्कूल ड्रेस में विद्यालय आना सुनिश्चित करेंगे।विद्यालय संचालन के अवधि में विद्यालय में सभी छात्र-छात्राओं का ठहराव सुनिश्चित करेंगे। संकुल समन्वयक गजेंद्र प्रसाद विश्वास ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यालय प्रातः 6:30 से 12:30 तक संचालित हो रहा है। समय से पूर्व सभी शिक्षक शिक्षिकाओं विद्यालय पहुंचेंगे। संगोष्ठी में प्राथमिक विद्यालय वृन्दावारी के शिक्षक शेखर कुमार सुमन,किशन गुप्ता, प्राथमिक विद्यालय सोसा के शिक्षक मोहम्मद अब्दुल अज़ीज़,आनंदी मध्य विद्यालय कदवा के शिक्षिका आरती कुमारी,मनोरंजना कुमारी, नेहा प्रवीण, शिक्षक चंदन कुमार,प्राथमिक विद्यालय रामनगर सोसा की शिक्षिका सुलोचना कुमारी,शिक्षक मुकेश कुमार,प्राथमिक विद्यालय चौहान टोला नुनगरा के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार झा, शिक्षक आदर्श, प्राथमिक विद्यालय दोखड़ा के शिक्षक त्रिवेणी प्रसाद मंडल, हरदेव सिंह, धर्मदेव कुशवाहा,प्राथमिक विद्यालय रानीगंज के शिक्षिका अनिता कुमारी,प्राथमिक विद्यालय मंडल टोला के शिक्षक मोहम्मद राजिउद्दीन,उत्क्रमित मध्य विद्यालय तेगछिया के शिक्षक अरविंद कुमार महतो सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

आदर्श मध्य विद्यालय नुनगरा में सुरक्षित शनिवार के तहत कई कार्यक्रम आयोजित

कटिहार। कदवा प्रखंड अंतर्गत कदवा पंचायत स्थित सुशीला कृत आदर्श मध्य विद्यालय नुनगरा में सुरक्षित शनिवार के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुरक्षित शनिवार के तहत विद्यालय के छात्र-छात्राओं का बाल संसद का पुनर्गठन किया गया। सुरक्षित शनिवार के तहत विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच बाल विवाद प्रतियोगिता,सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गीत,संगीत,नृत्य सामूहिक की प्रस्तुति किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार विश्वास, शिक्षक आलोक कुमार आलोक, चंदन कुमार,तनु जायसवाल, एकता कुमारी ने भी विस्तार रूप से बच्चों को जानकारी दिया। प्रधानाध्यापक अशोक कुमार विश्वास ने बताया कि सुरक्षित शनिवार के तहत विद्यालय में कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाल संसद का पुनर्गठन किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री विभीषण कुमार, उप प्रधानमंत्री अंशु प्रिया,शिक्षा मंत्री केशव कुमार,उप शिक्षा मंत्री ईशा कुमारी,स्वास्थ्य एवं पर्यावरण मंत्री दीपक कुमार, उप स्वास्थ्य एवं पर्यावरण मंत्री दर्पण कुमारी, खेल मंत्री मानस कुमार,उप खेल मंत्री आदित्य कुमार, पुस्तकालय एवं विज्ञान मंत्री गुंजन कुमार,उप पुस्तकालय एवं विज्ञान मंत्री राधा कुमारी,बागवानी एवं कृषि मंत्री आयुष कुमार,उप बागवानी एवं कृषि मंत्री पूर्णिमा कुमारी,आपदा मंत्री श्रीकांत कुमार,उप आपदा मंत्री इसिका एंजेल को बनाया गया। बाल संसद का पुनर्गठन किये जाने से विद्यालय के छात्र-छात्राओं में काफी खुशहाल देखें गये। बाल संसद के बने मंत्री को विधालय के छात्र-छात्राओं ने बधाई दिया है। साथ ही विद्यालय के प्रधानाध्यापक शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी बाल संसद के सभी छात्राओं को बधाई दिया है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक तनु जायसवाल, चंदन कुमार,आलोक कुमार आलोक, एकता कुमारी उपस्थित थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोसाईपुर के प्रधानाध्यापिका ने छात्र-छात्राओं को किया पाठ्य पुस्तक वितरण

कटिहार। जिले के आजमनगर प्रखंड अंतर्गत शीतलपुर पंचायत के मध्य विद्यालय गोसाईपुर में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापिका रेहाना खातून ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष,सचिव रहे। समारोह में विद्यालय के प्रधानाध्यापिका रेहाना खातून के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विधालय के छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तकें वितरण किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापिका रेहाना खातून एवं शिक्षक दिनेश प्रसाद साह,हसीना मुमताज,लाल बहादुर मंडल,रेहाना प्रवीण,महेश कुमार पासवान,मो.सुफीयान,धीरज कुमार राय,जैतून निशा ने कहा कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोसाईपुर के सभी वर्ग के छात्र-छात्राएं पठन-पाठन के साथ-साथ अनुशासन पालन करते हैं। विद्यालय में समय पर छात्र-छात्राएं स्कूल ड्रेस में आते हैं और विद्यालय के नियम का पालन करते हुए समय सारणी के अनुसार पठन-पाठन करते हैं। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं पढ़ने के प्रति समर्पण की भाव रखते हैं। जिसके कारण इस विद्यालय के छात्र-छात्राओं का परिणाम अन्य विद्यालय के अपेक्षा अति सराहनीय रहता है।और आगे भी रहेगा। समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक दिनेश प्रसाद साह,हसीना मुमताज,लाल बहादुर मंडल, रेहाना प्रवीण, महेश कुमार पासवान,मो.सुफीयान,धीरज कुमार राय,जैमून निशा का काफी सहयोग रहा।

प्रधानाध्यापक के भाई और बीईओ के बीच जमकर हुई मारपीट मे एक व्यक्ति घायल

बीईओ ने एचएम के मेडिकल छुट्टी के लिए मांगा घुस, नही देने पर भाई के साथ कि मारपीट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कोचस (रोहतास)। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड संसाधन केंद्र में कोचस कल्याण पदाधिकारी सह प्रभारी बीईओ अरविन्द कुमार एवं बलथरी मध्यविद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश प्रसाद सिंह के छोटे भाई राजेश सिंह ऊर्फ राजू यादव के बीच शनिवार को जम कर लात घुसे चले जिसमें शिक्षक के भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। राजू यादव को उनके भगिना द्वारा घायल अवस्था मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां मौके पर उपस्थित चिकित्स्क डॉ तुषार कुमार ने ने प्राथमिक इलाज के बाद सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दस बजे से बिआरसी में प्रधान शिक्षक एवं प्रधानाध्यापको की गोष्ठी चल रही थी। पहली पाली की गोष्ठी समाप्त हो गयी थी। दूसरी पाली की बैठक लगभग साढ़े ग्यारह बजे ऊपर में शुरू हुई थी की निचे कार्यालय कक्ष में राजू यादव दो लोगों के साथ वहां पहुंचे। प्रत्यक्ष दर्शीयों के अनुसार बीईओ ने उनको बुलाकर कुम्प्यूटर कक्ष में लें गये। राजू यादव ने बताया कि आप मेरे बड़े भाई को एचएम ग्रूप से निकालकर क्यों प्रताड़ित कर रहे है। जो मेरे भाई को हार्ट अटैक की ऑपरेशन करना पड़ा है। इसपर बीईओ ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर अपने भाई से बीस हजार रुपये दिलवा दीजिये।इसपर मैंने भ्रष्ट अधिकारी कहा तो वहां से मारपीट करते हए बाहर धकेल दिए जिसे मुझे पेट के बाई तरफ गंभीर चोट आ गयी है।उन्होंने बताया कि उनके साथ दो तीन आदमी पहले से और मौजूद थे जिसे मैं नहीं पहचानता वें लोग भी आकर मुझे एवं मेरे भगिना के साथ मारपीट करने लगें। अपने बचाव में हमलोग भी उत्तर पड़े।अब मैं थाने में जा रहा हूँ ।उधर बीईओ ने बताया कि प्रधानाध्यापक के भाई कार्यालय में आकर मेरे साथ रंगदारी मांग रहे थे और कॉलर पकड़ मारपीट करने लगें।आपको बताते चले कि बीईओ पूर्व मे भी कई बार विवादो के घेरे मे रहे है। इस सम्बन्ध में जिला शिक्षा पदाधिकारी मदन राय ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है इसकी जानकारी ली जा रही है।कोचस थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि दोनों के तरफ से फोन के माध्यम से मारपीट की सूचना प्राप्त हुई है अभी दोनों के तरफ से कोई आवेदन प्राप्त नहीं है आवेदन मिलने के बाद पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करेगी।

इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज रोहतास के शासी निकाय अध्यक्ष बने काराकाट सांसद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास : शनिवार को स्थानीय नगर के इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज रोहतास के परिसर में अवस्थित प्रधानाचार्य कक्ष में शासी निकाय की बैठक हुई । जिसमें सर्व सम्मति से सांसद राजा राम सिंह को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया । पूर्व विधान पार्षद डॉ अजय कुमार सिंह ने राजा राम सिंह का नाम प्रस्तावित किया,जिसे प्रो डॉ अलाउद्दीन अजीजी ने समर्थन किया । बैठक में सभी सदस्य उपस्थिति हुए । मौके पर सांसद राजा राम सिंह,डॉ अजय कुमार सिंह सचिव पूर्व सदस्य बिहार विधान परिषद,प्रो डॉ अलाउद्दीन अजीजी,विश्वविद्यालय प्रतिनिधि प्रो डॉ सुरेन्द्र सिंह, शिक्षाविद सदस्य,डॉ बिनोद कुमार सिंह प्रधानाचार्य,उप प्राचार्य उमेश्वर प्रसाद सिंह,प्रो इंदल सिंह,शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे । साथ ही कॉलेज के विकास हेतु कई विंदुओं पर चर्चा हुई । उक्त दौरान परिसर में एक मल्टी परपस हॉल बनाने का निर्णय लिया गया,जो सभी तरह की सुविधाओं से सुसज्जित होगा एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रायोगिक वर्ग नियमित चलाने का निर्णय लिया गया । शासी निकाय के सभी सम्मानित सदस्यों को डॉ अजय कुमार सिंह सचिव एवं प्रधानाचार्य डॉ बिनोद कुमार सिंह ने अंगवस्त्र,पुष्पगुच्छ एवं फूलमाला देकर सम्मानित एवं स्वागत किया ।

रोहतास में पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल 19 पदाधिकारियों का तबादला

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

सासाराम /रोहतास । जिला आदेश संख्या 58.5/2026 के तहत रोहतास पुलिस बल में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। जारी आदेश के अनुसार 19 पुलिस पदाधिकारियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण एवं नई पदस्थापना की गई है। इस प्रशासनिक बदलाव का उद्देश्य विधि-व्यवस्था को और सुदृढ़ करना बताया जा रहा है। जारी सूची के अनुसार पु.नि. रविभूषण कुमार को अंचल निरीक्षक डिहरी से नासरीगंज, जबकि पु.नि. शेर सिंह यादव को बिक्रमगंज से डिहरी अंचल निरीक्षक बनाया गया है। पु.नि. प्रमोद कुमार को साइबर थाना डिहरी से अंचल निरीक्षक नोखा भेजा गया है। वहीं पु.नि. राहुल को जिला आसूचना इकाई से डिहरी नगर थाना का थानाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा पु.नि. राजीव रंजन राय को सासाराम नगर थाना से डालमियानगर थाना, जबकि पु.नि. शिवेंद्र कुमार को डिहरी नगर थाना से सासाराम नगर थाना का प्रभार दिया गया है। पु.नि. रंजन कुमार को चेनारी से बिक्रमगंज थाना, और पु.नि. बिनय कुमार को दिनारा से यातायात थाना में पदस्थापित किया गया है। पु.नि. दिनेश मालाकार को नोखा से चेनारी, तथा पु.नि. धर्मेंद्र प्रसाद को अगरेर से दिनारा थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं पु.नि. ललन कुमार को बिक्रमगंज से रोहतास थाना, और पु.नि. अनुज कुमार सिंह को अंचल निरीक्षक नोखा से नोखा थाना का थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अन्य आदेशों में पु.अ.नि. जितेंद्र यादव को चेनारी से अगरेर थाना, पु.अ.नि. रविरंजन गुप्ता को डालमियानगर से धर्मपुरा थाना, तथा पु.अ.नि. अमित कुमार राय और रंजय कुमार को सासाराम अनुसंधान इकाई से क्रमशः धौडाढ़ और नटवार थाना का प्रभार सौंपा गया है। महिला पुलिस में भी बदलाव करते हुए पु.अ.नि. उमूस सलमा को राजपुर से महिला थाना और पु.अ.नि. अंशुमाला को महिला थाना से राजपुर थाना का थानाध्यक्ष बनाया गया है।

पछुआ हवा बनी आफत: आगलगी में 150 बीघे गेहूं की फसल खाक, चारे का भी भारी नुकसान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

करगहर (रोहतास)। थाना क्षेत्र के गोरी-गर्भे गांवों के बधार में शनिवार को अचानक लगी आग ने देखते ही देखते भयावह रूप ले लिया और किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। सुबह करीब 10 बजे खेतों में हार्वेस्टिंग के बाद पशुओं के चारे के लिए छोड़े गए डंठलों में आग लग गई, जो तेज पछुआ हवा के कारण तेजी से फैलती चली गई।

आग इतनी तेजी से फैली कि गोरी-गर्भे से निकलकर चौबे बहुआरा और बसडीहां के बधार तक पहुंच गई। रास्ते में आने वाले खेतों में पड़े डंठल और चारा पूरी तरह जल गए। इसके बाद सागरपुर मौजा के घोरड़ीह और कौवाखोंच गांवों में आग ने सबसे अधिक तबाही मचाई, जहां करीब 150 बीघे में लगी गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई।

घटना के दौरान खेतों में काम कर रहे किसान और आसपास के ग्रामीण आग बुझाने के लिए जुट गए। बाल्टी, पंप और अन्य साधनों से आग पर काबू पाने की कोशिश की गई, लेकिन तेज हवा के कारण आग बार-बार भड़कती रही। दमकल की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, मगर तब तक सैकड़ों एकड़ में फैला पशुओं का चारा जल चुका था।

पीड़ित किसानों में लक्ष्मण सिंह, रामजी सिंह, रविंद्र सिंह, दिनेश सिंह, सुरेश राम, मदन राम, मनोज शर्मा, लक्ष्मण शर्मा, श्रीमान सिंह, सोनू शर्मा, हरे राम सिंह, पप्पू सिंह, विजय सिंह, जितेंद्र सिंह, राधेश्याम सिंह, महेंद्र सिंह, सत्येंद्र सिंह, रमेश सिंह, केदार सिंह, वीरेंद्र सिंह, उमेश सिंह, गड्डू सिंह, अख्तर अंसारी, सोहराब अंसारी, शकील अंसारी, कलामुद्दीन अंसारी, कुर्बान अंसारी, मोहम्मद अलाउद्दीन सहित कई किसान शामिल हैं, जिनकी फसल पूरी तरह नष्ट हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि आग सासाराम-चौसा पथ तक पहुंची, लेकिन उसे पार नहीं कर सकी, जिससे आगे के गांवों की फसलें बच गईं। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

घटना के बाद प्रभावित किसानों ने अंचल अधिकारी को आवेदन देकर मुआवजा की मांग की है। किसानों का कहना है कि इस नुकसान से उबरना आसान नहीं है और सरकारी सहायता ही उनके लिए सहारा बन सकती है।

अधिकारियों ने जले हुए खेतों का निरीक्षण किया और किसानों से पूरी जानकारी ली

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

दिनारा (रोहतास)। प्रखंड के बकरा गांव में किसानों के लिए किसी भयावह सपने से कम नहीं रहा । लहलहाती,पककर तैयार गेहूं की फसल जिसे काटने की तैयारी चल रही थी,अचानक उठी आग की लपटों में समा गई । देखते ही देखते करीब 13 बीघा खेत धू-धू कर जल उठा और सुनहरी बालियां राख में तब्दील हो गई ।

यह आग सिर्फ फसल ही नहीं जलाई,बल्कि किसानों की उम्मीदें,मेहनत और पूरे सीजन की कमाई को भी निगल गई । घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम प्रभात कुमार खुद मौके पर पहुंचे । उनके साथ प्रशासनिक टीम बीडीओ, बीएओ और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे । अधिकारियों ने जले हुए खेतों का निरीक्षण किया और किसानों से पूरी जानकारी ली ।मौके पर एसडीएम का तेवर बेहद सख्त दिखा । उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि खेतों में हार्वेस्टर और रीपर जैसी मशीनों का असावधानी से इस्तेमाल ही इस तरह की घटनाओं की बड़ी वजह बन रहा है ।

एसडीएम प्रभात कुमार का सख्त और सीधा संदेश : एक छोटी सी चिंगारी,किसानों की पूरी मेहनत को खाक कर देती है । अब लापरवाही बिल्कुल नहीं चलेगी । जो भी सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करेगा,उसके खिलाफ कार्रवाई होगी । निरीक्षण के दौरान बेलवैया के समीप एक रीपर मशीन को तुरंत बंद कराया गया,जहां नियमों की अनदेखी हो रही थी । यह कार्रवाई प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाती है । प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि कटाई के दौरान पूरी सतर्कता बरतें,मशीनों की नियमित जांच करें और आग से बचाव के जरूरी उपाय अपनाएं ।

11 केवी तकिया फीडर में लाइन स्ट्रिंगिंग कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

सासाराम / रोहतास। विद्युत आपूर्ति प्रणाली के सुदृढ़ीकरण एवं बेहतर सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से 11 केवी तकिया फीडर में आवश्यक लाइन स्ट्रिंगिंग कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

इस कार्य के निष्पादन के लिए दिनांक 12 अप्रैल को संबंधित फीडर की विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता सासाराम (शहरी) रंजन कुमार ने बताया की उक्त कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करने हेतु 12 अप्रैल 2026 को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक 11 केवी तकिया फीडर से जुड़े क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी।

विभाग द्वारा उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि इस अवधि के दौरान आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर लें तथा सहयोग प्रदान करें, ताकि कार्य को निर्धारित समय में पूर्ण किया जा सके और भविष्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

रोहतास में निजी स्कूलों पर सख्ती: मनमानी फीस वसूली पर लगेगी लगाम, DEO का सख्त आदेश जारी

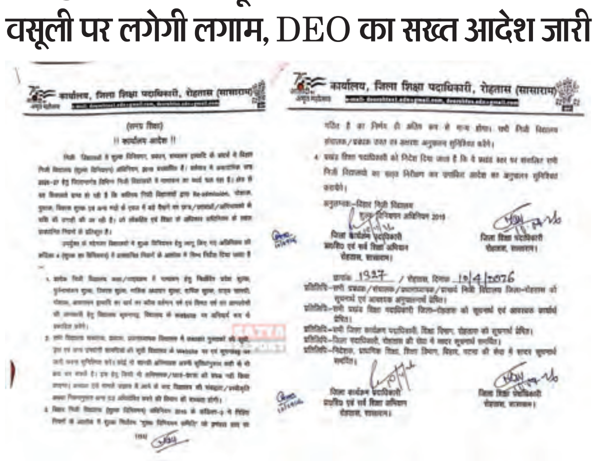
कार्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, रोहतास (सासाराम)

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

सासाराम : रोहतास जिले में निजी विद्यालयों की मनमानी पर अब लगाम कसने की तैयारी शुरू हो गई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) द्वारा जारी कार्यालय आदेश में साफ निर्देश दिया गया है कि निजी स्कूल नामांकन, री-एडमिशन, पोशाक, किताबें और अन्य मदों में मनमाने तरीके से शुल्क वसूली नहीं कर सकते। जारी आदेश के अनुसार, बिहार निजी विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम, 2019 के तहत सभी निजी विद्यालयों को अपनी फीस संरचना पूरी तरह पारदर्शी बनानी होगी। विद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे प्रवेश शुल्क, मासिक शुल्क, वार्षिक शुल्क, विकास शुल्क, परिवहन शुल्क सहित सभी खर्चों का पूरा विवरण अपने नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर सार्वजनिक करें। इसके साथ ही स्कूल प्रबंधन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किताबें, ड्रेस या अन्य सामग्री किसी एक निर्धारित दुकान से खरीदने के लिए अभिभावकों पर दबाव न बनाया जाए। अभिभावक अपनी सुविधा के अनुसार कहीं से भी सामग्री खरीद सकते हैं...

राजकीय आदर्श विद्यालय नरवर में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुई आयोजीत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

♦ कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके त्याग, समर्पण और राष्ट्र निर्माण में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान को विस्तारपूर्वक बताया

कोचस (रोहतास)। कस्तूरबा गांधी की जयंती के शुभ अवसर पर कस्तूरबा गांधी आवासीय राजकीय आदर्श मध्य विद्यालय, नरवर भगीरथा के प्रांगण में छात्राओं द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी, कोचस द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक भारत प्रसाद सिंह ने की, जबकि संचालन जयप्रकाश सिंह ने किया।अतिथियों का स्वागत वार्डन रंजना कुमारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी अतिथियों को फूलों का गुच्छा, अंगवस्त्र, डायरी एवं पेन देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके त्याग, समर्पण और राष्ट्र निर्माण में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे भी कस्तूरबा गांधी के आदर्शों पर चलकर अपने जीवन में आगे बढ़ें और देश का नाम रोशन करें।इस अवसर पर पूर्ववर्ती छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि मेजर महेंद्र प्रसाद सिंह, मुखिया अनिल कुमार राय, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि मृत्युंजय कुमार, शिक्षक विजय कुमार, उपेंद्र कुमार सिंह, डॉ. कामेश्वर सिंह, इंदिरा आवास सहायक रंजन प्रिया, इरफान अहमद, मुरारी सिंह, विकास तिवारी, किरण कुमार, रीना कुमारी, नितू कुमारी, अकाउंटेंट उपेंद्र कुमार, रविंद्र, कमलेश, जगजीवन, राम जी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।अंत में सभी ने मिलकर छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संक्षिप्त समाचार

रजौन सीएचसी में अवैध वसूली

बांका। बांका जिले के रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में स्वास्थ्य विभाग की टीम के औचक निरीक्षण के दौरान प्रसूताओं से अवैध वसूली का मामला सामने आया है। जांच टीम ने आरोपों की पुष्टि होने के बाद संबंधित कर्मियों से पैसे वापस कराए, जिससे अस्पताल में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी और डीपीएम बृजेश कुमार सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग की एक टीम निरीक्षण के लिए रजौन सीएचसी पहुंची थी। टीम ने प्रसूता वार्ड में भर्ती महिलाओं से सीधे बातचीत की और उनसे किसी भी प्रकार की राशि लिए जाने के संबंध में पूछताछ की।

डिलीवरी के बाद 1 हजार लेने का आरोप: इस दौरान नवादा थाना क्षेत्र के हरण बुजुर्ग गांव की प्रसूता करिश्मा कुमारी ने बताया कि डिलीवरी के बाद उनसे एक हजार रुपये लिए गए। वहीं, घुठिया गांव निवासी प्रसूता लक्ष्मी कुमारी ने 400 रुपये देने की बात कही, जबकि एक अन्य प्रसूता से 500 रुपये वसूले जाने की जानकारी मिली।

टीका लगाने के नाम पर 50 रुपए लिए: जांच में यह भी सामने आया कि नवजात शिशुओं को बीसीजी टीका लगाने के नाम पर प्रत्येक बच्चे की मां से 50 रुपये लिए गए। इसके अतिरिक्त, प्रसूता कक्ष की सफाई के नाम पर भी सफाई कर्मियों द्वारा 50 रुपये की वसूली की जा रही थी। शिकायतों की पुष्टि होने के बाद जांच टीम ने तत्काल सभी पीड़ितों को उनकी राशि वापस दिलाई।

अलग-अलग राशि लेकर आपस में बांट ली: मामले की गंभीरता तब और बढ़ गई जब दैनिक भास्कर द्वारा की गई पड़ताल में खुलासा हुआ कि अस्पताल में तैनात कुछ एएनएम और जीएनएम मिलकर प्रसूताओं से अवैध वसूली कर रही थीं। आरोप है कि एएनएम रेखा कुमारी, रिंकू कुमारी और जीएनएम सुप्रिया कुमारी ने तीन प्रसूताओं से अलग-अलग राशि लेकर आपस में बांट ली थी। वहीं, एएनएम नीलम कुमारी पर बीसीजी टीकाकरण के नाम पर पैसे लेने का आरोप लगा है। बताया गया कि बिना पैसे लिए बीसीजी का टीका नहीं दिया जाता था और यह अवैध वसूली का खेल लंबे समय से चल रहा था। इस दौरान सफाई कर्मियों द्वारा भी वसूली का मामला उजागर हुआ।

सीएस बोले- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा: सीएस डॉ जितेंद्र कुमार ने बताया कि उक्त मामले में कार्रवाई की जा रही है, और जो भी दोषी पाए जाएंगे उनसे बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में यह कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी कई बार गर्भवती महिलाओं से पैसे लेने की शिकायतें सामने आ चुकी हैं, लेकिन विभागीय चेतावनी के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। लोगों का आरोप है कि बिना पैसे दिए अस्पताल में कोई काम नहीं होता और कई बार जानबूझकर प्रसव में देरी कर मरीजों को रेफर करने की धमकी दी जाती है।

पैसा नहीं देने पर प्रसूताओं को परेशान किया जाता: ग्रामीणों ने बताया कि डिलीवरी के बाद एएनएम द्वारा एक हजार रुपये तक की मांग की जाती है और पैसा नहीं देने पर प्रसूताओं को परेशान किया जाता है। इस कारण मजबूरी में परिजन पैसे देने को विवश हो जाते हैं।फिलहाल इस मामले के उजागर होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

शादी समारोह में घरेलू एलपीजी इस्तेमाल करने पर होगी कार्रवाई

भागलपुर। भागलपुर में शादी और अन्य सामाजिक समारोहों के दौरान गैस सिलेंडर के उपयोग को लेकर प्रशासन ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। अब ऐसे आयोजनों में घरेलू गैस सिलेंडर के इस्तेमाल पर नहीं कर सकेंगे। इसकी जगह पर कमर्शियल गैस सिलेंडर का उपयोग अनिवार्य किया गया है। कमर्शियल सिलेंडर पाने के लिए संबंधित व्यक्ति या कैटरर को अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) को आवेदन देना होगा। राज्य स्तर पर जारी इस निर्देश को भागलपुर में भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है।

SDO ने जारी किए सख्त निर्देश: अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार ने बताया कि, 'यह आदेश राज्य सरकार के निर्देशानुसार जारी किया गया है, जिसका उद्देश्य गैस आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना और घरेलू उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा से बचाना है।' उन्होंने कहा कि, 'घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग केवल घरेलू कार्यों के लिए निर्धारित है। इसलिए इसका व्यावसायिक या सार्वजनिक आयोजनों में उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।'

कमर्शियल सिलेंडर के लिए लेना होगा परमिशन: एसडीओ ने स्पष्ट किया कि, शादी, भोज, जन्मदिन समारोह, धार्मिक अनुष्ठान और अन्य बड़े आयोजनों में भोजन बनाने के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर का ही उपयोग करना होगा। इसके लिए आयोजकों, मैरिज हॉल संचालकों और कैटरिंग एजेंसियों को पूर्व में आवेदन देना होगा, ताकि उन्हें आवश्यक अनुमति और गैस की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा सके। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया सरल और पारदर्शी होगी। इच्छुक व्यक्ति को आयोजन की तिथि, स्थान, गैस सिलेंडर की आवश्यकता और संबंधित विवरण के साथ एसडीओ कार्यालय में आवेदन जमा करना होगा। जरूरत पड़ने पर संबंधित विभाग द्वारा सत्यापन के बाद अनुमति प्रदान की जाएगी। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि गैस का उपयोग नियमों के अनुरूप हो रहा है।

गैस एजेंसियों को भी चेतावनी: प्रशासन ने जिले के सभी गैस एजेंसियों और वितरकों को भी निर्देश जारी कर दिए हैं कि वे घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न होने दें। यदि कोई एजेंसी नियमों का उल्लंघन करते हुए पाई जाती है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करें और किसी भी अनियमितता की सूचना प्रशासन को दें।

पारदर्शिता और नियंत्रण पर जोर: प्रशासन का मानना है कि इस कदम से गैस वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और अवैध उपयोग पर रोक लगेगी। साथ ही आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करें और किसी भी अनियमितता की जानकारी प्रशासन को दें।

30 दिवसीय नामांकन अभियान शुरू हर बच्चे को स्कूल से जोड़ने का लक्ष्य

भागलपुर। बिहार शिक्षा परियोजना ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए राज्यव्यापी विशेष नामांकन अभियान की शुरुआत कर दी है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा व सर्व शिक्षा अभियान) को निर्देश दिया गया है कि 30 अप्रैल तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य 6 से 14 वर्ष के प्रत्येक बच्चे को अनिवार्य शिक्षा से जोड़ना है। इसके तहत शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए हर बच्चे का उसके पोषक क्षेत्र के नजदीकी विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में नामांकित ऐसे बच्चों, जो 30 सितंबर तक 6 वर्ष की आयु पूरी कर लेंगे। इसके नामांकन की जिम्मेदारी आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं को दी गई है। वहीं, जो बच्चे अब तक किसी भी विद्यालय में नामांकित नहीं हैं, उन्हें 'गृहवार सर्वेक्षण' के माध्यम से चिह्नित कर स्कूल तक लाया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक नेटवर्क तैयार किया गया है।

टेबुलेशन रजिस्टर में पास छात्र गायब अगले सेमेस्टर में प्रवेश नहीं मिल रहा

भागलपुर। टीएमबीयू के स्नातक के चौथे सेमेस्टर के रिजल्ट में नॉट एलिजिबल टू प्रमोट (एनईपी) ने छात्रों के अगले सेमेस्टर में प्रवेश पर अड़ंगा लगा दिया है। ये वैसे छात्र हैं जो पास हैं लेकिन टेबुलेशन रजिस्टर में एनईपी दर्ज है। स्नातक में चार वर्षीय कोर्स 2023 में शुरू हुआ। हर सेमेस्टर में कुछ छात्रों के रिजल्ट में एनईपी लगता रहा। इसे लेकर पिछले दिनों प्रभारी कुलपति प्रो. बिमलेंदु शेखर झा ने इसका समाधान निकालने को कहा था। रजिस्ट्रार प्रो. रामाशीष पूर्वे ने इस संबंध में पत्र जारी किया था। चौथे सेमेस्टर का रिजल्ट जारी हुआ तो यह समस्या फिर शुरू हो गई। स्थिति को देखते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार ओझा ने संबंधित छात्रों के आवेदन मांगे हैं। आवेदन लेने के लिए काउंटर बनाए गए हैं। आवेदन लेने की अवधि शनिवार को पूरी हो जाएगी। शनिवार की शाम तक कॉलेजों को छात्रों के आवेदन सत्यापित कर परीक्षा विभाग को उपलब्ध कराना है।

प्रधानाध्यापक को क्लीनचिट छह माह बाद लौटे स्कूल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। अररिया के उत्क्रमित मध्य विद्यालय ईटहरा में प्रधानाध्यापक मो. शमशुल होदा मासूम का शुक्रवार को भव्य स्वागत किया गया। उन्हें लगभग छह महीने पहले गंभीर आरोपों के चलते निलंबित किया गया था, लेकिन जांच में क्लीन चिट मिलने के बाद वे पुनः पदभार ग्रहण करने विद्यालय लौटे। शिक्षा विभाग ने पूर्व में कुछ गंभीर शिकायतों के आधार पर प्रधानाध्यापक शमशुल होदा मासूम को निलंबित कर दिया था। इस मामले की जांच जिला शिक्षा पदाधिकारी, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और मानवाधिकार आयोग के सदस्यों ने की। विस्तृत जांच के बाद सभी आरोप निराधार पाए गए, जिसके बाद उन्हें क्लीन चिट मिली और वे अपने पद पर वापस लौटे। शनिवार को विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष सह स्थानीय वार्ड पार्षद श्याम कुमार मंडल की अध्यक्षता में एक विशेष स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में शिक्षकों, छात्रों और आसपास के दर्जनों ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापक पर फूल बरसाए। बच्चों ने "स्वागतम स्वागतम" के नारों से उनका अभिवादन किया और सभी ने उन्हें फूलों की माला पहनाकर मिठाई खिलाई। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक शमशुल होदा मासूम ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बुरे दिनों में भी उनके साथ खड़े रहने वाले सभी शिक्षकों, बच्चों और स्थानीय लोगों का वे शुक्रिया अदा करते हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग और मानवाधिकार आयोग के सदस्यों के प्रति भी आभार जताया। वार्ड पार्षद श्याम कुमार मंडल ने कहा कि छह महीने पहले लगे आरोप पूरी तरह गलत साबित हुए हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग और जांच टीम का धन्यवाद करते हुए प्रधानाध्यापक का स्वागत किया। मंडल ने भविष्य में विद्यालय के बेहतर विकास की बात कही और विद्यालय में सीसीटीवी कैमरा लगाने की घोषणा भी की। इस मौके पर स्थानीय नागरिक कमलेश्वरी चौधरी, सुशांत पासवान, सौगारत पासवान सहित मानवाधिकार से जुड़ी पूनम देवी, ज्योति भगत, सुष्मिता ठाकुर और बुचनी देवी मौजूद थीं। यह घटना शिक्षा जगत में सत्य की जीत और सामुदायिक एकता का सुंदर उदाहरण बन गई है। विद्यार्थियों और ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। प्रधानाध्यापक की वापसी से स्कूल की नियमित पढ़ाई और गतिविधियां फिर से पटरी पर लौटने की उम्मीद जगी है।

ट्रैक्टर से कुचलकर 5 वर्षीय बच्चे की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। अररिया के सदर प्रखंड अंतर्गत बटूरबाड़ी झवा गांव में एक दर्दनाक हादसा हुआ। शनिवार को सड़क पर खेलते समय पांच वर्षीय बच्चे मुनाजिर की ट्रैक्टर से कुचलकर मौत हो गई। मुनाजिर महरूम हलीम का बेटा था। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना बटूरबाड़ी झवा गांव के वार्ड संख्या 5 में हुई। मुनाजिर अन्य बच्चों के साथ गांव की ग्रामीण सड़क पर खेल रहा था। इसी दौरान गांव का एक ट्रैक्टर तेज रफ्तार से आया और अनियंत्रित होकर बच्चे पर चढ़ गया।

परिजनों ने बच्चे को अस्पताल पहुंचाया: ट्रैक्टर की चपेट में आने से बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत बच्चे को अररिया सदर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद मुनाजिर को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की सूचना मिलते ही सदर अस्पताल परिसर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अस्पताल प्रबंधन ने संबंधित थाने को घटना की सूचना देने की प्रक्रिया शुरू की, लेकिन परिजन शव को लेकर सीधे अपने गांव चले गए।

परिजन बोले- ट्रैक्टर हमारे गांव का है: घटना के तुरंत बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर सहित मौके से फरार हो गया। परिजनों ने बताया कि ट्रैक्टर उनके गांव का ही है और चालक की पहचान भी गांव वालों को है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में ट्रैक्टरों की लापरवाही बढ़ रही है, जिससे सड़कों पर बच्चों के खेलने के दौरान अनियंत्रित वाहनों से लगातार खतरा बना रहता है।

जेडीयू कार्यकर्ता के घर में लगाई आग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के सुल्तानगंज में अपराधियों ने जेडीयू कार्यकर्ता के घर में आग लगी। समय रहते पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया। जिससे घर में मौजूद लोग बाल-बाल बच गए। पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुट गई है। घटना वार्ड नंबर-19 के सीतारामपुर गांव की है। पीड़ित जेडीयू कार्यकर्ता मिथलेश कुमार चौधरी ने बताया कि शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे पांच नकाबपोश अपराधी हत्या की नीयत से घर में घुसे। इसके बाद पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। परिवार के सभी सदस्य घर में ही मौजूद थे। अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। किसी तरह बाहर निकलकर हमलोगों ने अपनी जान बचाई।

जान से मारने की धमकी मिली थी: मिथलेश कुमार चौधरी के पुत्र अभिषेक ने बताया कि गांव के ही पंकज साह के साथ पूर्व से विवाद चल रहा था। चार दिन पहले भी जान से मारने और घर जलाने की धमकी दी गई थी। इसी रंजिश में पांच हथियारबंद नकाबपोश अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है।

दहशत में परिवार के सदस्य: सूचना मिलते ही सुल्तानगंज पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस आगजनी में घर का सामान जलकर राख हो गया, जिससे पीड़ित परिवार को आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है।

फणीश्वरनाथ रेणु की पुण्यतिथि मनाई गई, वकीलों और समाजसेवियों ने रेणु कुंज में दी श्रद्धांजलि

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। अररिया में हिंदी साहित्य के महान कथाशिल्पी फणीश्वरनाथ 'रेणु' की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन अररिया शहर के रेणु कुंज में स्थानीय अधिवक्ताओं और समाजसेवियों द्वारा किया गया। उपस्थित लोगों ने रेणु जी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। सभा में रेणु जी की स्मृति को अमर रखते हुए उनकी साहित्यिक देन पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वालों में देवनारायण सेन, जितेंद्र नाथ राय, कृपानंद मंडल, कश्यप कौशल, सब्यसाची सेन, दिव्या ज्योति सेन, अजीमुद्दीन सहित कई गणमान्य नागरिक शामिल थे।

शोषण, दमन और सामाजिक अन्याय के खिलाफ सशक्त आवाज उठाई: सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि रेणु जी ने अपनी लेखनी के माध्यम से बिहार के ग्रामीण जीवन, उसकी मिट्टी, संस्कृति और आम आदमी की पीड़ा को विश्व पटल पर स्थापित किया। उनकी अमर कृति 'मैला आंचल' ने आंचलिक साहित्य को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। रेणु जी ने अपनी रचनाओं में शोषण, दमन और सामाजिक अन्याय के खिलाफ सशक्त आवाज उठाई। देवनारायण सेन ने कहा कि रेणु जी ने अपनी कलम से इस माटी को विश्व पटल पर पहचान दिलाई। उनका साहित्य न सिर्फ मनोरंजन करता है, बल्कि समाज को आईना भी दिखाता है। जितेंद्र नाथ राय ने रेणु जी के संघर्षशील जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सामाजिक न्याय तक हर मोर्चे पर सक्रिय रहे। कृपानंद मंडल ने नई पीढ़ी को रेणु साहित्य से जुड़ने का आग्रह किया, क्योंकि इसमें जीवन की सच्ची शिक्षा निहित है।

निधन 11 अप्रैल 1977 को पटना में हुआ: रेणु कुंज में आयोजित यह श्रद्धांजलि सभा भावुक माहौल में संपन्न हुई। सभी उपस्थित लोगों ने रेणु जी के आदर्शों और साहित्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। स्थानीय लोगों ने मांग की कि रेणु कुंज को और बेहतर बनाया जाए ताकि आने वाली पीढ़ी यहां से प्रेरणा ले सके। फणीश्वरनाथ रेणु का जन्म 4 मार्च 1921 को अररिया जिले के औराही हिंगना गांव में हुआ था। उनका निधन 11 अप्रैल 1977 को पटना में हुआ। उनकी प्रमुख कृतियों में 'मैला आंचल', 'परती परिकथा', 'कितने चौराहे' आदि शामिल हैं। रेणु साहित्य आज भी बिहार की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

रसोई गैस के लिए एनएच-31 जाम, बीच सड़क पर खाली सिलेंडर रखकर प्रदर्शन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में रसोई गैस की किल्लत से आम जनता परेशान हैं। जिले में हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HP) के उपभोक्ताओं को गैस के लिए भटकना पड़ रहा है। प्रशासन के दावों के बाद भी हालात बेहद खराब है। अनियमितता और एजेंसी की मनमानी से तंग आकर उपभोक्ताओं ने आज खातोपुर के पास एनएच-31 फोरलेन को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क के बीचों-बीच खाली सिलेंडर रखकर आवागमन बाधित कर दिया। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इस दौरान एजेंसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। जिले में वितरण की समस्या विशेष रूप से पूजा एचपी गैस एजेंसी के उपभोक्ताओं के साथ देखी जा रही है।

रसूखदारों को सिलेंडर पहुंचाने का आरोप: प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि सुबह 4 बजे से ही खाली सिलेंडर लेकर गोदाम के बाहर कतारों में लग जाते हैं। घंटों इंतजार करने के बाद गाड़ी आती है। इसके बाद भी बिना सिलेंडर दिए और अपर्याप्त आपूर्ति बताकर उन्हें वापस भेज दिया जाता है। यहां कालाबाजारी की जा रही है। जरूरतमंदों को दरकिनार कर रसूखदारों या अवैध सेंटरों को गैस पहुंचाई जा रही है। उपभोक्ता रेखा देवी ने बताया कि हम लोग अपना सारा काम छोड़कर सुबह से यहां खड़े हैं। घर में चूल्हा नहीं जल रहा है, लेकिन एजेंसी वाले सुनने को तैयार नहीं हैं। पूजा एचपी गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली की जांच होनी चाहिए। लाइन में लगे लोगों को प्राथमिकता के आधार पर गैस मिले।

प्रशासन का दावा फेल: सड़क जाम की सूचना मिलते ही नगर थाना और लाखो पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। शुरुआत में लोग एजेंसी प्रबंधक को बुलाने और तुरंत गैस वितरण शुरू करने की मांग पर अड़े रहे। काफी देर तक चली जद्दोजहद के बाद पुलिस ने एजेंसी प्रबंधन से बात कर आश्वासन दिया कि उनकी समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा। पुलिस के हस्तक्षेप और उचित वितरण के भरोसे के बाद उपभोक्ताओं ने जाम हटाया। जिला प्रशासन लगातार दावा कर रहा है कि जिले में रसोई गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को सहजता से सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लेकिन आज के विरोध-प्रदर्शन ने दावों की पोल खोल दिया है।

बच्चे की हत्या की, आज तक पुलिस नहीं पकड़ पाई

मुंगेर। मुंगेर में 9 महीने पहले लापता हुए 10 साल के बच्चे की हत्या का खुलासा हुआ है। पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बच्चे का कंकाल घर से 200 मीटर दूर एक कुएं से बरामद किया हैं। दरअसल, हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के खंडबिहारी गांव में मनीष कुमार सिंह का इकलौता बेटा वीर सिंह 23 जुलाई 2025 को लापता हो गया था। पुलिस ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। मामले का खुलासा तब हुआ जब कुछ दिन पहले आरोपियों का गांव में किसी से झगड़ा हुआ। झगड़े के दौरान उन्होंने धमकी दी कि हमने एक बच्चे की हत्या की है, जिसका आज तक न पुलिस को पता चला न किसी और को।

इंजीनियरिंग कॉलेज में आपत्तिजनक स्थिति में मिले लड़का-लड़की

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बांका। बांका के लकड़ीकोला स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में शुक्रवार शाम एक छात्र और छात्रा को आपत्तिजनक स्थिति में देखे जाने के बाद तनाव फैल गया। इस घटना के बाद कॉलेज परिसर में छात्रों के बीच आक्रोश फैल गया और मामला हंगामे में बदल गया। घटना की जानकारी मिलने पर कुछ छात्र इसकी शिकायत लेकर कॉलेज के प्राचार्य के पास पहुंचे। छात्रों ने आरोप लगाया कि मामले में तत्काल और सख्त कार्रवाई नहीं की गई, जिससे वे नाराज हो गए। इसके बाद आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने कॉलेज के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की।

आरोपी छात्र को सस्पेंड करने की मांग: हंगामे की सूचना मिलते ही कॉलेज प्रबंधन ने प्रशासन को सूचित किया। बांका के एसडीएम राजकुमार और एसडीपीओ अमर विश्वास भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे आरोपी छात्र को तत्काल कॉलेज से निष्कासित करने की मांग पर अड़े रहे। करीब दो घंटे तक चले इस हंगामे के दौरान कॉलेज परिसर में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। बाद में प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन ने आरोपी छात्र को निलंबित करने की घोषणा की। इसके बाद छात्रों का गुस्सा शांत हुआ, उन्होंने मुख्य गेट पर लगा ताला खोल दिया और स्थिति सामान्य होने लगी।

छात्रों को परीक्षा में नंबर काटने की मिली धमकी: हालांकि, मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। इसी बीच कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप में एक संदेश वायरल हो गया, जिसमें कहा गया था कि कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ हंगामा करने वाले छात्रों के परीक्षा में नंबर काट लिए जाएंगे। इस संदेश के फैलते ही छात्र एक बार फिर भड़क गए और उन्होंने दोबारा हंगामा शुरू कर दिया। प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रियता और समझाइश के बाद स्थिति को दोबारा नियंत्रित किया गया। घटना के बाद कॉलेज प्रबंधन ने शनिवार को अनुशासनात्मक समिति की बैठक बुलाने का निर्णय लिया है। इस बैठक में प्राचार्य, प्राध्यापक और छात्र मिलकर पूरे मामले पर विस्तार से चर्चा करेंगे। सभी पक्षों की बात सुनने के बाद सर्वसम्मति से आगे की कार्रवाई तय की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस मामले में एसडीएम राजकुमार ने बताया कि आरोपी छात्र को फिलहाल सस्पेंड कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है और प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

आसनसोल मंडल के तहत ट्रैक रखरखाव कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

ट्रैक रखरखाव कार्य के लिए, आसनसोल मंडल के विभिन्न खंडों में दिनांक 12.04.2026 **(रविवार)** को निम्नानुसार ब्लॉक की आवश्यकता होगी: (1) जोड़ामो-मधुपुर, मधुपुर - मथुरापुर, जसीडीह - तुलसीटांड़ खंड में अप लाइन पर, (2) जसीडीह - देवघर सिंगल लाइन खंड में, (3) पाराज स्टेशन सीमा, मानकर - पाराज, पाराज - गलसी खंडों में डाउन - II लाइनों पर, (4) चिनपाई - सिउड़ी खंड में अप लाइन पर। परिणामस्वरूप, निम्नलिखित ट्रेनों को निम्नानुसार नियंत्रित किया जाएगा:-

- **ट्रेनों का निरस्तीकरण (दिनांक 12.04.2026 को):** (1) 63561 आसनसोल-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर, (2) 63565 जसीडीह-झाझा एमईएमयू पैसेंजर, (3) 63566 झाझा-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर, (4) 63545 अण्डाल-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर, (5) 63546 जसीडीह-अण्डाल एमईएमयू पैसेंजर, (6) 63298 झाझा-देवघर एमईएमयू पैसेंजर, (7) 63547 जसीडीह-बांका एमईएमयू पैसेंजर, (8) 63548 बांका-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर, (9) 73481 दुमका-जसीडीह डीईएमयू पैसेंजर, (10) 73484 जसीडीह-दुमका डीईएमयू पैसेंजर, (11) 63511, 63513, 63515 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू पैसेंजर, (12) 63512, 63514, 63516 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर, (13) 63531 अण्डाल-सांईथिया एमईएमयू पैसेंजर, (14) 63534 सांईथिया-अण्डाल एमईएमयू पैसेंजर।
- **ट्रेनों का पुनर्निर्धारण (दिनांक 12.04.2026 को):** (1) 13331 **धनबाद-पटना जं. इंटरसिटी एक्सप्रेस** को 1 घंटा 30 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा। (2) 63573 **जसीडीह - किऊल एमईएमयू** को 1 घंटे के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा और (3) 22321 **हावड़ा-सिउड़ी हूल एक्सप्रेस** को 1 घंटा 30 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा।
- **ट्रेनों की संक्षिप्त यात्रा समाप्त/संक्षिप्त यात्रा शुरू (दिनांक 12.04.2026 को):** (1) 63209 **देवघर-पटना जं. एमईएमयू पैसेंजर** झाझा से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी और देवघर तथा झाझा के बीच इसकी सेवा रद्द रहेगी। (2) 63510 **झाझा - बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर** आसनसोल से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी और झाझा तथा आसनसोल के बीच इसकी सेवा रद्द रहेगी। (3) 63519 **बर्द्धमान - बोकारो स्टील सिटी एमईएमयू पैसेंजर** आसनसोल से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी और बर्द्धमान तथा आसनसोल के बीच इसकी सेवा रद्द रहेगी। (4) 63509 **बर्द्धमान - झाझा एमईएमयू पैसेंजर** आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी और आसनसोल तथा झाझा के बीच इसकी सेवा रद्द रहेगी। (5) 63520 **बोकारो स्टील सिटी - बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर** आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी और आसनसोल तथा बर्द्धमान के बीच इसकी सेवा रद्द रहेगी।
- **ट्रेनों का नियंत्रण (दिनांक 12.04.2026 को):** 17321 **वास्को द गामा-जसीडीह एक्सप्रेस,** यदि देरी से चल रही है, तो पूर्व मध्य रेलवे के तहत मार्ग में नियंत्रित की जाएगी।

ब्लॉक से पहले अंतिम ट्रेन और ब्लॉक के बाद पहली ट्रेन

खंड	ब्लॉक से पहले अंतिम ट्रेन	ब्लॉक के बाद पहली ट्रेन
जोड़ामो- मधुपुर मधुपुर - मथुरापुर जसीडीह - तुलसीटांड़	18622 हटिया-पटना जं. पाटलिपुत्र एक्सप्रेस/ 17321 वास्को द गामा-जसीडीह एक्सप्रेस	12317 कोलकाता-अमृतसर अकाल तख्त एक्सप्रेस
जसीडीह - देवघर	73482 जसीडीह-दुमका डीईएमयू	63081 रामपुरहाट-जसीडीह एमईएमयू
मानकर-पाराज पाराज स्टेशन सीमा पाराज गलसी	63508 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू	13152 जम्मू तवी-कोलकाता एक्सप्रेस
चिनपाई-सिउड़ी	63529 अण्डाल-रामपुरहाट एमईएमयू पैसेंजर	22321 हावड़ा-सिउड़ी हूल एक्सप्रेस

असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

9 मई को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए बैठक

आरा| जिला विधिक सेवा प्राधिकार व्यवहार न्यायाल आरा में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई के सफलता पूर्वक आयोजन हेतु आज एक बैठक का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार, भोजपुर के नये सचिव, दिवाकर कुमार के अध्यक्षता में कार्यपालक विभाग के साथ किया गया। जिसमें कार्यपालक विभाग से विद्युत, माप तोल, श्रम, खनन, दूरसंचार एवं अन्य विभाग के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक विभागीय वादों के निष्पादन हेतु विस्तृत चर्चा किया गया एवं कई आवश्यक निर्देश सचिव द्वारा दिया गया।

चले गांव की ओर, भाजपा का ग्रामीण संपर्क तेज

आरा| भारतीय जनता पार्टी के चले गांव की ओर कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. केएन. सिन्हा ने क्षेत्र के कई गांवों में जाकर लोगों को जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी तथा ग्रामीणों को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। गांव-गांव तक पहुंचाया और लोगों को स्वास्थ्य व स्वच्छता के प्रति सजग रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि 6 अप्रैल को भाजपा स्थापना दिवस और 7 अप्रैल को आनंद हॉस्पिटल में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया, जिसके उद्देश्य को लेकर वे ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क कर रहे हैं। अभियान के तहत कारीसाथ, धमार, मरवटीया, भेड़िया व खजुरिया गांवों में लोगों से मुलाकात की गई।

पुणे व मुंबई के लिए समर स्पेशल ट्रेनों का ठहराव अब बक्सर में भी

बक्सर। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बक्सर के यात्रियों के लिए बड़ी राहत दी है। पुणे और मुंबई जाने वाले यात्रियों को अब अतिरिक्त समर स्पेशल ट्रेनों का सीधा लाभ मिलेगा। क्योंकि इन ट्रेनों का ठहराव बक्सर स्टेशन पर भी सुनिश्चित किया गया है। प्रवासी मजदूरों, छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को यात्रा में काफी सुविधा मिलेगी। दानापुर से पुणे के लिए चलने वाली गाड़ी संख्या 01449/01450 पुणे-दानापुर-हडपसर स्पेशल ट्रेन 15 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन संचालित होगी। यह ट्रेन पुणे से खुलकर तीसरे दिन 00.16 बजे बक्सर पहुंचेगी, जबकि वापसी में दानापुर से खुलकर 06.43 बजे बक्सर रुकेगी। इसी तरह मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल से दानापुर के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 01143/01144 स्पेशल ट्रेन भी बक्सर में ठहरेगी। यह ट्रेन लोकमान्य तिलक से चलकर 16.40 बजे बक्सर पहुंचेगी, जबकि वापसी में दानापुर से खुलकर 22.50 बजे बक्सर स्टेशन पर ठहराव करेगी।

एमएलसी चुनावः 12 मई को मतदान, 14 को मतगणना

बक्सर। जिले में रिक्त पड़े विधानपरिषद की एक सीट को लेकर चुनावी बिगुल बज चुका है। इसको लेकर चुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है। मालूम हो कि इस सीट से राधाचरण सेठ एमएलसी निर्वाचित हुए थे, हालांकि पिछले वर्ष बिहार विधान सभा चुनाव में भोजपुर जिले के संदेश विधानसभा से विधायक चुने जाने के बाद यह पद रिक्त हो गया है। ऐसे में जिला प्रशासन विधानपरिषद चुनाव को लेकर तैयारी में जुट गया है। वहीं राजनीतिक दल भी तत्पर हो गई है । एमएलसी चुनाव की अधिसूचना 16 अप्रैल को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 23 अप्रैल, नामांकन की जांच 24 अप्रैल व उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 27 अप्रैल है। मतदान की तिथि 12 मई को निर्धारित की गई है। वहीं मतों की गिनती 14 मई को होगी। मतदान को लेकर बक्सर जिले में 11 व भोजपुर में 14 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जहां संबंधित वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सभी मतदान केंद्र संबंधित प्रखंड मुख्यालय में बनाया गया है। नगर निकाय के वोटर भी नजदीक के प्रखंड कार्यालय में बने मतदान केंद्र में ही वोट डालेंगे।

गेहूं कटनी प्रयोग का निरीक्षण

बक्सर। सदर प्रखंड के दलसागर पंचायत अंतर्गत हरिकिशुनपुर गांव में रबी विपणन वर्ष 2025-26 के तहत गेहूं फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण बिहार पटना के अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय के उप निदेशक वीरेन्द्र कुमार ने किया। कटनी प्रयोग किसान सिद्धनाथ तिवारी के खेत में खेसरा संख्या-33 पर आयोजित किया गया। पंचायत दलसागर के किसान सलाहकार ओम प्रकाश द्वारा 10 मीटर x 5 मीटर के आयताकार क्षेत्र में यह प्रयोग संपन्न कराया गया। प्रयोग के दौरान 18.410 किलोग्राम गेहूं की उपज प्राप्त हुई, जिसके आधार पर औसत उपज दर 36.820 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंकी गई। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के कटनी प्रयोग का मुख्य उद्देश्य किसानों को फसल की सटीक उपज का अनुमान उपलब्ध कराना तथा कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करना है।

सदर अस्पताल के एचआईवी जांच केंद्र में लगी आग

आरा। आरा सदर अस्पताल के जीएम बिल्डिंग में स्थित एचआईवी जांच केंद्र (आईसीटीसी) में शुक्रवार देर शाम अचानक आग लग गई। तीन फ्रिज, एक एसी सहित कई जांच किट जलकर पूरी तरह राख हो गई। जले फ्रिज में HIV जांच किट रखे हुए थे। जबकि अन्य पांच फ्रीजों में चार से पांच हजार जांच किट मौजूद थे। कई महत्वपूर्ण सैंपल में रखे हुए थे। शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात कही जा रही है। जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रबंधक शशिकांत कुमार, स्वास्थ्य कर्मी और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड की दो बड़ी और एक छोटी ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया।

छानबीन की जा रही हैः जानकारी के मुताबिक शाम करीब पांच बजे जांच केंद्र बंद करने के बाद सभी स्टाफ चले गए थे। इस बीच अचानक आग लग गई। प्रबंधक शशिकांत कुमार ने बताया कि शाम को सुरक्षाकर्मियों से सूचना मिली थी। मेरे पहुंचने से पहले ही स्टाफ आग बुझाने में जुट गए थे। हालांकि कितने चीजों की क्षति हुई है और कितने जरूरी डॉक्यूमेंट जलकर राख हुए हैं। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

14-20 अप्रैल तक आंबेडकर की जयंती मनाएगी भाजपा

बक्सर। बीजेपी से जुड़े पदाधिकारियों की बैठक पार्टी कार्यालय में हुई। मौके पर 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाने हेतु विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन तथा संचालन धनंजय निर्गुण महामंत्री द्वारा किया गया। बैठक में जिला प्रभारी अरुण कुशवाहा उपस्थित रहें। बिहार सहित पूरे देश में करोड़ों कार्यकर्ता इस दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए सेवा भाव एवं राष्ट्र प्रथम के मूल मंत्र को आत्मसात करने का संकल्प लेते हैं। इसी निमित्त पार्टी ने जिला पदाधिकारियों के बीच कार्यों का वर्गीकरण किया गया। जिला केंद्र पर संगोष्ठी सुनिश्चित कराने दायित्व जिला उपाध्यक्ष पुनीत सिंह को दिया गया। बाबा साहेब की प्रतिमा चित्र पर पुष्पांजलि का दायित्व जिला मंत्री अरविंद पासवान व जिला महामंत्री धनंजय त्रिगुण को दिया गया। जिला उपाध्यक्ष रमेश गुप्ता मोदी सरकार में अनुसूचित जाति वर्ग के लिए विशेष योजनाओं एवं उपलब्धियां की चर्चा को सुनिश्चित कराएंगे। सभी 1667 बूथों पर 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक पुष्पांजलि, दीपोत्सव, सफाई का कोई एक कार्यक्रम को जिला महामंत्री विनोद राय सुनिश्चित कराएंगे । प्रतिनिधि प्रवास जिला उपाध्यक्ष निर्भय राय व प्रदेश नेताओं का प्रवास की व्यवस्था मिठाई सिंह को दी गई । भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने बताया कि अंबेडकर जी का मानना रहा है कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता से अच्छी सभ्यता विश्व में कोई नहीं है। लंबे समय तक विदेशी आक्रमणकारियों की वजह से कमियों को दूर करते हुए सनातन संस्कृति को मजबूत बनाना अंबेडकर जी का एकमात्र लक्ष्य था।

ईंट भट्ठे पर छापेमारी कर 16 चाइल्ड लेबर मुक्त कराए गए

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ बक्सर में ऑपरेशन 'नया सवेरा 2.0' के तहत पुलिस की कार्रवाई

बक्सर। बक्सर पुलिस ने बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'नया सवेरा 2.0' के तहत बड़ी कार्रवाई की है। कोरानसराय थाना क्षेत्र में स्थित एक ईंट भट्ठे पर छापेमारी कर 16 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई बिहार पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर की गई। पुलिस को स्व. कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान, बक्सर से लिखित आवेदन मिला था। इसमें बताया गया था कि कोरानसराय थाना क्षेत्र के एसबीएफ ईंट उद्योग में नाबालिग बच्चों से मजदूरी करवाई जा रही है, जिससे उनकी शिक्षा और भविष्य प्रभावित हो रहा है।

पुलिस अधीक्षक, बक्सर के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई की गईः सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक, बक्सर के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई की गई। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, डुमरांव और पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने मौके पर पहुंचकर ईंट भट्ठे की जांच की और सभी 16 बाल श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस ने इस मामले में कोरानसराय थाना में कांड संख्या 39/26, दिनांक 10 अप्रैल 2026 के तहत प्राथमिकी (FIR) दर्ज की है। बाल श्रम करवाने वाले ईंट भट्ठा संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

इस अपराध में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगाः इस रेस्क्यू ऑपरेशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पोलस्त कुमार, पुलिस उपाधीक्षक पंकज कुमार, कोरानसराय थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सत्येंद्र राम और पीटीसी मृत्युंजय कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। बक्सर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी बाल श्रम से संबंधित कोई जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत अपने नजदीकी थाना, डायल 112 या जिला नियंत्रण कक्ष के मोबाइल नंबर 9031826744 पर सूचित करें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि बाल श्रम के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और इस अपराध में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। यह कार्रवाई बच्चों के शोषण को रोकने और समाज में बाल श्रम के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है

पराली जलाने पर सख्ती, हार्वेस्टर पर निगरानी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। फसल कटनी के मौसम को देखते हुए आगजनी की घटनाओं पर रोक लगाने और कृषि व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय बक्सर में अहम बैठक आयोजित की गई। अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में हुई इस कृषि टास्क फोर्स बैठक में पराली जलाने पर सख्ती, हार्वेस्टर के नियमन और गर्मी में आग से बचाव जैसे मुद्दों पर ठोस निर्णय लिए गए। बैठक में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, सभी कृषि समन्वयक और संबंधित अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि पराली जलाने की घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जाएगी और इसके दुष्प्रभावों को लेकर किसानों को जागरूक करना प्राथमिकता होगी।

सभी हार्वेस्टर का निबंधन अनिवार्यः हार्वेस्टर को लेकर भी प्रशासन सख्त नजर आया। निर्देश दिया गया कि सभी हार्वेस्टर का निबंधन अनिवार्य होगा और उनके फिटनेस की नियमित जांच की जाएगी। यह भी बताया गया कि कई बार खराब हार्वेस्टर के कारण खेतों में आग लगने की घटनाएं सामने आती हैं। इसके साथ ही हार्वेस्टर चलाने वाले ड्राइवरों का सत्यापन अनिवार्य किया गया है, ताकि केवल प्रशिक्षित और दक्ष चालक ही मशीनों का संचालन करें।

जिले में पांच भूमिहीन- भवनहीन विद्यालय के बनेंगे भवन, बच्चों को होगी सहूलियत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में पांच भवनहीन/भूमिहीन सरकारी विद्यालयों के भवन जल्द बनेंगे। बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बीएसईआईडीसी) में इसकी प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसके लिए कभी भी टेंडर के आदेश हो सकते हैं। इस वर्ष में इन पांचों विद्यालयों के निर्माण होंगे। इन विद्यालयों का निर्माण बड़हरा प्रखंड, जगदीशपुर प्रखंड, गड़हनी प्रखंड, उदवंतनगर प्रखंड और सहार प्रखंड में होंगे। इन विद्यालयों के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा भूमि की उपलब्धता थी। जमीन वर्षों से शिक्षा विभाग प्राप्त नहीं हो रही थी। जिला शिक्षा पदाधिकारी महेंद्र कुमार राय के स्थापना होने के बाद यह मामला उनके संज्ञान में आया और उन्होंने जमीन उपलब्धता के प्रयास किये, सफल हुए। इसके बाद उन्होंने बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बीएसईआईडीसी) के प्रबंधक को जमीन का पूरा ब्यौरा संलग्न करते हुए निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा। इसके बाद निर्माण के लिए विभागीय प्रक्रिया तेज हो गई है।

कुतुबपुर गांव तक सड़क नहीं, अन्य विद्यालय से टैग करने पर मुसीबत और खतरेंः बड़हरा प्रखंड के कुतुबपुर डेरा गांव या विद्यालय तक पहुंचाने के लिए आज तक सड़क नहीं है। वर्षा होने पर या बाढ़ के समय आवागमन बाधित हो जाता है। अन्य विद्यालयों की दूरी 3 किलोमीटर से अधिक है, इसलिए टैग करने में मुसीबत और खतरे हैं। इसलिए विकल्प सिर्फ नए भवन का निर्माण का इंतजार करना है।

दो पुलिया, 7 मीटर चौड़ी सड़क व शोल्डर के साथ सफर आसान, हादसों पर लगेगी लगाम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले के बहुप्रतीक्षित बक्सर-कोचस मुख्य मार्ग की तस्वीर अब बदलने जा रही है। लंबे समय से जर्जर स्थिति में पड़ी इस सड़क के सुदृढ़ निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। चौसा से सीमावर्ती बसही तक करीब 22 किलोमीटर लंबी इस सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इससे आने वाले समय में सफर सुगम, सुरक्षित और तेज हो जाएगा। लगभग 117 करोड़ 49 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क को मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना का जिम्मा वारिस कंस्ट्रक्शन कंपनी को सौंपा गया है। सड़क की चौड़ाई 7 मीटर होगी और दोनों किनारों पर ढाई-ढाई मीटर के शोल्डर बनाए जाएंगे। इससे दो बड़े वाहन आसानी से एक-दूसरे को पार कर सकेंगे। निर्माण के दौरान सड़क को नीचे से मजबूत कर उच्च गुणवत्ता का कालीकरण किया जाएगा, ताकि यह लंबे समय तक टिकाऊ बनी रहे। दो स्थानों पर बनेंगी मजबूत पुलिया पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता संजय कुमार ने बताया कि यह सड़क स्टेट हाईवे-17 के अंतर्गत आती है। निर्माण कार्य के दौरान दो स्थानों पर मजबूत कंक्रीट की पुलिया भी बनाई जाएगी। इससे बरसात और बाढ़ के समय पानी निकासी सुचारू रहेगी और यातायात बाधित नहीं होगा। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद बक्सर से कोचस और आगे सासाराम तक की यात्रा आसान हो जाएगी। इससे यात्रियों का समय बचेगा और ईंधन की खपत भी कम होगी।

मानसिक स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सेवा योजना की संगोष्ठी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (रा.से.यो.) के तत्वावधान में "योग एवं मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन एसबी कॉलेज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का संचालन रा.से.यो. समन्वयक डॉ. साधना रावत के नेतृत्व में संपन्न हुआ। संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. अंकिता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित सौ दिवसीय काउंटडाउन कार्यक्रम के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एवं योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली

अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने लक्ष्यगीत एवं स्वागतगीत की सुंदर प्रस्तुति दी। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से निपटने के लिए योग अत्यंत प्रभावी माध्यम है। कुलसचिव प्रो. रामकृष्ण ठाकुर ने अपने संबोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता स्वामी विक्रमादित्य ने विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास कराते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होता है। योग विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न प्राणायाम एवं आसनों की दी गई जानकारी डॉ. पूर्ति माहौर ने योग के शास्त्रीय पक्ष को स्पष्ट करते हुए अष्टांग योग के पालन पर बल दिया। संगोष्ठी के दौरान योग विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न प्राणायाम एवं आसनों का प्रदर्शन किया गया तथा उनके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े अपने प्रश्न विशेषज्ञों से पूछे। कार्यक्रम का संचालन सह-समन्वयक डॉ. रीना देवी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अंकिता मिश्रा द्वारा किया गया।

आज तीन घंटे तक बिजली गुल रहेगी

♦ गीधा से बड़हरा 33 केवी लाइन में मेंटेनेंस का काम होगा, समय से निपटा लें जरूरी काम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। आरा में आज(11 अप्रैल 2026) तीन घंटे तक बिजली कटेगी। बड़हरा PSS के अंतर्गत सभी फीडरों से सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक सप्लाई ठप रहेगी। शटडाउन के दौरान गीधा से बड़हरा 33 केवी लाइन में मेंटेनेंस का काम किया जाएगा। साथ ही क्षेत्र के सभी पोल और जर्जर तार की भी मरम्मती की जाएगी। ताकि उपभोक्ताओं को बिजली से संबंधित कोई भी समस्या उत्पन्न न हो।

इन इलाकों में कटेगी बिजलीः रामपुर, बरहरा, एकवना, सीरिसिया, कुईया, सेमरिया, परिया, केशोपुर, कर्जा, मटूकपुर, रामसागर, रामशहर, लालकेटोला, नेखनामटोला, बखोरापुर, भूसहूला, देवरथ, पंडितपुर, बबूरा, काजीचक, शिवनचक, कपूरदियरा, विशुनपुर, बंधुछपरा, सबलपुर, बिन्दगावा, कुतुबपुर के डेरा, फुहा, मखदुमपुर, दियरा के आसपास गांवों में बिजली गुल रहेगी।

उपभोक्ताओं से सहयोग की अपीलः सहायक विद्युत अभियंता ने सहयोग की अपील करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को कोई दिक्कत न हो इसके लिए विभाग की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। समय से अपना जरूरी काम निपटा लें। पानी की व्यवस्था कर लें। उपभोगताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है। मेंटेनेंस वर्क पूरा होते ही सप्लाई चालू कर दी जाएगी।

हत्याकांड में 11 आरोपियों के खिलाफ वारंट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर कर रही छापेमारी, बाइक सवार तीन शूटरों पर शक

आरा। भोजपुर में पूर्व मुखिया प्रेमा देवी के दिव्यांग पुत्र रितेश सिंह उर्फ भुअर सिंह की हत्या मामले में कार्रवाई तेज हो गई है। कोर्ट ने 11 नामजद आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अनुसंधान पदाधिकारी(आईओ) की ओर से कोर्ट में वारंट जारी करने के लिए अर्जी दी गई थी। हालांकि, वारंट जारी होने के बावजूद अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। फरारी की स्थिति बरकरार रहने पर जल्द ही इश्तेहार और कुर्की-जब्ती की कार्रवाई के लिए भी कोर्ट में अर्जी दी जाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तकनीकी और वैज्ञानिक तरीकों से जांच में जुटी हुई है। घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान और भागने के रास्तों का पता लगाया जा सके।

पुरानी रंजिश में वारदात की आशंकाः प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि वारदात को बाइक सवार तीन शूटरों ने अंजाम दिया था। इस हत्याकांड की कड़ियां पुराने विवाद से भी जुड़ती नजर आ रही हैं। करीब तीन साल पहले मृतक के बड़े भाई बबलू सिंह को भी आरा में गोली मारी गई थी। उस मामले में चार आरोपी जेल भेजे गए थे, जिनमें से दो की मौत हो चुकी है, जबकि दो अन्य फिलहाल बाहर हैं। पुलिस की जांच की दिशा भी पुराने विवाद और आपसी रंजिश की ओर इशारा कर रही है।

पत्नी के आवेदन पर केस दर्जः मृतक की पत्नी श्वेता सिंह के बयान पर दर्ज प्राथमिकी में कुल 11 लोगों को नामजद किया गया है। इनमें से दो पर साजिश रचने और नौ पर गोली मारने का आरोप लगाया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, लहरपा गांव निवासी जितेंद्र यादव, मकरध्वज उर्फ रणवीर यादव, अंकित यादव, अमन महतो, नागेंद्र उर्फ छोटू यादव, संजय यादव, अजय यादव और मुखिया पुत्र आनंद राज समेत अन्य पर हत्या का आरोप है। हीरा लाल यादव और सुरेन्द्र राय पर साजिश रचने की बात कही गई है।

जिले के कई ज्वलंत मुद्दों पर आंदोलन करेगा भाकपा माले : स्वदेश भट्टाचार्य

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। जिले के ज्वलंत मुद्दों को लेकर भाकपा-माले आंदोलन खड़ा करेगा। यह बात पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य व वरिष्ठ नेता स्वदेश भट्टाचार्य ने कही। वह मौलाबाग के श्री साई शिवम् उत्सव पैलेस में भाकपा-माले जिला कमेटी की दो दिवसीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक 9 एवं 10 अप्रैल को होगी, जिसकी अध्यक्षता पूर्व विधायक चंद्रदीप सिंह, केंद्रीय कमेटी सदस्य राजू यादव, राज्य कमेटी सदस्य रमेश जी और ऐपवा जिला सचिव इंदू सिंह ने संयुक्त रूप से की। बैठक की शुरुआत ईरान-अमेरिका युद्ध में मारे गए लोगों एवं दिवंगत साथियों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर की गई। जिला सचिव अभ्युदय ने बैठक के एजेंडा और वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान

कई जिला कमेटी सदस्यों ने अपने विचार रखे। बैठक में 16-18 मई को दरभंगा में होने वाले भाकपा-माले के 12वें राज्य सम्मेलन की तैयारी पर व्यापक चर्चा की गई। इसमें राजनीतिक प्रचार-प्रसार, प्रतिनिधियों के चयन, नामांकन प्रक्रिया और राज्य सम्मेलन के अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने की रणनीति तय की गई। बैठक में जिले के समग्र विकास, खासकर सोन नदी में अवैध बालू खनन से उत्पन्न पर्यावरणीय संकट पर चिंता जताई गई। नेताओं ने कहा कि इसके कारण जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में अंबेडकर जयंती की तैयारी को लेकर मीटिंग, सुभाष निराला समारोह के अध्यक्ष

हाजीपुर। वैशाली में आगामी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा और विभिन्न आयोजनों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष कुमार निराला को समारोह का अध्यक्ष चुना गया। जयंती समारोह का आयोजन हाजीपुर के सुभाष चौक स्थित संस्कृत महाविद्यालय परिसर में किया जाएगा। इसमें गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों की बड़ी संख्या में भागीदारी की उम्मीद है। वक्ताओं ने बैठक में भारत रत्न डॉ. अंबेडकर के सामाजिक समानता, न्याय और संविधान निर्माण में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनकी जयंती को सम्मानजनक ढंग से मनाने के लिए सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम में माल्यार्पण, संगोष्ठी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और जागरूकता अभियान जैसे आयोजन शामिल होंगे। इसका उद्देश्य डॉ. अंबेडकर के विचारों और योगदान को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज में समानता और भाईचारे का संदेश प्रसारित करना है। उपस्थित सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां तय कीं और इसे ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करें। बैठक में राम पुकार चौधरी, परमेश्वर पासवान, भीम शंकर चौधरी, नरेश पासवान, राजेश्वर चौधरी, आकाश जायसवाल, राजीव यादव, सुरेंद्र बैठा, विशेश्वर पासवान, संजय पासवान, राजू कुमार और अरुण कुमार पासवान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वैशाली में 1000 लीटर अवैध शराब जब्त, उत्पाद विभाग की बिदुपुर में छापेमारी, बोलेरो वाहन भी पकड़ा

हाजीपुर। वैशाली जिले में पूर्ण शराबबंदी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन लगातार सघन छापेमारी अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में, उत्पाद विभाग ने बिदुपुर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक बोलेरो वाहन से लगभग 1000 लीटर अवैध चुलाई शराब जब्त की है। यह कार्रवाई जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह (भा.प्र.से.) के निर्देश पर की गई। उत्पाद विभाग की टीम ने यह छापेमारी 10 अप्रैल 2026 को बिदुपुर थाना क्षेत्र के रहिमापुर में गुप्त सूचना के आधार पर की। मौके से बोलेरो वाहन को भी जब्त कर लिया गया। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई जारी है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राज्य में लागू शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के प्रति "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनाई जा रही है। अवैध शराब के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए नियमित छापेमारी अभियान चलाए जा रहे हैं और खुफिया तंत्र को भी सक्रिय किया गया है। जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह ने बताया कि अवैध शराब कानून का उल्लंघन होने के साथ-साथ समाज के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें अवैध शराब के निर्माण, बिक्री या परिवहन से संबंधित कोई जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत प्रशासन या पुलिस को सूचित करें। इससे समय पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। श्रीमती सिंह ने नशामुक्त समाज के निर्माण में आमजन की भागीदारी को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जागरूक नागरिकों के सहयोग से ही इस सामाजिक बुराई पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध कारोबार में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें कानून के तहत सख्त सजा दिलाई जाएगी।

वैशाली में गैस सिलेंडर फटने से 8 घर जले, देसरी खड़गपुर बांध के पास भीषण आग, लाखों का नुकसान

हाजीपुर। वैशाली जिले में देसरी खड़गपुर बांध के समीप एक गैस सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई। इस घटना में करीब आठ घर आग की चपेट में आ गए और उनका सारा सामान, अनाज, जेवरात, बर्तन तथा फर्नीचर जलकर राख हो गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह हादसा देसरी खड़गपुर बांध के पास श्री भगवान राय के घर में हुआ। महिलाएं खाना बना रही थीं, तभी गैस रिसाव के कारण आग लग गई। एक सिलेंडर फटने के बाद आग तेजी से फैली, जिससे आसपास के घर भी इसकी चपेट में आ गए। कुल मिलाकर चार गैस सिलेंडर एक के बाद एक करके फट गए। आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और अग्निशमन दल को सूचित किया गया। आग इतनी तेजी से फैली थी कि इसे बुझाने के लिए दो बड़े और एक छोटा दमकल वाहन मंगाया गया। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस घटना में लगभग 20 से 25 क्विंटल गेहूं, 12 क्विंटल सरसों और एक मोटरसाइकिल जलकर राख हो गई। देवबली राय की बेटी की शादी के लिए रखे गए फर्नीचर, बर्तन सहित सभी सामान भी आग की भेंट चढ़ गए। इस भीषण अग्निकांड में अनुमानित 10 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। जिन घरों में आग लगी है, उनमें प्रताप राय, सिताब राय, शंभू राय और देवबली राय के परिवार शामिल हैं।

मुजफ्फरपुर में 12 साल की बच्ची से दरिंदगी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 12 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। वारदात के बाद बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है, उसे SKMCH में भर्ती कराया गया है। पिता ने कहा, मेरी बेटी की हालत बहुत खराब है, वो मरने की स्थिति में हैं, मुझे इंसाफ चाहिए। मामला मिठनपुरा थाना क्षेत्र का है। जहां बच्ची की मां की पहचान की दो महिलाएं उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गईं। तीसरी महिला के साथ मिलकर उसे किराए के मकान में पहुंचाया, जहां वारदात को अंजाम दिया गया। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन पड़ोसी महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मौके से सबूत जमा किए हैं। FSL की टीम ने भी सैंपल जमा किए हैं। मुख्य आरोपी (36) फिलहाल फरार है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार तीनों महिलाएं पीड़ित बच्ची के परिवार से परिचित है। आरोप है कि तीनों महिलाएं बच्ची को बहला-फुसलाकर एक किराए के मकान में ले गईं, जहां पहले से मौजूद एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। परिजनों ने तीनों पर मामले को दबाने का भी आरोप लगाया है।

जब बच्ची की हालत बिगड़ने लगी, तो आरोपी महिलाओं ने उसे कुछ दवाइयां देकर चुप कराने का प्रयास किया। हालांकि, बच्ची की स्थिति बिगड़ने पर सभी मौके से फरार हो गईं। जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्यों ने पुलिस को सूचना दी। बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए SKMCH रेफर किया गया है। बच्ची के पिता ने बताया, 'तीनों महिलाएं बच्ची को फुसलाकर साथ ले गई थीं। उसके साथ रेप करवाया। मैं भूंजा बेच रहा था। लौटा जो पता चला बच्ची के साथ ऐसा हुआ है। इसके बाद मैं उन महिलाओं के पास गया। बच्ची की स्थिति बहुत खराब है। मरने की की हालत में SKMCH में भर्ती है।' पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि वारदात में शामिल तीन महिलाएं देह व्यापार से जुड़ी थीं। वे इस काम में खुद जुड़ी थीं या किसी और से कराती थीं, ये जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तार की गई तीनों महिलाओं में से कोमल के घर अक्सर नए-नए लोगों का आना-जाना लगा रहता था। कोमल ने ये मकान कुछ महीने पहले ही किराए पर लिया था। बच्ची का इलाज कर रहे डॉक्टर का कहना है कि पीड़िता की हालत ठीक नहीं है। वो बातचीत करने की स्थिति में नहीं है। वहीं, पीड़िता की मां भी फिलहाल घटना के बारे में कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है। सिटी डीएसपी सुरेश कुमार की ओर से जानकारी दी गई है कि गिरफ्तार की गई तीनों आरोपी महिलाएं और पीड़िता की मां पहले से परिचित हैं।

पटना में रफ्तार का कहर:
पार्सल वैन ने स्कूल गाड़ी को मारी टक्कर, चार लोग गंभीर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

फतुहा, पटना। पटना जिले के खुसरूपुर प्रखंड में शनिवार को तेज रफ्तार ने एक और हादसे को जन्म दे दिया। कटौना-हरदास बीघा फोरलेन पर पार्सल वैन और स्कूल वाहन की आमने-सामने टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, अरोड़ा इंटरनेशनल स्कूल की मैजिक वैन गांवों से बच्चों को लेने जा रही थी। राहत की बात यह रही कि उस समय वाहन में कोई बच्चा मौजूद नहीं था। हालांकि, वैन में चार स्थानीय लोग सवार थे। इसी दौरान बख्तियारपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार पार्सल वैन ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूल वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों वाहन बुरी तरह टूट गए। इस हादसे में चालक सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान नीतीश कुमार (26), व्यादार सिंह (20), अंकित कुमार (17) और मुन्ना कुमार (28, डुमरी निवासी) के रूप में हुई है।

सभी को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तुरंत पटना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद पार्सल वैन का चालक मौके से भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। इससे मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

दुर्घटना के कारण फोरलेन पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलते ही खुसरूपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभालते हुए ट्रैफिक को सामान्य कराया। थाना अध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त पार्सल वैन को जब्त कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

स्लैब के नीचे फंसा मजदूर, स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना मेट्रो में निर्माण कार्य के बीच एक बड़ा हादसा हुआ है। शुक्रवार देर शाम भूतनाथ मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्य के दौरान एक मजदूर स्लैब के नीचे फंस गया। यहां क्रेन के जरिए भारी स्लैब को सेट करने का काम किया जा रहा था। उसी दौरान नीचे काम कर रहा एक मजदूर, अचानक मशीनरी के बीच फंस गया, जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों और सहकर्मियों की मदद से काफी मशक्कत के बाद मजदूर को बाहर निकाला गया। घायल मजदूर की पहचान सीवान जिले के निवासी सतीश कुमार के रूप में हुई है, जो मेट्रो परियोजना में कार्यरत है।

मेट्रो की जनसंपर्क पदाधिकारी अर्चना खुशी ने कहा कि, मजदूर क्रेन और स्लैब के बीच में फंस गए थे। राहत कार्य के बाद उन्हें बाहर निकाला गया है। उन्हें स्थानीय अस्पताल में एडमिट कराया गया है। उनकी MRI कराई गई है और अभी वह खतरे से बाहर है। वह अभी अंडर ऑब्जर्वेशन है और पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद ही अस्पताल से छुट्टी मिलेगी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुरुआती कुछ मिनटों तक स्थिति बेहद गंभीर बनी रही, क्योंकि मजदूर पूरी तरह मलबे और स्लैब के नीचे फंसा हुआ था। स्थानीय लोगों और सहकर्मियों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद मजदूर को बाहर निकाला गया।

पंजाब मेल में बम की अफवाह से हड़कंप: ट्रेन छूटने की झुंझलाहट में रची साजिश, आरोपी गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। 10 अप्रैल 2026 को गाड़ी संख्या 13005 हावड़ा-अमृतसर पंजाब मेल एक्सप्रेस में बम होने की सूचना ने रेलवे सुरक्षा तंत्र को अलर्ट कर दिया। सूचना मिलते ही राजकीय रेल पुलिस (GRP) और रेलवे सुरक्षा बल (RPF) की टीमों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रेन की गहन तलाशी शुरू कर दी। अचानक हुई इस कार्रवाई से यात्रियों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। रेल मुख्यालय के डीएसपी भास्कर रंजन के अनुसार, कॉल मिलते ही पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस का सहारा लिया। मोबाइल लोकेशन ट्रैक कर संदिग्ध व्यक्ति तक पहुंच बनाई गई और त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान 44 वर्षीय प्रदीपन भट्टाचार्य के रूप में हुई है, जो पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद का रहने वाला है। पूछताछ में आरोपी ने जो कारण बताया, वह चौंकाने वाला था। वह अपने साथियों के साथ अमृतसर जाने के लिए हावड़ा स्टेशन पहुंचा था, लेकिन समय पर ट्रेन नहीं पकड़ सका। ट्रेन छूटने के बाद गुस्से और हताशा में उसने एक होटल में शराब पी और फिर ट्रेन को रुकवाने के लिए बम होने की झूठी सूचना दे दी। सिर्फ अफवाह फैलाने तक ही मामला नहीं रुका। आरोपी की योजना थी कि ट्रेन को कहीं रुकवाकर वह दूसरी ट्रेन से आगे जाकर उसे पकड़ लेगा। इसी सोच के तहत वह बर्दवान तक पहुंच गया, लेकिन पुलिस की तेजी के आगे उसकी चाल नाकाम हो गई। पुलिस ने आरोपी के पास से वह मोबाइल फोन बरामद कर लिया है, जिससे कॉल किया गया था। उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस फर्जी सूचना के कारण रेलवे को आर्थिक नुकसान हुआ और सुरक्षा एजेंसियों को बेवजह बड़ी कार्रवाई करनी पड़ी। रेल पुलिस ने इस घटना के बाद लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की झूठी सूचना या अफवाह फैलाने से बचें। इस तरह की हरकतें न केवल सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक हैं, बल्कि कानूनन गंभीर अपराध भी हैं, जिनमें कड़ी सजा का प्रावधान है।

सीएम आवास से शिफ्टिंग शुरू: नई राजनीतिक पारी की आहट, 7 सर्कुलर रोड पहुंचे नीतीश कुमार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना में सियासी हलचल तेज हो गई है। राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद ही नीतीश कुमार के आधिकारिक आवास 1 अणे मार्ग से शिफ्टिंग शुरू हो गई है। उनका सामान अब 7 सर्कुलर रोड स्थित आवास में ले जाया जा रहा है, जिससे राजनीतिक गलियारों में नए समीकरणों की चर्चा तेज हो गई है। 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद यह कयास लगाए जा रहे हैं कि नीतीश कुमार जल्द ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, 14 अप्रैल के आसपास इस्तीफा और उसके बाद नई सरकार के गठन की संभावना जताई जा रही है, हालांकि इस पर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार इस आवास में शिफ्ट हो रहे हैं। वर्ष 2014 में भी जब उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा था और सत्ता जीतन राम मांझी को सौंपी थी, तब वे इसी बंगले में रहे थे। बाद में उन्होंने दोबारा सत्ता संभाली, लेकिन यह आवास लंबे समय तक उनके पास रहा। 7 सर्कुलर रोड स्थित यह आवास राबड़ी देवी को आवंटित 10 सर्कुलर रोड के ठीक बगल में है। ऐसे में मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव के पड़ोसी बन सकते हैं, जिससे राजनीतिक चर्चा और भी दिलचस्प हो गई है। जानकारी के अनुसार, इस बंगले में कई आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इसमें 6 वीआईपी बेडरूम, 2 बड़े ड्राइंग रूम, एक विशाल सभागार और परिसर में बना छोटा तालाब शामिल है। हाल ही में नीतीश कुमार ने इस आवास का निरीक्षण भी किया था और अब यहां उनका नेम प्लेट भी लगा दिया गया है। सीएम आवास से शिफ्टिंग को सिर्फ प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यदि इस्तीफा और नई सरकार का गठन होता है, तो बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हो सकता है।

पटना विश्वविद्यालय परिसर में 'दीदी की रसोई' का शुभारंभ: सस्ता और स्वच्छ भोजन मिलेगा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार में महिला सशक्तिकरण और रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक और पहल के तहत पटना स्थित पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय परिसर में 'अन्नपूर्णा जीविका दीदी की रसोई' का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राज्य में 'दीदी की रसोई' मॉडल तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और आने वाले समय में इसकी मांग के अनुरूप विस्तार किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि इस रसोई के शुरू होने से विश्वविद्यालय के करीब 500 से अधिक छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को सस्ती दर पर स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन व नाश्ता उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि 'दीदी की रसोई' कम कीमत और बेहतर गुणवत्ता के कारण लोगों की पहली पसंद बनती जा रही है। श्रवण कुमार ने बताया कि राज्य में जीविका समूहों के माध्यम से 11 लाख 67 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह गठित किए गए हैं, जिनसे 1.50 करोड़ से अधिक परिवार जुड़े हैं। महिला रोजगार योजना के तहत 1.81 करोड़ महिलाओं को 10-10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि जो महिलाएं अपना रोजगार शुरू कर चुकी हैं, उन्हें दूसरे चरण में 20 हजार रुपए की अतिरिक्त सहायता इसी महीने प्रदान की जाएगी। मंत्री ने जानकारी दी कि पूरे राज्य में 'दीदी की रसोई' के संचालन में 6 हजार से अधिक जीविका दीदियां जुड़ी हुई हैं। यह रसोई अनुसूचित जाति-जनजाति छात्रावास, मेडिकल कॉलेज, पॉलिटेक्निक संस्थान और जिला व अनुमंडल अस्पतालों में भी संचालित हो रही है। कार्यक्रम में कुलपति उपेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि इस तरह की पहल से न केवल छात्रों को बेहतर सुविधा मिलेगी, बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता और सहभागिता की भावना भी मजबूत होगी। उद्घाटन के बाद मंत्री ने कैंटीन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की सराहना की। इस दौरान विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षक भी मौजूद रहे।

काला चश्मा-ट्रैक सूट अलग अंदाज में दिखे अनंत सिंह

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह इन दिनों अपने बेटे अभिनव को घुड़सवारी सिखा रहे हैं। उनकी एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें वह पटना के जेपी सेतु के पास काला चश्मा और काले ट्रैक सूट में नजर आ रहे हैं। उनका एक वीडियो भी है, जिसमें वे करीब 2.5 करोड़ की रेंज रोवर में बैठकर घोड़े को दौड़ाते दिख रहे हैं। घोड़े पर उनका केयरटेकर सवार है, जो उसे कंट्रोल कर रहा है। अनंत सिंह गाड़ी में बैठे-बैठे ही उसे कमांड देते नजर आ रहे हैं। अनंत सिंह को घोड़ों का काफी शौक है। उनके पास कई महंगे घोड़े हैं। जिस काले घोड़े के साथ अभिनव नजर आ रहे हैं, वह उनके कीमती घोड़ों में से एक है।

छोटे बेटे को घुड़सवारी की ट्रेनिंग दे रहे अनंत सिंह: इससे पहले भी एक वीडियो सामने आया था, जो पटना स्थित उनके आवास का था। उस वीडियो में अनंत सिंह कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे थे, जबकि उनका बेटा अभिनव सफेद घोड़े पर सवार होकर आता है और उसे रोकने की कोशिश करता है। इस दौरान अनंत सिंह उसे समझाते हुए कहते हैं, 'धीरे-धीरे, आराम से।' बेटे को घुड़सवारी सिखाने का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनव काले घोड़े पर सवार नजर आ रहा है। इस वीडियो में भी अनंत सिंह बेटे को घोड़े पर संतुलन बनाने के गुर सिखाते दिख रहे हैं।

बिहार के 630 खिलाड़ियों को मिलेगी स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार के 630 खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप मिलेगी। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने इसकी जानकारी दी है। खेल छात्रवृत्ति नीति के तहत उत्कर्ष, सक्षम और प्रेरणा योजना के अंतर्गत चयनित खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इसमें उत्कर्ष स्कॉलरशिप स्कीम के तहत 19 खिलाड़ी, सक्षम स्कॉलरशिप के तहत 178 खिलाड़ी और प्रेरणा स्कॉलरशिप के तहत 433 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इसमें से 269 खिलाड़ियों का चयन मशाल कार्यक्रम के तहत किया गया है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण ने कहा कि, 'इस साल बिहार राज्य खेल छात्रवृत्ति योजना के तहत कुल 630 खिलाड़ियों को स्कॉलरशिप के लिए चयनित किया गया है। यह 2026-27 के तहत चयनित खिलाड़ी हैं, जिन्हें निर्धारित तारीख पर पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कंपलेक्स बुलाया जाएगा। फिर उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इस स्कॉलरशिप के माध्यम से वह अपना ट्रेनिंग इक्विपमेंट, किट, खाने पीने से लेकर कोचिंग फीस भर सकते हैं।' खिलाड़ियों को प्रेरणा योजना के अंतर्गत 3 लाख तक की स्कॉलरशिप मिलेगी। वहीं, सक्षम योजना के अंतर्गत 5 लाख और उड़ान योजना के अंतर्गत 20 लाख तक का स्कॉलरशिप खिलाड़ियों को दिया जाएगा। इन योजनाओं के लिए खिलाड़ियों से जनवरी में आवेदन मांगा गया था।

किडनी फेलियर में एक्युप्रेशर चिकित्सा अत्यंत लाभदायक : डॉ सर्वदेव प्रसाद गुप्त

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। किडनी फेलियर में एक्युप्रेशर चिकित्सा अत्यंत लाभदायक : डॉ सर्वदेव प्रसाद गुप्त किडनी शरीर में रक्त से अवांछित तरल पदार्थ को मूत्र में बदलती है तथा उसे शरीर से बाहर निकलती है, आवश्यक तरल पदार्थ एवं रसायनों को समायोजित करती है, उन हारमोंस को नियंत्रित करती है जो ब्लड निर्माण के कार्य मे सहायता करती है। शरीर में दो किडनी होती हैं ,व्यक्ति सिर्फ एक किडनी के साथ भी स्वस्थ जीवन जी सकता है,यदि यह कार्य ठीक ढंग से संपन्न नहीं होता है तो इसे ही किडनी फेलियर कहते हैं, इस कारण एक्यूट काउज गंभीर संक्रमण, गंभीर जलन, रक्त प्रवाह में रुकावट, रक्तचाप में गड़बड़ी, हृदय की विफलता , मूत्र मार्ग में रुकावट पैदा होता है, क्रॉनिक काउज के कारण किडनी धीरे-धीरे कार्य क्षमता खो देती हैं और हम डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, किडनी की पथरी, शरीर में सूजन, दिमागी कमजोरी, उल्टी, सर दर्द, श्वास समस्या, खुजली आदि से परेशान हो जाते हैं।

एक्युप्रेशर चिकित्सा द्वारा किडनी के कार्य क्षमता में सफलतापूर्वक सुधार होता है तथा हम स्वस्थ जीवन जीते हैं उक्त बातें बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज द्वारा बिस्कोमान कॉलोनी गोलंबर स्थित कॉलेज परिसर में आयोजित किडनी रोग विषयक एक्युप्रेशर संगोष्ठी में एक्युप्रेशर महागुरु डॉ सर्वदेव प्रसाद गुप्त ने कही । संगोष्ठी में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन के साथ उद्घाटन एवं डॉ गुप्त का जन्मोत्सव भी मनाया गया । इस अवसर पर कॉलेज सचिव डॉ अजय प्रकाश ने बताया की एक्युप्रेशर चिकित्सा द्वारा किडनी एवं इससे जुड़े हुए अंग यूरेटर, ब्लैडर, यूरेथ्रा आदि के कार्यों को संतुलित कर रोगी को क्रिएटिनिन यूरीया के असंतुलन से होने वाली समस्या को हानि रहित एवं कम समय में चिकित्सा होता है । इस अवसर पर बीएवाईसी एनाटॉमी के विभागाध्यक्ष एवं पूर्व सिविल सर्जन डॉ एल पी सिंह ने संबोधित करते हुए किडनी के रचना विज्ञान एवं क्रिया विज्ञान पर विस्तृत वर्णन किया, संगोष्ठी को कॉलेज कोषाध्यक्ष वीणा प्रकाश, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ हरे राम राय, डॉ उपेंद्र नायक, डॉ सुनील कुमार सुमन आदि ने संबोधित किया तथा आदित्य प्रकाश, सर्व प्रकाश, श्रुति कुमारी, शांभवी प्रकाश, जितेंद्र कुमार ,अनंत राज ,सोनी देवी आदि का सहयोग सराहनीय रहा। संगोष्ठी में डॉ नसरीन फरहत ,डॉ शबनम, डॉ विकास पंडित, डॉ. अभिषेक , डॉ मो. शाहादत, डॉ. कुंदन, डॉ. राम अवतार सिंह, डॉ नीतीश , डॉ. भारती, डॉ. रंजना, डॉ. अरुण, सुमित कुमार , डॉ. शशांक आदि प्रमुख चिकित्सक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मूरहू में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा, कोचिंग सेंटर में कंप्यूटर कोर्स की मूल्यांकन परीक्षा आयोजित

खूंटी। मूरहू प्रखंड में डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में कंप्यूटर कोर्स कर रहे छात्रों की मूल्यांकन परीक्षा शनिवार को आयोजित की गई। यह परीक्षा कोर्स के अंतिम चरण से पहले आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य छात्रों की समझ, प्रायोगिक क्षमता और तकनीकी दक्षता का आकलन करना था। परीक्षा में बेसिक कंप्यूटर ज्ञान, सॉफ्टवेयर उपयोग, डॉक्यूमेंट निर्माण, टाइपिंग स्किल और प्रेजेंटेशन तैयार करने जैसे विषयों से जुड़े प्रश्न शामिल किए गए। संस्थान प्रबंधन के अनुसार, यह मूल्यांकन परीक्षा छात्रों को अंतिम प्रमाणपत्र परीक्षा के लिए बेहतर ढंग से तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी। संस्थान के संस्थापक सह निदेशक सकलदीप भगत ने बताया कि आज के आधुनिक युग में कंप्यूटर ज्ञान अत्यंत आवश्यक हो गया है, इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को इस दिशा में सक्षम बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि कोर्स पूरा करने के बाद सफल छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार के अवसरों में लाभ मिलेगा। संस्थान की ओर से न्यूनतम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा दी जा रही है और वर्तमान में नए सत्र के लिए नामांकन भी जारी है।

महिला की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जेटेया थाना क्षेत्र में बाहा पर्व की खुशियों के बीच शुक्रवार की देर रात बड़ा पासेया गांव के चिरु पासेया टोला में 50 वर्षीय महिला टुरिया गगराई की हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। अज्ञात हमलावर ने महिला के सिर पर हथौड़े से कई वार किए और फिर लाठी-डंडों तथा पत्थरों से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। सिर और पसलियों पर गंभीर चोट लगने के कारण महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।घटना के समय गांव में बाहा पर्व मनाया जा रहा था और अधिकांश ग्रामीण उत्सव में व्यस्त थे। इसी बीच महिला अपने घर से कुछ दूरी पर थी, तभी पहले से घात लगाकर बैठे हमलावर ने उस पर अचानक हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपित पास के एक आम के पेड़ के पीछे छिपा हुआ था और मौका मिलते ही उसने वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद आरोपित ने शव को करीब 200 से 300 मीटर तक घसीटने की कोशिश की, लेकिन किसी हलचल का आभास होने पर वह शव को बीच में ही छोड़कर फरार हो गया। भागने के दौरान आरोपित अपने कपड़े—शर्ट, पैंट और चप्पल—मौके पर ही छोड़ गया, जिन्हें पुलिस ने अहम साक्ष्य के रूप में जब्त किया है। घटना के वक्त मृतका के साथ उसके छोटे भाई की सात वर्षीय बेटी भी मौजूद थी। बच्ची किसी तरह डर के बीच घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर जेटेया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं और मामले की गहन जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपित की पहचान और गिरफ्तारी के लिए हर पहलू पर जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डिवाइडर से टकराकर स्कूटर सवार की मौत

पूर्वी सिंहभूम। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के सीएच एरिया में शुक्रवार देर रात एक सड़क हादसे में स्कूटर सवार व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सर्किट हाउस के पास तेज रफ्तार में जा रहा स्कूटर अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया, जिससे चालक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की रात्रि गश्ती टीम मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिला की हत्या के आरोपित की जमानत याचिका खारिज

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची से एक सनसनीखेज हत्या मामले में अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। प्रेम विवाह में बाधा बनने पर युवती की मां की कुल्हाड़ी से हत्या करने के आरोपित की जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। अपर न्यायायुक्त संजीव झा की अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपित को राहत देने से इनकार कर दिया। दरअसल, यह घटना 16 जनवरी 2026 की है, जिसके संबंध में तमाड़ थाना में कांड संख्या 6/2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस के अनुसार, तमाड़ थाना क्षेत्र के नावाडीह निवासी जम्बी कुमारी की शादी खूंटी जिले के टोटवादा निवासी लाचू पाहन से हुई थी। लेकिन शादी के महज दो महीने बाद ही एक सड़क दुर्घटना में लाचू पाहन की मौत हो गई, जिसके बाद जम्बी अपने मायके लौट आई थी। मायके में रहने के दौरान जम्बी कुमारी को उनकी मां ने जमझूड़ गांव स्थित दादी के घर भेज दिया था। वहीं रहने के दौरान उसका प्रेम संबंध उसके ही एक रिश्तेदार मांगा मुंडा से हो गया। जब इस संबंध की जानकारी परिवार को हुई, तो जम्बी को वापस घर बुला लिया गया। बताया जाता है कि आरोपित मांगा मुंडा जम्बी से शादी करने की जिद कर रहा था, लेकिन रिश्तेदारी के कारण परिवार इस शादी के खिलाफ था। इसी को लेकर आरोपित लगातार जम्बी और उसकी मां को जान से मारने की धमकी दे रहा था। घटना की रात, 16 जनवरी को, जब परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो चुके थे, तभी आरोपित घर में घुस गया और सो रही जम्बी की मां पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया था। अब अदालत ने जमानत याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपित को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। मामले की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी।

लातेहार झारखंड का सबसे ठंडा और सरायकेला रहा सबसे गर्म जिला

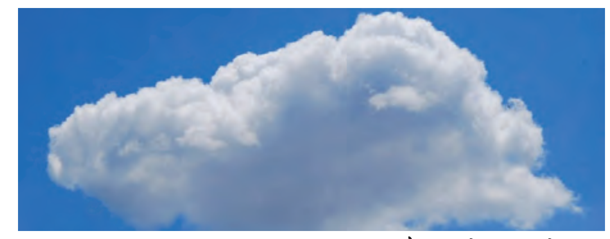

एजेंसी। रांची

रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले दिनों हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण अधिकतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। लेकिन अब मौसम पूरी तरह साफ होने के बाद फिर से तापमान में तेजी से वृद्धि होने लगी है। शनिवार को राज्य का सबसे ठंडा जिला लातेहार, जबकि सबसे गर्म जिले के रूप में सरायकेला रहा। लातेहार में शनिवार को अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री जबकि सरायकेला में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। फिलहाल मौसम विभाग की ओर से मौसम में किसी तरह के परिवर्तन की संभावना नहीं जताई गई है। इसलिए आने हफ्तों में अधिकतम तापमान में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है। इससे राज्य के कई जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास हो जायेगा। इधर, शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और कड़ी धूप महसूस की गई। बारिश के कारण जमीन में नमी के कारण सुबह शाम ठंड महसूस हो रही है। वहीं, शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री और न्यूनतम 17.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34.8 डिग्री और न्यूनतम 20.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 35 और न्यूनतम 17.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 35.1 डिग्री और न्यूनतम 17.2 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस पर रांची में कार्यक्रम, मातृ मृत्यु दर शून्य के करीब लाने का संकल्प

▪ मातृ मृत्यु दर को शून्य के करीब लाना हमारा संकल्प : इरफान

एजेंसी। रांची

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर रांची में शनिवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने की। डॉ. इरफान अंसारी ने इस अवसर पर कहा कि किसी भी मां की मौत स्वीकार्य नहीं है और मातृ मृत्यु दर को शून्य के करीब लाना सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में तीसरे स्थान से पहले स्थान पर लाना सरकार का लक्ष्य है, जिसके लिए व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए राज्यभर में थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और कुपोषण की रोकथाम के लिए मेगा स्क्रीनिंग अभियान चलाया जाएगा। साथ ही डिजिटल हेल्थ सिस्टम को मजबूत करने के लिए 42,000 सहिया कार्यकर्ताओं को एक माह के भीतर टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें। उन्होंने किशोरियों की शिक्षा, एनीमिया नियंत्रण और बाल विवाह रोकने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि स्वस्थ मातृत्व के लिए यह आवश्यक है। ममता वाहन सेवा और सहिया कार्यकर्ताओं की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने संस्थागत प्रसव बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। इस अवसर पर अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि किसी राज्य के विकास का आकलन मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) जैसे सूचकों से किया जाता है। वहीं, यूनिसेफ की प्रतिनिधि पारुल शर्मा ने झारखंड को मातृ-शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उभरता मॉडल बताया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) की समय पर पहचान और प्रबंधन पर जोर दिया। सभी वक्ताओं ने सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सड़क हादसे में एक की मौत, सात घायल

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिले के बरसोल थाना क्षेत्र अंतर्गत खांडामौदा चौक में शुक्रवार देर रात करीब सवा नौ बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। जानकारी के अनुसार, खड़गपुर से लोहा और पत्थर खाली कर एक ट्रेलर केन्दुझोर की ओर जा रहा था। खांडामौदा चौक के पास पहुंचते ही ट्रेलर अचानक अनियंत्रित हो गया और तेज रफ्तार में सड़क किनारे स्थित एक होटल में जा घुसा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि होटल का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और वहां मौजूद लोग जान बचाकर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, होटल से टकराने के बाद भी ट्रेलर नहीं रुका और आगे बढ़ते हुए सड़क पार कर रहे एक बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भयावह था कि बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। इस घटना में होटल के पास मौजूद कुल 7 लोग घायल हो गए, जिनमें कुछ की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस के जरिए बहरागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही बरसोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। इधर, गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रेलर चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आक्रोशित लोगों ने कुछ समय के लिए एमएच-49 सड़क को जाम कर विरोध प्रदर्शन भी किया और लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर नाराजगी जताई। पुलिस ने समझा-बुझाकर जाम हटवाया और यातायात बहाल कराया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

टीएमएच में इलाजरत मेहंदी के इलाज की व्यवस्था करेंगे सरयू राय

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने कहा कि मेहंदी बिटिया के इलाज में धन की किल्लत नहीं होगी। इलाज तब तक चलेगा,जब तक वह स्वस्थ न हो जाए। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने लिखा मनबढ़ शोहदों द्वारा चेहरे पर खौलती चाय फेंक देने से बुरी तरह झुलसी बच्ची मेंहदी के इलाज में कोताही नहीं होगी। टाटा स्टील प्रबंधन ने मेरा आग्रह मान लिया है कि बिल बकाया रहने पर भी इलाज चलता रहेगा। मैंने उन्हें आश्वस्त किया है कि बकाया इलाज खर्च की व्यवस्था मेरे स्तर से कर दी जाएगी। इस पोस्ट पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। गौरतलब है कि जिस दिन यह घटना घटी, उसके दूसरे ही रोज श्री राय ने अपने जनसुविधा प्रतिनिधि नीरज सिंह,जदयू के जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, जदयू के महानगर अध्यक्ष अजय कुमार आदि से टाटा मेन हॉस्पिटल जाने को कहा और यह भी ताकीद किया कि वह बिटिया के इलाज को सही तरह से देख लें। कहीं कोई दिक्कत न हो। उनके निर्देश पर लोग अस्पताल गए और घायल बिटिया मेहंदी के इलाज के बारे में पर्याप्त जानकारी ली। यह पहला मौका नहीं है, जब श्री राय का बेहद संवेदनशील और मानवीय पक्ष सामने आया हो। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में वह धर्म,जाति,पार्टी, विचारधारा से एकदम अलग होकर इंसानियत के नाते भी लोगों की मदद करते रहे हैं।

गिरती विधि-व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिला युवा कांग्रेस कमिटी के जिला उपाध्यक्ष मंगल देव सिंह उर्फ सन्नी सिंह के नेतृत्व में शहर में गिरती विधि-व्यवस्था, बढ़ते अपराध और ट्रैफिक अव्यवस्था को लेकर शनिवार को वरीय पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में शहर की मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। पत्र में कहा गया है कि जमशेदपुर में हाल के दिनों में अपराध की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम नागरिकों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। हत्या, चापड़ जैसे घातक हथियारों से हमले और संगठित अपराधों की बढ़ती घटनाएं पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही हैं। आरोप लगाया गया कि अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और वे बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जबकि अपेक्षित सख्ती नहीं दिख रही है। ज्ञापन में शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को भी पूरी तरह चरमराई हुई बताया गया है। जगह-जगह जाम की समस्या से आम लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ट्रैफिक सुधार के नाम पर पुलिस केवल हेलमेट जांच पर अधिक ध्यान दे रही है, जिससे आम जनता अनावश्यक रूप से परेशान हो रही है, जबकि जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है। इसके अलावा शहर में नशीले पदार्थों, विशेषकर स्मैक जैसे ड्रग्स की बढ़ती बिक्री पर भी चिंता जताई गई है। कहा गया है कि यह स्थिति युवाओं के भविष्य के लिए बेहद खतरनाक है, लेकिन इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया जा रहा है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू।
अति अल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

1.ई0–निविदा संख्या– **EE/RDSD/Palamau/ F2 – RE-01/ 2025-26 GR No. 30 (4th Call)**

S. No.	Group No.	Name of Work	Estimated Cost	Amount of Earnest Money	Cost of Tender Paper	Time Completion of Work
1	2	3	4	5	6	7
1	30	पलामू जिला के प्रखंड छतरपुर के पंचायत चिरू के ग्राम टोला भलुही में आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण।	1166300.00	23500.00	2500.00	04 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 16.04.2026(05:00 PM से)
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 16.04.2026 (अपराह्न 5:00 PM से दिनांक 24.04.2026 को 5:00 PM तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 27.04.2026 अपराह्न 4:00 PM बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेश प्रमंडल, पलामू।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06562–355581
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल
पलामू।

PR 377301 Rural Development (26-27)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू।
Email:- palamunrep@gmail.com
अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना।
ई0निविदा संख्या–**RDD/NREP/Palamu 05/2025-26 (Retender)**

विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू।
Website पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक 15.04.2026 (पूर्वाह्न 10:00 बजे)
ई–निविदा प्राप्त करने की तिथि :– दिनांक 15.04.2026 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से दिनांक 25.04.2026 (अपराह्न 5:00 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 27.04.2026 (पूर्वाह्न 10:00 बजे)
निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू।
कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र.	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आईडेन्टीफिकेशन संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8
1	छतरपुर	पंचायत डाली, ग्राम डाली में टोला कुसुमटांड़ में उदय सिंह के घर से विजय सिंह के घर तक पथ निर्माण।	1259100.00	25182.00	5000.00	03 माह मात्र	08/2025-26/ EE/RDD/NREP /PALAMU

नोट–
1. केवल ई0–निविदा ही स्वीकार होंगे।
2. निविदा डबल बीड पद्धति से होगी।
3. आर0ई0ओ0, पलामू में समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकेंगे।
4. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही निविदादाता की होगी।

निविदा की तकनिकी एवं सामान्य शर्तें **www.palamu.nic.in** एवं कार्यालय कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। वितृत जानकारी के लिए **Website- www.jharkhandtenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, मेदिनीनगर पलामू।

PR 377311 NREP(26-27)D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MINOR IRRIGATION DIVISION, HUSSAINABAD
eemidhus-cemr-jhr@nic.in

Letter No. 205 Hussainabad, Date- 11/04/2026
e-Procurement Notice
(Two Envelope System)
e-Tender Reference No.:-WRD/MID/HUSSAINABAD/ F2-03/2026-27

1	Name of Work	Renovation Work of Badka Bandh, Block:-Naudiha Bazar, Dist:-Palamu
2	Estimated Cost	Rs. 92,99,600=00
3	Time of Completion	11 Month
4	Date of Publication of E-Tender on website	20/04/2026, Time:-11:00 AM
5	Last date/Time for submission of E-Tender BID's	05/05/2026, Time:-03:00 PM
6	Last date/Time for Online submission of E-Tender fee and EMD	05/05/2026, Time:-03:00 PM
7	Date of Opening of Technical Bid	06/05/2026, Time:-04:00 PM
8	Name & Address of office Inviting tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Hussainabad
a	Contact no. of e-Procurement officer	9031301518
b	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2214784

Note:- (1) Only e-Tender will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease
Further Details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

PR 377328 Minor Irrigation(26-27).D

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Hussainabad.

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MINOR IRRIGATION DIVISION, HUSSAINABAD
eemidhus-cemr-jhr@nic.in

Letter No. 203/ Hussainabad, Date- 11/04/2026
e-Procurement Notice
(Two Envelope System)
e-Tender Reference No.:-WRD/MID/ HUSSAINABAD/F2-01/2026-27

1	Name of Work	Construction Work Of Kawlahi Nala check Dam, Block:-Chattarpur, Dist:-Palamu
2	Estimated Cost	Rs. 87,09,400=00
3	Time of Completion	11 Month
4	Date of Publication of E-Tender on website	20/04/2026, Time:-11:00 AM
5	Last date/Time for submission of E-Tender BID's	05/05/2026, Time:-03:00 PM
6	Last date/Time for Online submission of E-Tender fee and EMD	05/05/2026, Time:-03:00 PM
7	Date of Opening of Technical Bid	06/05/2026, Time:-04:00 PM
8	Name & Address of office Inviting tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Hussainabad
a	Contact no. of e-Procurement officer	9031301518
b	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2214784

Note:- (1) Only e-Tender will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease
Further Details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Hussainabad.

PR 377326 (Minor Irrigation)26-27*D

संक्षिप्त समाचार

साहिबाबाद के न्यायखंड-एक में सीवर ओवरफ्लो से जलभराव

साहिबाबाद, एजेंसी। न्यायखंड एक में सीवर और नाला ओवरफ्लो होने से शुक्रवार को सुपरटेक आइकन सोसायटी और मल्टी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के बाहर जलभराव हो गया। इससे आवागमन के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुपरटेक आइकन सोसायटी के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष मनोज ठाकुर ने बताया कि सीवर लाइन डाल दी गई है, लेकिन अभी उसे सोसायटी से कनेक्ट नहीं किया गया है। इस कारण सीवर लगातार ओवरफ्लो हो रहा है। नाला निर्माण कार्य भी चल रहा है। दो दिन से पंप खराब होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो सकी। मल्टी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के पास नाला चोक है। इसके चलते शुक्रवार को सुपरटेक आइकन सोसायटी और मल्टी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के बाहर जलभराव हो गया। इससे आवागमन के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों का सोसायटी से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। जलभराव के कारण सुपरटेक आइकन सोसायटी, जनता फ्लैट, पत्रकार विहार, वीथ्री एस, गौर ग्रीन विस्टा सोसायटी के निवासी मुसीबत झेल रहे हैं। नगर निगम जलकल विभाग के महाप्रबंधक केपी आनंद ने बताया कि मौके पर टीम को भेजकर समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

फरीदाबाद में पानी वितरण का नया प्लान, निगम आयुक्त ने गर्मियों के लिए दिए सख्त निर्देश

फरीदाबाद, एजेंसी। गर्मियों को देखते हुए नगर निगम में पानी वितरण को लेकर संतुलन बनाने की तैयारी चल रही है। दिन में एक ही समय क्षेत्र में पानी की आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए आयुक्त ने ऐसी कॉलोनियों और सेक्टरों की रिपोर्ट बनाने के लिए एसडीओ और जेई को निर्देश दिया है। इसके साथ उन कॉलोनियों की भी सूची बनाने के लिए कहा है। जहां पर रेनीवेल का पानी नहीं पहुंच रहा है। ऐसी जगहों पर टैंकर के माध्यम से मीठा पानी भिजवाया जाएगा। एक सप्ताह के भीतर जेई और एसडीओ को पूरी रिपोर्ट निगम आयुक्त के सामने पेश करना होगा। पार्षदों और विधायकों के दबाव में कई जगह पर बूस्टर से सुबह और शाम पानी सप्लाई किया जाता है। जिसकी वजह से अन्य क्षेत्रों में पानी नहीं पहुंच पाता है। सदन की बैठक में एनआईटी के पार्षदों ने इस बात को लेकर हंगामा किया था।

फरीदाबाद विकास प्राधिकरण की नई योजना पर काम शुरू

फरीदाबाद, एजेंसी। अब ग्रीनबेल्ट व पार्कों में एसटीपी से साफ हुए पानी से सिंचाई होगी। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण की शहर में 12 माइक्रो एसटीपी लगाने की योजना पर धरातल पर काम शुरू होने वालाा है। एसटीपी बनाने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द एक एजेंसी फाइनल कर इसे वर्क अलॉट किया जाएगा। याद रहे कि मंत्री बनने के बाद विपुल गोयल ने इस परियोजना को बनाने के लिए कहा था। लेकिन सालभर से अधिक समय होने के बाद भी परियोजना कागजों में रही। वहीं, पिछले दिनों मंत्री ने अधिकारियों से इस परियोजना की अपडेट जानकारी ली। इसके बाद जल्द काम शुरू कराने के लिए कहा। वैसे इस परियोजना का मकसद पेयजल आपूर्ति की बचत करना था और सीवर के साफ पानी से पार्क व ग्रीनबेल्ट की सिंचाई करना है। प्राधिकरण द्वारा 12 माइक्रो एसटीपी लगाए जाने हैं। इन एसटीपी से सेक्टर–9, 10, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 29, 30, 31, 32, 34, 35 और 37 के पार्क व ग्रीनबेल्ट कनेक्ट होंगे। यानी पार्क के अंदर 500 किलोलीटर प्रतिदिन क्षमता वाला एसटीपी बनया जाएगा। जिसके पानी से सेक्टरों में हरियाली रहेगी। फिलहाल पार्क व ग्रीनबेल्ट में सिंचाई के लिए पेयजल का प्रयोग किया जाता है। इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ रहा है।

गुरुग्राम की प्यास बुझाएगा 1500 क्यूसेक पानी

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम वाटर सप्लाई चैनल के निर्माण कार्यों की समीक्षा शुक्रवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की। उन्होंने निर्माण कार्य तेज गति से पूरा करने का निर्देश दिया ताकि लोगों को निश्चित समय में पर्याप्त मात्रा में पेयजल सुलभ हो सके। इसके निर्माण के बाद जिले में वाटर सप्लाई की कमी नहीं रहेगी। सोनीपत के काकरोई हैड से बसई जल घर तक बनने वाले इस चैनल से गुरुग्राम को 686 क्यूसेक पानी मिलेगा, जो आगामी 2050 तक की आबादी को पर्याप्त मात्रा में सुलभ हो सकेगा। लगभग 70 किलोमीटर लंबाई के इस चैनल के निर्माण पर लगभग 1993 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय की जाएगी। इस कार्य में पूर्ण रूप से अंडरग्राउंड पाइपलाइन बिछाई जाएगी ताकि पानी की शुद्धता को बरकरार रखा जा सके। मुख्यमंत्री ने रिमोडलिंग आफ गुरुग्राम वाटर सप्लाई चैनल की स्टेडिंग फाइनेंस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों से कहा कि इस सप्लाई चैनल की क्षमता को बढ़ाकर एक हजार क्यूसिक की जाए ताकि इसका लाभ ओर अधिक आबादी को अधिक समय तक मिलता रहे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि गुरुग्राम को 500 क्यूसिक पानी सप्लाई एनसीआर कैनाल से किया जाएगा। इस प्रकार गुरुग्राम को आगामी वर्षो में 1500 क्यूसिक पानी की सप्लाई होगी। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

ढाई साल में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मेवात क्षेत्र के लिए भी 389 क्यूसिक पेयजल का अलग से प्रावधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पेयजल सप्लाई प्रोजेक्ट का कार्य ढाई साल में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसकी लगातार मोनिटरिंग की जाए और इस कार्य को लक्ष्य से लगभग तीन माह पहले पूरा कर लिया जाए। गुरुग्राम की आबादी लगातार बढ़ रही है। पूरी आबादी को निर्बाध रूप से स्वच्छ पेयजल सुलभ करवाना हरियाणा सरकार का दायित्व एवं जिम्मेवारी है। अंडरग्राउंड बिछाई जाने वाली इस पेयजल पाइपलाइन पर सोलर पैनल लगाने का भी प्रविधान किया जाए ताकि सौर ऊर्जा से बिजली सुलभ हो सके। इसके अलावा गुरुग्राम वाटर सप्लाई चैनल से मिलने वाले पानी का उचित डिस्ट्रीब्यूशन सुनिश्चित करने के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने के लिए भी जगह का चयन कर लिया जाए ताकि उन पर जल्द कार्य शुरू करवाया जा सके।

मौत के 22 साल बाद फिर गूंज रहा वीरप्पन का नाम, चुनाव में बताया जा रहा 'रॉबिनहुड'

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के जंगलों में लंबे समय तक राज करने वाले चंदन तस्कर और डाकू वीरप्पन का नाम देश का बच्चा-बच्चा जानता है। इस बार होने वाले विधानसभा चुनाव में वीरप्पन की बड़ी बेटी विद्या देवी मेत्तूर सीट से चुनाव लड़ रही हैं। वहीं वीरप्पन की पत्नी मुतुलक्ष्मी कृष्णागिरि से तमिलागा वाजवुरिमाई काची की उम्मीदवार हैं। वीरप्पन की बेटी विद्यारानी (35 साल) नाम तमिलर काची पार्टी से मैदान में हैं। दोनों ही पार्टी 'तमिल राष्ट्रवाद' का समर्थन करने वाली हैं।

विद्यारानी 2024 में लोकसभा चुनाव में कृष्णागिरि से किस्मत आजमा चुकी हैं। विद्यारानी और उनकी मां दोनों ही वीरप्पन की रॉबिनहुड वाली छवि गढ़ने में जुट गई हैं। विद्यारानी ने कहा, अगर आज मेरे पिता जिंदा होते तो वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जरूर शामिल हुए होते। वीरप्पन की पत्नी मुतुलक्ष्मी 2006 में निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ चुकी हैं। दोनों का ही कहना है कि वीरप्पन खूंखार डाकू नहीं थे बल्कि उनकी छवि ऐसी गढ़ दी गई थी।

विद्यारानी ने कहा, वीरप्पन अत्याचार और अन्याय के खिलाफ ललड़ते थे। विद्यारानी की मेत्तूर की रैली में खूब भीड़ थी। एनटीके पार्टी चीफ सीमान ने भी विरप्पन की खूब तारीख की। उन्होंने कहा, रुज्ञ्ज्ञश्व चीफ प्रभाकरण हमारे अभियान के मुखिया थे। वहीं वीरप्पन हमारे जंगलों के अभिभावक के तौर पर काम करते थे। बता दें कि विद्यारानी ने 2020 में बीजेपी जॉइन की थी। 2024 में वह एनटीके में शामिल होगईं।

विद्यारानी ने कहा, उन्हें जनता के सामने किसी विरोध का सामना नहीं करना पड़ता है। बता दें कि विद्यारानी पेशे से वकील और ऐक्टिविस्ट हैं। वह आदिवासियों और दलितों के लिए काम करती हैं। विद्यारानी के पिता वीरप्पन 2004 में तमिलनाडु पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स के साथ मुठभेड़ में मारे गए थे। 2020 में जब विद्यारानी बीजेपी में शामिल हुईं तो उन्हें यूथ ब्रिगेट का उपाध्यक्ष बनाया गया। 2024 में वह अभिनेता और निर्देशक सीमान की पार्टी एनटीके में शामिल हो गईं। वीरप्पन का पूरा नाम कूज मुनिस्वामी वीरप्पन था। दुनिया के कुख्यात चंदन तस्करों में उसकी गिनती होती थी।

गाजियाबाद में बिना सूचना और सहमति के पोस्टपेड से प्रीपेड कर दिया बिजली मीटर, खातों में चढ़ा दिया गलत मोबाइल नंबर

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले में स्मार्ट मीटर व्यवस्था को पारदर्शी और उपभोक्ता–हितैषी बनाने के दावों के बीच अब उपभोक्ताओं की शिकायतें सामने आने लगी हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद विद्युत निगम ने बिना जानकारी दिए ही मीटरों को पोस्टपेड से प्रीपेड प्रणाली में बदल दिया। इससे उपभोक्ताओं को अचानक रिचार्ज व्यवस्था में जाना पड़ा और उन्हें स्थिति की जानकारी तक नहीं दी गई। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत जिले में अब तक लगभग 2.80 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इनमें से 2.30 लाख से अधिक कनेक्शन प्रीपेड प्रणाली में परिवर्तित कर दिए गए हैं। लेकिन उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें न तो इसकी पूर्व सूचना दी गई और न ही उनकी सहमति ली गई। उपभोक्ताओं का आरोप है कि मीटर लगाने के बाद विद्युत कर्मियों ने सिस्टम में अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर लिया। उसी नंबर पर आए ओटीपी के माध्यम से मीटर को प्रीपेड प्रणाली में सक्रिय कर दिया गया।

चार सौ मकानों के मालिकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं

गुरुग्राम के रिहायशी इलाकों में कमर्शियल गतिविधियों पर सख्ती, एचएसवीपी ने 425 मकानों को भेजे नोटिस

नया गुरुग्राम, एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम के रिहायशी सेक्टरों में तेजी से बढ़ रही व्यावसायिक गतिविधियों पर अब हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने कड़ा रुख अपनाया है। नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करते हुए विभाग ने करीब सवा चार सौ मकानों के मालिकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। साफ चेतावनी दी गई है कि यदि इन घरों में चल रही कमर्शियल गतिविधियां तुरंत बंद नहीं की गईं, तो न केवल आक्यूपशन सर्टिफिकेट (ओसी) रद होगा, बल्कि अलाटमेन्ट रद कर संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। एचएसवीपी द्वारा किए गए सर्वे में सेक्टर-4, 5, 7, 7 एक्सटेंशन,

9, 9ए, 10, 10ए, 12ए, 14, 15 (पार्ट-1 व 2), 17, 21, 22 और 23 में बड़े स्तर पर नियमों का उल्लंघन सामने आया। जांच में पाया गया कि करीब 425 मकानों में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं, जो रिहायशी उपयोग के नियमों के खिलाफ है। करीब 40 प्रतिशत मकानों में पीजी चल रहे हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत घरों में प्ले-स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा कई मकानों में प्रापर्टी डीलर के दफ्तर, क्लीनिक, ब्यूटी पार्लर, जिम और ट्यूशन सेंटर भी चल रहे हैं। इन गतिविधियों के चलते स्थानीय निवासियों को पार्किंग, शोर और भीड़ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सर्वे के आधार पर एचएसवीपी ने सभी संबंधित मकान मालिकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने या गतिविधियां बंद न करने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अड़चन दूर करने के लिए 20 अप्रैल को मंथन करेंगे बोर्ड के सदस्य

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सुरक्षा प्रोग्राम को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से स्वीकृति को लेकर पेंच अभी तक फंसा हुआ है। इस बीच यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. यापल के बोर्ड सदस्य 20 अप्रैल को एकत्र होकर नोएडा एयरपोर्ट का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान एयरपोर्ट सुरक्षा प्रोग्राम की स्वीकृति को लेकर आड़े आ रहे नियमों पर भी चर्चा होने की संभावना है। सुरक्षा प्रोग्राम को स्वीकृति के बाद ही नोएडा एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन कर चुके हैं, लेकिन विमान सेवा संचालन के लिए अभी तक तारीख घोषित नहीं हुई है। लोग इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण एवं संचालन के लिए ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी ने स्पेशल परपज व्हीकल कंपनी का गठन किया था। ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी के सदस्यों के अलावा यमुना प्राधिकरण के सीईओ व निदेशक नागरिक उड्डयन विभाग इस कंपनी के बोर्ड में निदेशक के तौर पर शामिल हैं। 20 अप्रैल को बोर्ड के सदस्य एयरपोर्ट के निरीक्षण के लिए आएंगे। इस दौरान एयरपोर्ट को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से सुरक्षा प्रोग्राम को स्वीकृति मिलने में आ रही अड़चन पर भी चर्चा होने की संभावना है।

देवरिया एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी निलंबित, वकील की मौत मामले में लापरवाही के आरोप

देवरिया, एजेंसी। यूपी में राज्य सरकार ने बरहज देवरिया के उप जिलाधिकारी विपिन कुमार द्विवेदी को निलंबित कर दिया है। तहसील बरहज के ग्राम लक्ष्मीपुर में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नाली व नलकूप की जमीन पर पक्की सड़क का निर्माण कराने और धक्का-मुक्की के कारण मृत्यु की घटना की प्रारंभिक जांच कराई गई थी। यह जांच अपर आयुक्त प्रशासन गोरखपुर पुलिस अधीक्षक नगर गोरखपुर और अपर जिलाधिकारी नगर गोरखपुर की तीन सदस्यीय कमेटी ने की थी।

समिति की रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण में लापरवाही के लिए प्रथमदृष्ट्या विपिन कुमार द्विवेदी को जिम्मेदार ठहराया गया है। उनके खिलाफ नियम-7 के तहत जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। प्रयागराज के कमिश्नर को जांच अधिकारी नामित किया गया है। विपिन कुमार द्विवेदी को राजस्व परिषद से संबंध कर दिया गया है।

तहसील बार के पूर्व अध्यक्ष को धमकाने का आरोप

देवरिया जिले के बरहज थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मीपुर में रविवार को चकनाली पर सड़क निर्माण के विवाद के दौरान दिल का दौरा पड़ने से अधिवक्ता संघ बरहज के पूर्व अध्यक्ष बृजेंद्र कुमार सिंह की मौत हो गई थी। परिजनों के आरोप थे कि एसडीएम बरहज ने विवाद के दौरान अधिवक्ता को धमकाया, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। घटना के बाद बरहज

तहसील में दर्जनों अधिवक्ता एकत्र हो गए और शव रख कर हंगामा किया था। कुछ लोगों ने एसडीएम को बंधक बनाकर नारेबाजी भी की थी। इस संबंध में एसडीएम विपिन द्विवेदी का कहना है कि वह विवाद सुलझा कर लौट आए थे उसके बाद अधिवक्ता का निधन हुआ। धमकाने का आरोप गलत है। जानकारी के अनुसार बरहज क्षेत्र की ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर में पंचायत द्वारा चकनाली पर सीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा है। रोड व चकनाली अधिवक्ता बृजेन्द्र सिंह के दरवाजे से होकर जाती है। चकनाली पर सड़क निर्माण का वह विरोध कर रहे थे। यह विवाद तीन माह से चल रहा है। उसी विवाद के समाधान के लिए उपजिलाधिकारी विपिन द्विवेदी राजस्व टीम के साथ मौके पर गए थे। वहां पर विवाद होने लगा। उसी दौरान बृजेन्द्र कुमार सिंह को दौरा पड़ गया और उनकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक एसडीएम ने अधिवक्ता और उनके बेटों पर गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर 20 साल के लिए जेल भेजने की धमकी दी थी। एसडीएम की बात सुनते ही बृजेन्द्र सिंह नीचे गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बता दें कि उनके परिवार और अधिवक्ताओं ने जमकर हंगामा किया था। अधिवक्ता मुख्यमंत्री को मौके पर बुलाने के साथ ही एसडीएम, लेखपाल और ग्राम प्रधान पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे थे। उसी दौरान हिंदूवादी नेता प्रमोद सिंह के नेतृत्व में भीड़ ने एसडीएम रुद्रपुर को बंधक बनाया था। 15 मिनट की मशक्कत के बाद सीओ रुद्रपुर ने भीड़ से एसडीएम को छुड़ाया था।

प्रस्तावित परिसीमन 'असंवैधानिक', महिला आरक्षण पर कांग्रेस को क्यों ऐतराज; अगले हफ्ते बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने के साथ प्रस्तावित परिसीमन की कवायद को असंवैधानिक करार देते दिया। साथ ही कहाकि इसके गंभीर परिणाम होंगे और ऐसे में वर्तमान विधानसभा चुनावों के संपन्न होने के बाद परिसीमन के मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श की जरूरत है।

कांग्रेस ने महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने के साथ प्रस्तावित परिसीमन की कवायद को असंवैधानिक करार देते दिया। साथ ही कहाकि इसके गंभीर परिणाम होंगे और ऐसे में वर्तमान विधानसभा चुनावों के संपन्न होने के बाद परिसीमन के मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श की जरूरत है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अगले हफ्ते संसद की तीन दिवसीय बैठक से पहले विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक बुलाएंगे। इसमें महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन और परिसीमन के मुद्दे पर आगे की रणनीति तय की जाएगी। यह बैठक संभवतः 15 अप्रैल को होगी। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में इन विषयों और पश्चिम एशिया संकट पर मंथन किया गया।

मुख्य विपक्षी दल ने यह स्पष्ट किया कि वह महिला आरक्षण को लागू करने के समर्थन में है। लेकिन परिसीमन के तहत लोकसभा की सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की समानुपातिक वृद्धि के खिलाफ है क्योंकि इससे दक्षिण भारत के प्रदेशों और छोटे राज्यों का नुकसान होगा। बैठक में खरगे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कई नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार विधानसभा चुनावों के बीच राजनीतिक लाभ लेने के लिए आनन-फानन में यह कदम उठा रही है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहाकि परिसीमन के तहत लोकसभा की सीटों में 50

प्रतिशत की समानुपातिक वृद्धि से दक्षिण भारत राज्यों का नुकसान होगा। सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण कानून में संशोधन करने और लोकसभा सीट की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने के लिए एक विधेयक लाने वाली है, जिसमें 273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। संसद की तीन दिवसीय बैठक 16, 17 और 18 अप्रैल को होगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को उन मसौदा विधेयकों को मंजूरी दी थी, जिनका उद्देश्य 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन करना और लोकसभा सीट की संख्या बढ़ाना है। कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में आयोजित बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, जयराम रमेश और कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस बैठक में शामिल हुईं। महिला आरक्षण कानून में संशोधन करने के लिए संसद की तीन दिवसीय बैठक बुलाई है, जो आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्होंने कहाकि लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत के अनुपात में वृद्धि को लेकर जिस परिसीमन की बात हो रही है, उसके गंभीर परिणाम होंगे, ऐसे में परिसीमन को लेकर गहन विचार-विमर्श की जरूरत है। खरगे ने निर्वाचन आयोग पर गृह मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय की तरह काम काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहाकि उससे यह उम्मीद करना बेमानी है कि वह आचार संहिता के उल्लंघन के इस मामले पर गौर करेगा। खरगे ने कहाकि हमने और विपक्षी दलों के सदन के नेताओं ने संसदीय कार्य मंत्री को तीन बार लिख कर कहा था कि 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए मतदान के आखिरी दिन के बाद सरकार सर्वदलीय बैठक बुलाए और गंभीरता से चर्चा की जाय।

टेंशन में हैं... जब से भाजपा की सरकार आई लोग बीयर ही पी रहे: अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी। वाराणसी में गंगा नदी पर नाव में बीयर पार्टी करने की घटना पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि ये कोई नई बात है क्या? जब से भाजपा की सरकार आई है। तब से लोग बीयर ही पी रहे हैं। टेंशन में है, परेशानी में है। दरअसल पत्रकारों ने सपा अध्यक्ष से पूछा था कि वाराणसी में गंगा पर बीयर पार्टी को लेकर सवाल किया था। जिसका जवाब देते हुए अखिलेश ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जब से बीजेपी की सरकार आई है, तब से बीयर ही पी रहे लोग। टेंशन में है, परेशानी में हैं। तो अपनी परेशानी दूर करने के लिए गांजा ले कर हैं। क्या करें मजबूरी है उनकी।

आपको बता दें कुछ दिन पहले वाराणसी में नाव पर बीयर पार्टी का वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें गंगा में कई सारी नाव दिख रही हैं। एक नाव पर लोगों ने डीजे भी लगा रखा था, जिस पर गाने पर बजाए जा रहे था। इसके अलावा नाव पर बैठकर कुछ लोग बीयर पार्टी भी करते नजर आ रहे थे। बताया गया कि अष्टमी के दिन हर वर्ष की भांति नाविकों द्वारा अदलपुरा स्थित शीतला धाम में बधावा ले जाया जाता है। नाविक समाज के लोग धूमधाम से नाव और बज़रे पर सवार होकर जाते हैं। वीडियो भी इसी दौरान का बताया जा रहा है।मां गंगा निषादराज सेवा न्यास की ओर से कहा गया है कि यह मामला निंदनीय है। माझी समाज इस कृत्य के विरुद्ध है। इससे पहले वाराणसी में ही गंगा नदी पर बोट में इफ्तार पार्टी का वीडियो वायरल हुआ था। पार्टी में आयोजकों ने रोजेदारों को फल और मेवे के साथ चिकन बिरयानी भी परोसी थी। साथ ही इफ्तार पार्टी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। जल्द ही वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने लगा। वीडियो में चिकन बिरयानी की बात सामने आते ही भाजपा और हिंदूवादी संगठन भड़क गए। भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया। इसके 8 घंटे के भीतर पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

देशभर में बम धमकियों का सिलसिला, सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती

सरकार और प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा, क्योंकि यह केवल दहशत फैलाने का मामला नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी सवाल है। देश भर में शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों, सरकारी भवनों और अन्य सार्वजनिक स्थलों को बम से निशाना बनाने की झूठी धमकियों का बढ़ता सिलसिला सुरक्षा की लिहाज से चुनौती बन गया है। देश की राजधानी दिल्ली में 9 अप्रैल गुरुवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब दिल्ली विधानसभा, सचिवालय और कुछ स्कूलों को बम से उड़ाने वाला एक धमकी भरा ईमेल मिला। ई-मेल या फिर सोशल मीडिया के जरिए इस तरह की धमकियां दी जाती हैं, जिससे न केवल लोगों में दहशत फैलती है, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों का कीमती समय और संसाधन भी बर्बाद होते हैं।बीते सोमवार को चंडीगढ़ के कई स्कूलों और सरकारी इमारतों को बम से उड़ाने की धमकियां ई-मेल पर दी गईं, हालांकि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। संभवत- धमकी देने वालों का मकसद महज दहशत फैलाना ही रहा होगा। मगर सवाल है कि आखिर इस तरह की घटनाओं पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? क्या सुरक्षा एजेंसियां धमकी देने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने में तकनीकी रूप से सक्षम नहीं हैं?ये प्रश्न इसलिए महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं, क्योंकि इस तरह के ज्यादातर मामलों में पुलिस या अन्य जांच एजेंसियां अपराधियों तक पहुंच ही नहीं पाती हैं। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में बम की झूठी धमकियां देने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं।मई, 2024 में दिल्ली-एनसीआर में एक ही दिन में करीब ढाई सौ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी से पुलिस के हाथ-पांव फूल गए थे। हालांकि, इस तरह की तमाम धमकियां झूठी साबित हुईं, लेकिन इससे जहां दहशत का माहौल पैदा हो जाता है, वहीं जांच एजेंसियों के सामने कई चुनौतियां पैदा हो जाती हैं।ऐसे मामलों में अब तक की जांच में सामने आया है कि धमकी भरे ज्यादातर ई-मेल वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिए विदेशी आईपी पते से भेजे जाते हैं। मगर आज डिजिटल तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है कि इसके जरिए दुनिया के किसी भी कोने में छिपे अपराधी को खोजा या पकड़ा जा सकता है।

अपराध के पांव! कम उम्र के बच्चों में हिंसा की प्रवृति बेहद खतरनाक

अगर कुछ किशोर आपराधिक वारदात को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं, तो कानून व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार लोग क्या कर रहे हैं?मामूली बातों के लिए किसी की हत्या कानून व्यवस्था से जुड़ा मसला जरूर है, लेकिन इसका समाजशास्त्रीय पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज किया जाता रहा है। आजकल मामूली बातों पर विवाद जिस तरह हिंसक मोड़ ले रहे हैं, वह चिंता का विषय है।लोग अब छोटी-छोटी बातों पर अपना आपा खो देते हैं। ऐसी घटनाओं का अंत कई बार किसी की हत्या तक के रूप में सामने आता है। इस तरह के मामलों में नाबालिगों के भी शामिल पाए जाने से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।देश की राजधानी होने के बावजूद कानून और सामाजिक विकास के मोर्चे पर नाकामी की वजह से आपराधिक घटनाओं में नाबालिगों की बढ़ती संलिप्तता के पीछे किसकी कमजोरी मानी जाएगी?पिछले दिनों उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में महज चार सौ रुपये के लेनदेन के विवाद में युवक की हत्या समाज की दशा और दिशा की एक तकलीफदेह तस्वीर सामने रख देती है। इस मामले में तीन नाबालिगों पर आरोप है कि वे घटनास्थल पर युवक को चाकू मारते रहे, जबकि चौथा इस घटना का वीडियो बनाता रहा। साफ है कि आरोपियों के मन में कानून का कोई खौफ नहीं था।इससे पहले भी दिल्ली में हुई कई वारदात में नाबालिग शामिल पाए गए हैं। देश की राजधानी में अपराध की यह तस्वीर कैसे और क्यों बन रही है, यह चिंता सरकार की प्राथमिकता में कहीं नहीं दिखती। इसकी फिक्र भी किसी को नहीं है कि कम उम्र के किशोरों के हाथों में घातक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। हाल के वर्षों में कम उम्र के बच्चों के बीच भी हिंसा की प्रवृत्ति जिस तरह बढ़ी है, यह समाज के लिए बेहद खतरनाक है।नशे की लत का शिकार होने के बाद कई नाबालिग इस समय अपराध के दलदल में धंसते दिख रहे हैं।

यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी।

महिला आरक्षण विधेयक भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है

(पीएम नरेंद्र मोदी)

इक्कीसवीं सदी की विकास यात्रा में भारत एक महत्त्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी और देश की संसद को एक महत्त्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को और ज्यादा व्यापक एवं अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा तथा विधानसभाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है, जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग-अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं और ओड़ीशा में महाबिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरल में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनिया भर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं यह कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की है। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्त्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्त्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। विज्ञान एवं तकनीक से लेकर उद्यमशीलता तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र तक महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है। मगर ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। लोकतंत्र को ज्यादा संवेदनशील और संतुलित बनाने का प्रयास इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और दृष्टिकोण बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, शासन की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को ज्यादा संवेदनशील और संतुलित बनाने का प्रयास है। पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसविदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो। अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। अगर अब भी हम इसे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और उसे भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट का विषय है। हमें मिल कर इस कदम के महत्त्व को समझना है और एकजुट होकर इसे साकार करना है। यही नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्टीय हित को ध्यान में रख कर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी बनाने की क्षमता में होती है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारी शक्ति के लिए इस महत्त्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं।

संघर्ष की भट्टी में तपकर ही कुंदन बनता है जीवन

(दीपिका शर्मा)

धरती पर जीवन अगर बिना चुनौतियों के होता, तो क्या हर कोई सच में खुश होता? शायद नहीं। दरअसल, किसी लक्ष्य को पाने के बाद जो संतोष मिलता है, वह केवल परिणाम से नहीं, बल्कि उस तक पहुंचने की यात्रा से जन्म लेता है। असफलता के बाद खुद को तराशने का जो अवसर मिलता है और फिर सफलता के साथ जो अनुभूति होती है, वही जीवन को सार्थक बनाती है। अगर ये संघर्ष और ठोकरें न हों, तो जीवन नीरस, अधूरा और लक्ष्यहीन हो जाए। आज रफ्तार में तेजी का समय है, जहां हर कोई जल्दी से जल्दी सब कुछ पाना चाहता है। चाहे बात करिअर की हो या रिश्तों की, धैर्य और निरंतर प्रयास की जगह अधीरता तथा त्वरित परिणामों की चाह ने ले ली है। विशेष रूप से नई पीढ़ी के सामने एक ऐसी दुनिया है, जहां हर प्रश्न का उत्तर एक 'क्लिक' पर उपलब्ध है। विद्यार्थी जब किसी प्रश्न में अटकते हैं, तो तुरंत कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ या इंटरनेट का सहारा ले लेते हैं। धीरे-धीरे यह सुविधा एक आदत बनती जा रही है- चुनौतियों से बचने की आदत। यह आदत देखने में आसान जरूर लगती है, लेकिन इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। जब हम हर कठिनाई से बचने लगते हैं, तो हमारा मस्तिष्क भी कम सक्रिय होता जाता है। सोचने, समझने और समस्या-समाधान की क्षमता कमजोर पड़ने लगती है। इसके साथ ही, तुरंत पाने की तीव्र इच्छा भी बढ़ती जाती है, जो संतोष को कम और असंतोष को अधिक बढ़ाती है। असफलता जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन आज की पीढ़ी के लिए उसे स्वीकार करना और समझना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। जब हम बिना प्रयास के सब कुछ पाने के आदी हो जाते हैं, तो छोटी-सी असफलता भी हमें तोड़ देती है। जबकि सच्चाई यह है कि असफलता ही हमें अपने भीतर झांकने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर देती है। एक प्रसिद्ध कहावत है- 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।' यानी निरंतर अभ्यास से एक साधारण व्यक्ति भी बुद्धिमान बन सकता है। अगर अभ्यास के स्थान पर केवल 'एक क्लिक' रह जाए, तो यह विकास संभव नहीं है। ज्ञान केवल जानकारी से नहीं, बल्कि अनुभव और प्रयास से आता है। जीवन का अर्थ यह नहीं कि सब कुछ आसानी से मिल जाए। वह जीवन ही क्या, जो चुनौतियों और संघर्षों से वंचित हो! असली सुंदरता इन्हीं उतार-चढ़ावों में छिपी होती है। चुनौतियां न केवल हमारे धैर्य की परीक्षा लेती हैं, बल्कि हमारे भीतर छिपी क्षमताओं को भी उजागर करती हैं। जिन क्षमताओं से हम अनजान रहते हैं, उनसे हमें यही चुनौतियां परिचित कराती हैं। जब हम किसी कठिन परिस्थिति से जूझते हैं, तब हमारे भीतर का साहस, विवेक और आत्मबल सक्रिय होता है। यही संघर्ष हमें मानसिक, भावनात्मक और आत्मिक रूप से परिपक्व बनाता है। जैसे हीरा तराशे जाने के बाद ही चमकता है, उसी प्रकार चुनौतियां हमारे व्यक्तित्व को निखारती हैं और हमें दमकने का अवसर देती हैं। इसलिए चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें एक अवसर के रूप में स्वीकार करना चाहिए। प्रत्येक संघर्ष हमें कुछ सिखाता है और सफलता की ओर एक कदम आगे बढ़ाता है। यही मार्ग हमें एक बेहतर, सशक्त और प्रेरणादायी व्यक्ति बनाता है। करिअर के क्षेत्र में भी यही बात लागू होती है। सफलता रातोरात नहीं मिलती। उसके पीछे निरंतर मेहनत, धैर्य और संघर्ष छिपा होता है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6059

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6058

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

वर्ग पहेली 6059

1	2	3		4	■	5	6
7			■	8			
	■	9	10		■	11	
12	13	■		■	14	■	
■		■		■	15		
16	■	■	17	18		■	■
19	20		■	21			22
		■	24			■	

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत के भूतपूव्र प्रधानमंत्री जिनका जन्म दिवस 20 अगस्त 1944 है (5)
5. बेबाक, चुकता किया हुआ (2)
7. यत्न का अपभ्रंश (3)
8. इस्लामी नवां महीना जिसमें मुस्लिम दिन भर रोजा रखते है (4)
9. अवाम, पब्लिक, सर्वसाधारण (3)
11. नया, नवीन, नूतन (2)
12. एक प्रकार के देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)
15. इज्जत, प्रतिष्ठा, इस्मत (3)
17. काव्यमर्मज्ञ, रसपान रकने वाला (3)
19. समेत, संग-संग, समाविष्ठ, संयुक्त (3)
21. गंधा बिरोजा, पायस, लक्ष्मीवेस्ट (4)
23. दार्शनिक प्रणाली, वोट, राय (2)
24. पानी के साथ निचोड़ना या घिसना, गलाना (3)

ऊपर से नीचे

1. शासकीय, राज्यीय (4)
2. फतह, विजय, यह फिल्म करीना कपूर की अभिनेत्री मां की अंतिम फिल्म थी 1972)(2)
3. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
4. धैर्य, धीरज, ढ़ाढस (3)
5. नमाज की सूचना के शब्द जो जोर से पुकारे जाते है (3)
6. दानवों के गुरू होने के कारण शुक्राचार्य को य हभ्झी कहते थे (5)
10. नव या नया अभ्युदल काल, आरंभिक बढ़ती का समय (4)
13. हानि, नुकसान, हर्जाना (2)
14. प्रार्थना करना (5)
16. भारत के इस राज्य का प्राचीन नाम प्राग ज्योतिषपुर था (3)
18. रविशंकर नाम इस वाद्य के साथ जुडा है (3)
20. भलाई, उपकार, कल्याण (2)
22. कोई तमाशा, करतब आदि दिखाकर आजीविका चलाने वाला, डिबरी, बाजीगर (2)

वर्ग पहेली 6058 का हल

अ	फ	गा	नि	स्ता	न	■	खा
म	ल	ना	■	व	र	दा	ता
ज	न	■	र	क	म	■	■
द	■	त	म	■	पं	च	म
अ	क	रा	■	सा	थी	■	ह
ली	ल	ना	■	र	■	त	त्व
खां	■	■	■	ना	या	ब	■
■	■	श	प	थ	■	ला	भ

आज का राशिफल

मेष
आज आपकी मुलाकात किसी पुराने मित्र से हो सकती है, जिसके साथ मिलकर तरक्की के कई मौके मिल सकते हैं। अविवाहित जातक अपने लिए कोई अच्छा साथी ढूंढ सकते हैं, इससे उनका मन काफी प्रसन्न रहेगा। बिजनस करने वाले लोगो कोई बड़ा ओर्डर मिल सकता है।अगर आपने किसी से पैसा उधार लिया है तो वह व्यक्ति आप पर पैसा वापस करने का दबाव बना सकता है।

वृष
आज आप जो भी हासिल करना चाहते हैं, वह हासिल कर लेंगे, बस कड़ी मेहनत करते रहें। परिवार वालों का व्यवहार आपके प्रति काफी अच्छा रहेगा, जिससे आपके घर में शांति का माहौल रहेगा। लव पार्टनर के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं और पार्टनर से अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं। नौकरी पेशा जातक आज अधिकारियों से वेतन वृद्धि को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

मिथुन
आज स्वास्थ्य की बात करें तो आपकी सेहत बिल्कुल फिट रहेगी। यदि आप सामाजिक कार्य करते हैं तो लोग आपके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करेंगे, जिससे आपका सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा की योजना बना सकते हैं।

तुला
आज अविवाहित लोगों की बात करें तो उपयुक्त जीवनसाथी ढूंढने में आपको अधिक समय लग सकता है, इसके लिए आपको थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। विद्यार्थियों की बात करें तो आज का दिन उनके लिए अच्छा रहेगा, वह मन लगाकर पढ़ाई करेंगे। अगर आप किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं।

वृश्चिक
आज अगर आपका कोई काम लंबे समय से रुका हुआ है तो वह रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है, जिससे आपको काफी खुशी मिलेगी। यदि धन, व्यापार या संपत्ति से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका हुआ था तो वह मामला भी आज सुलझ सकता है। आप अपने घर में किसी तरह के धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं, जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

धनु
आज यदि आप बिजनस में कोई बड़ा निवेश करना चाहते हैं तो आज कर सकते हैं, आपको इससे लाभ मिलेगा। आज आपका कारोबार बहुत अच्छा चलेगा और छोटे कारोबारियों को भी बड़ा फायदा हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा, आप करियर में तरक्की कर सकते हैं। वाहन चलाते समय थोड़ा सावधान रहें अन्यथा आपको चोट लग सकती है।

कर्क
आज धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा और किसी निवेश से अच्छा लाभ होने के योग बन रहे हैं। शादीशुदा जातकों के जीवन में ढेर सारी खुशियां आएंगी, आप जीवनसाथी के साथ बेहद खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे। आपका व्यापार खूब आगे बढ़ेगा,बच्चों के साथ कहीं बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं और आपके बच्चे वहां जाकर बहुत खुश होंगे।

सिंह
व्यापार से जुड़े लोगों की बात करें तो व्यापार में बड़ा मुनाफा मिल सकता है। आपको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है, जिसे पूरा करने में काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए, अधिक मेहनत करने के कारण आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा।

कन्या
आज अगर आपको किसी को पैसा उधार देना है तो बिना सोचे-समझे किसी को पैसा उधार ना देंना, अन्यथा धन वापस लेने में परेशानी हो सकती है। आपको बच्चों का पूरा सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी भी आपका पूरा सहयोग करेगा। विद्यार्थी अपना काम समय पर पूरा करेंगे और भविष्य के करियर के बारे में भी थोड़ा सोचेंगे। दोस्तों को कोई भी गुप्त बातें बताने से बचें अन्यथा मानहानि की आशंका बन रही है।

मकर
आज अगर कोई महत्वपूर्ण काम लंबे समय से रुका हुआ था तो आज आपका काम समय पर पूरा हो जाएगा। नौकरी पेशा जातक आज किसी दूसरी कंपनी में इंटरव्यू के लिए जा सकते हैं। आज आप जो भी काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी और सुख सुविधा व सम्मान में अच्छी वृद्धि होगी। जीवनसाथी के साथ बेहद खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे और आपके परिवार में खूब खुशियां आएंगी।

कुंभ
नौकरी पेशा जातकों को आज अधिकारियों की तरफ से अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। लव पार्टनर के साथ जीवन का आनंद उठाएंगे और उनके साथ कहीं बाहर भी जा सकते हैं। यदि आप आज किसी मंदिर या किसी धार्मिक स्थान पर जाकर गरीबों की मदद करेंगे तो आपको बहुत पुण्य मिलेगा, जिससे आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। यदि आप अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए किसी साझेदार या मित्र की सहायता चाहते हैं।

मीन
आज किसी को कुछ भी गलत ना कहें, अन्यथा आपकी बातें सामने वाले को बुरी लग सकती हैं और आप किसी को ठेस भी पहुंचा सकते हैं। शेयर बाजार में पैसा लगाना चाहते हैं तो थोड़ा सोच-विचार कर ही पैसा लगाएं, अन्यथा आपको नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। अगर आज कोई आपसे पैसा उधार मांगता है तो आपको किसी को भी पैसा उधार नहीं देना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

‘द मास्टर्स’ गोल्फ; 92 साल पुराने टूर्नामेंट में रोचक परंपराएं

● मोबाइल बैन इसलिए फील्ड पर लैंडलाइन, विजेता तय करता है डिनर का मेन्यू

ऑगस्टा (एजेंसी)। गोल्फ की दुनिया में ‘द मास्टर्स’ का स्थान चारों मेजर टूर्नामेंट में सबसे ऊपर माना जाता है। इस साल प्रतिष्ठित मेजर चैम्पियन ?शिप का 90वां संस्करण खेला जा रहा है। ऑगस्टा नेशनल गोल्फ क्लब के हरे-भरे और शानदार मैदानों पर यह केवल एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि परंपराओं और इतिहास का महाकुंभ है।मास्टर्स टूर्नामेंट की स्थापना वर्ष 1934 में गोल्फ के दिग्गज एमेच्योर चैम्पियन बॉबी जोन्स और निवेश बैंकर क्लिफर्ड रॉबर्ट्स ने की थी। मैदान के इतिहास (एक पूर्व नर्सरी) का सम्मान करते हुए, कोर्स के हर होल का नाम किसी न किसी पेड़ या झाड़ी के नाम पर रखा गया है। मास्टर्स की सबसे बड़ी पहचान ‘ग्रीन जैकेट’ की शुरुआत 1937 में हुई थी। शुरुआत में इसे क्लब के सदस्यों के लिए पेश किया गया था ताकि वे अलग दिख सकें, लेकिन बाद में इसे विजेताओं को दिया जाने लगा। क्लिफर्ड रॉबर्ट्स द्वारा 1940 के दशक में शुरू की गई एक परंपरा के तहत, मास्टर्स में कैडी (खिलाड़ी का बैग उठाने वाले) हमेशा सफेद जंपसूट (ओवरऑल) और हरी टोपी पहनते हैं। ड्वाइट आइजनहावर ऑगस्टा नेशनल के सदस्य बनने वाले एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। उनके लिए केबिन बनाया गया था, जिसकी डिजाइन में सीक्रेट सर्विस की भी भूमिका थी। टूर्नामेंट का सबसे कड़ा नियम यह है कि मैदान पर सेल फोन या मोबाइल उपकरणों पर प्रतिबंध है। यदि कोई फोन के साथ पकड़ा जाता है, तो उसे तुरंत बाहर निकाल दिया जाता है और उस पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया जाता है। मोबाइल न होने की भरपाई के लिए, पूरे कोर्स में पुराने जमाने के काले लैंडलाइन फोन लगाए गए हैं, जहां से मुफ्त कॉल कर सकते हैं। प्रवेश के लिए आवश्यक आधिकारिक टिकट को ‘बैज’ कहा जाता है। ये बैज इतने मूल्यवान होते हैं कि लोग इन्हें पीढ़ियों तक सहेज कर रखते हैं। बैज पाने का तरीका ‘मास्टर्स लॉटरी’ है। हर साल अनुमानित रूप से 20 लाख से अधिक लोग इसके लिए आवेदन करते हैं और जीतने की संभावना 1 प्रतिशत से भी कम होती है। ट्रॉफी रूम में मास्टर्स चैम्पियन जीत की रात क्लब के सदस्यों के साथ डिनर करता है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले मंगलवार को एक विशेष डिनर आयोजित किया जाता है। इसमें केवल मास्टर्स विजेताओं (वर्तमान में 35 जीवित हैं) को आमंत्रित किया जाता है। डिनर का मेन्यू पिछले साल का विजेता तय करता है। मास्टर्स जीतने वाले खिलाड़ी को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आजीवन निमंत्रण मिलता है।

ऑटोग्राफ का भी खास नियम; कोर्स की सूखी जगह पर हरे रंग से पेंट

यदि किसी फैन ने मास्टर्स के लोगो वाले झंडे पर ऑटोग्राफ मांगा है, तो एक दिलचस्प नियम लागू होता है। जिन खिलाड़ियों ने मास्टर्स जीता है, वे झंडे पर बने अमेरिका के नक्शे के अंदर हस्ताक्षर करते हैं, जबकि अन्य खिलाड़ियों को नक्शे के बाहर हस्ताक्षर करने होते हैं। मैदान को टीवी पर बिल्कुल परफेक्ट और हरा-भरा दिखाने के लिए कोर्स पर किसी भी सूखे या खाली स्थान को हरे रंग से पेंट कर दिया जाता है। विजेता ट्रॉफी चांदी के 900 टुकड़े जोड़कर बनाई है।

सीएसके पर उठे सवालों के बीच फ्लेमिंग का बड़ा बयान

बोले- ‘हमें और मेहनत करनी होगी’

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के खराब प्रदर्शन के बीच हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने टीम पर हो रही आलोचना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने माना कि मौजूदा हालात में आलोचना जायज है और टीम को बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

‘आलोचना सही है, हमें आगे बढ़ना होगा - फ्लेमिंग ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ‘देखिए, यह एक अच्छा संकेत है कि हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मैं और टीम पूरी तरह से स्थिति से वाकिफ हैं और आलोचना भी सही है। हमें बस और मेहनत करनी है और आगे बढ़ने का रास्ता खोजना है।’

टीम संयोजन पर दिया जोर - फ्लेमिंग ने कहा कि टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल बनाना है। उनका मानना है कि अगर टीम छोटी-छोटी गलतियों को सुधार ले, तो करीबी हार को जीत में बदला जा सकता है।

मुश्किल शुरुआत से जूझ रही सीएसके - आईपीएल 2026 में सीएसके की शुरुआत बेहद खराब रही है। गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनका आत्मविश्वास प्रभावित हुआ।

घर में भी नहीं मिली राहत - चेपॉक में वापसी के बाद भी टीम का प्रदर्शन नहीं सुधरा। पंजाब किंग्स के खिलाफ सीएसके को 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी, जबकि आरसीबी के खिलाफ भी 43 रन से हार का सामना करना पड़ा।

वैभव की एक और तूफानी पारी

राजस्थान ने आरसीबी को हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की

नईदिल्ली(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 16वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से हराकर इस सीजन अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की. 202 रनों के लक्ष्य को राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी के 26 गेंद में 78 और ध्रुव जुरेल के 43 गेंद में 81 रनों की नाबाद पारी की बदौलत 12 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया. जडेजा भी 25 गेंद में 24 रन बनाकर नाबाद रहे।

वैभव-जुरेल की धमाकेधार बल्लेबाजी- वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर तूफानी पारी खेलकर सबका दिल जीत लिया. उन्होंने 15 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की, और मैच में 26 गेंद में 78 रन बनाकर आउट हुए. जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल हैं. वहीं ध्रुव जुरेल 43 गेंद में 81 रन बनाकर नाबाद रहे.

वैभव सूर्यवंशी ने भुवनेश्वर, हेजलवुड और बुमराह का सामना करने पर बोला मैं गेंद खेलता हूँ न कि गेंदबाजों को

वैभव सूर्यवंशी ने आरसीबी के खिलाफ एक और मैच जिताऊ पारी खेलकर सबका दिल जीत लिया. उन्होंने 26 गेंदों में 78 रन बनाए. जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इस दौरान वैभव ने स्विंग के किंग भुवनेश्वर कुमार और ऑस्ट्रेलिया के नंबर वन गेंदबाज जोश हेजलवुड के छक्के छुड़ा दिए।वैभव ने इस मैच में भी बेहद निडरता से खेला. उन्होंने सबसे पहले भुवनेश्वर कुमार की गेंदों पर लगातार बाउंड्री लगाई, और फिर जोश हेजलवुड के ओवर में 19 रन बनाकर उन पर भी जोरदार हमला किया. इससे पहले वौभव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में भारत के नंबर वन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में दो छक्के जड़कर सबको हैरान कर दिया था.। ’सर मैं गेंद को खेलने की कोशिश करता हू, गेंदबाज को नहीं’ 78 रनों की शानदार पारी की वजह से वैभव को प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. मैच के बाद प्रेजेंटेशन में जब उनसे ये सवाल पूछा गया कि, क्या आप को बुमराह, भुवनेश्वर और हेजलवुड जैसे गेंदबाजों से डर नहीं लगता? तो वैभव ने अपने जवाब में कहा, ‘ सर मैं गेंद को खेलने की कोशिश करता हू, गेंदबाज को नहीं.’ मैच के बाद सूर्यवंशी ने कहा, ‘मैं बस अपनी ताकत पर भरोसा करने और अभ्यास में जो किया है, उसे ही मैदान पर उतारने की कोशिश करता हू.

आउट होने पर निराश क्यों होते हो?

वैभव ने आगे कहा, ‘मेरे पिता मुझे लगातार मार्गदर्शन देते रहते हैं. यहां मेरे अभिभावक रोमी सर हैं. वे मुझे हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि यह सफर बहुत लंबा है. इसलिए, मुझे सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देना है, किसी और चीज पर नहीं.’78 रन बनाने के बावजूद आउट होने के बाद सूर्यवंशी थोड़े निराश दिखे.

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- वैशाली ड्रॉ के साथ टॉप पर पहुंचीं

● दिव्या देशमुख और प्रज्ञानानंदा हारे; टूर्नामेंट के 4 राउंड बाकी

● गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे।5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने एफआईडीई चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विमेंस कैटेगरी के 10वें राउंड में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक के खिलाफ ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ से मिले आधे पॉइंट्स के साथ वैशाली टॉप पर पहुंच गईं। दूसरी ओर, भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। ओपन कैटेगरी में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को उज्बेक के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा इस हार के बाद 7वें नंबर पर खिसक गए। टूर्नामेंट साइप्रस के पाफोस में खेला जा रहा है। अभी चार राउंड बाकी हैं।

टॉप-6 खिलाड़ियों के बीच 1 अंक का अंतर- 10वें राउंड में वैशाली को खास परेशानी नहीं हुई और खेल बिना उतार-चढ़ाव के ड्रॉ रहा। झू जिनेर को बिबिसारा असाउबायेवा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे वैशाली को बढ़त मिली। टूर्नामेंट बेहद रोमांचक बना हुआ है। टॉप-6 खिलाड़ियों के बीच 1 पॉइंट का अंतर है।

चेस में ‘चीटिंग’ का सस्पेंस

हार से बौखलाए कार्लसन 19 साल के नीमन से भिड़ने पहुंच गए थे

चेन्नई (एजेंसी)। शतरंज की बिसात पर मोहरे अक्सर गहरी खामोशी व एकाग्रता के साथ चले जाते हैं। लेकिन 2022 में एक ऐसी चाल चली गई, जिसने कोहराम मचा दिया। वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर हंस नीमन पर चीटिंग का आरोप लगाया था।

यह शतरंज के इतिहास का सबसे बड़ा, गंभीर और चर्चित विवाद बन गया। अब चार साल बाद, नेटफ्लिक्स की नई डॉक्यूमेंट्री ‘अनटोल्डः चेस मेट्स’ ने इस विवाद को फिर से कुरेदा है। 74 मिनट की डॉक्यूमेंट्री में कई ऐसे छिपे हुए पहलुओं को सामने लाने की कोशिश की गई है, जो दबे थे।

डॉक्यूमेंट्री में मैग्नस कार्लसन के पिता हेनरिक कार्लसन ने एक बेहद चौंकाने वाला किस्सा साझा किया है। अमेरिका में चल रहे प्रतिष्ठित सिंकफील्ड कप में जब नीमन ने कार्लसन को हराया, तो वह कार्लसन की लगातार दूसरे टूर्नामेंट में नीमन के हाथों हार थी। इस हार के बाद कार्लसन इस कदर गुस्से और हताशा में थे कि वे सीधे नीमन के होटल के कमरे का दरवाजा खटखटाना चाहते थे। हेनरिक बताते हैं, ‘मैग्नस उस रात नीमन के कमरे में जाकर उससे सीधे पूछना चाहते थे कि आखिर यह सब क्या चल रहा है? तुम मुझे कैसे हरा रहे हो?’ नीमन रैंकिंग और खेल कौशल में कार्लसन से काफी नीचे थे। इसके बावजूद वे बिना कोई खास मेहनत के, बिल्कुल सहजता से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को मात दे रहे थे। पिता के समझाने पर कार्लसन नीमन के कमरे तक नहीं गए, लेकिन उन्होंने शतरंज के सबसे बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ‘चेस डॉट कॉम’ का रुख किया। इस हाई-प्रोफाइल मामले में यह प्लेटफॉर्म ही मुख्य गवाह था, जिसने सबसे पहले इशारा किया कि नीमन ने अतीत में बेईमानी की है।

कार्लसन टूर्नामेंट से हट गए और चेस डॉट कॉम ने तत्काल नीमन को बैन कर दिया। इतना ही नहीं, प्लेटफॉर्म के सीईओ एरिक एलेबेस्ट ने जांच शुरू कर दी। अंततः इसी प्लेटफॉर्म ने 72 पन्नों की एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की, जिसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया कि नीमन के खिलाफ ‘आमने-सामने बैठकर खेले गए’ मैच में बेईमानी का कोई सुराग या प्रमाण नहीं मिला है।

नीमन ने स्वीकारी चीटिंग

डॉक्यूमेंट्री में चेस डॉट कॉम के चीफ चेस ऑफिसर डैनी रेंच ने बताया कि नीमन ने 100 से ज्यादा ऑनलाइन मैचों में अनुचित साधनों का प्रयोग किया था। नीमन ने स्वीकार किया कि उन्होंने 12 व 16 साल की उम्र में कुछ ऑनलाइन मैचों में रेटिंग बढ़ाने के लिए चीटिंग की थी।

उज्बेकिस्तान में बॉक्सिंग प्रतियोगिता में समीर बोहरा दिखाएंगे पंच का दम

दीपशिखा के बैडमिंटन प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

पिथौरागढ़ (उत्तराखंड)(एजेंसी)। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के समीर बोहरा का चयन उज्बेकिस्तान में आयोजित होने वाली अंडर-15 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में प्रतिभाग करने वाली भारतीय टीम में हुआ है. समीर बोहरा पिथौरागढ़ के हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज में बॉक्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. 1 से 16 मई तक आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप में

समीर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे. एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में समीर बोहरा से लोगों को काफी उम्मीदें हैं।

बेहतरीन प्रदर्शन आया कामः 4 से 11 अप्रैल 2026 तक पटियाला, पंजाब में आयोजित चयन ट्रायल्स में समीर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया. उनके प्रदर्शन के आधार पर समीर का चयन भारतीय टीम में हुआ है. समीर बोहरा ने इससे पहले भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते हैं. समीर बोहरा वर्तमान में हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज पिथौरागढ़ में कक्षा-9 में अध्ययनरत हैं और प्रशिक्षक रविंद्र सिंह एवं देशरत्न बोहरा से बॉक्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं.अंडर-15 एशियन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2026 में समीर से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। समीर के चयन से खुशी का माहौलः इस प्रतियोगिता को लेकर स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य, जिला क्रीड़ा अधिकारी समेत जिला बॉक्सिंग एशोसिएशन ने समीर को शुभकामनाएं दी हैं ।

आईएसएल 2025-26

एफसी गोवा का धमाका, ओडिशा एफसी को 3-1 से हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग 2025-26 में स्त्रष्ट गोवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओडिशा एफसी को 3-1 से हराया। यह मुकाबला गोवा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला गया, जहां टीम ने खासकर दूसरे हाफ में जबरदस्त खेल दिखाया।

बॉब जैक्सन राज का खास डेब्यू- इस मैच में एफसी गोवा के लिए एक खास पल भी देखने को मिला, जब स्थानीय खिलाड़ी और अकादमी के गोलकीपर बॉब जैक्सन राज ने अपना डेब्यू किया। उन्होंने पूरे मैच में शानदार संयम दिखाया और गोलपोस्ट के बीच भरोसेमंद प्रदर्शन किया।

पहले हाफ में बराबरी की टक्कर - मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। एफसी गोवा ने गेंद पर ज्यादा कब्जा रखा, लेकिन ओडिशा स्त्रष्ट की मजबूत डिफेंस के चलते गोल नहीं हो सका और हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 रहा।

पोल का शानदार फ्री-किक गोल

81वें मिनट में पोल ने बेहतरीन फ्री-किक के जरिए गोल दागकर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। यह गोल मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ और ओडिशा की वापसी की उम्मीदों को झटका लगा।

पेनल्टी और आखिरी गोल

इंजरी टाइम में अब्दुल रबीह पर फाउल के बाद स्त्रष्ट गोवा को पेनल्टी मिली, जिसे ब्रिसन ने 90+4 मिनट में गोल में बदल दिया।हालांकि ओडिशा एफसी ने 90+7 मिनट में एक गोल जरूर किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। शानदार प्रदर्शन के लिए आयुष को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने एक अहम असिस्ट दिया और पूरे मैच में बेहतरीन खेल

बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप

नंबर-1 खिलाड़ी को हराकर आयुष शेट्टी फाइनल में पहुंचे

नईदिल्ली (एजेंसी)। बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप में भारत के युवा स्टार आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। चीन के निंगबो में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसर्न को हराकर इतिहास रच दिया।

पहले गेम के बाद जबरदस्त वापसी

20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने मुकाबले की शुरुआत धीमी की और पहला गेम 10-21 से गंवा दिया। हालांकि इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-19 और तीसरा गेम 21-17 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। उनके आत्मविश्वास और संयम ने इस जीत में अहम भूमिका निभाई।

59 साल बाद रचा इतिहास

इस जीत के साथ आयुष शेट्टी ने भारत के लिए 59 साल बाद बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप के पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई है। उन्होंने कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है, जो भारतीय बैडमिंटन के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

दिग्गज खिलाड़ी को दी मात

कुनलावुत विटिडसर्न जैसे विश्व नंबर-1 खिलाड़ी को हराना आसान नहीं था, लेकिन आयुष ने दबाव में शानदार खेल दिखाया।उन्होंने मैच के निर्णायक क्षणों में आक्रामक और सटीक शॉट्स खेलकर विरोधी को बैकफुट पर रखा।

फाइनल में कड़ी चुनौती

अब आयुष शेट्टी का सामना फाइनल में चाउ तियेन चेन और शी यूकी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। फाइनल मुकाबले में उनसे एक और दमदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

भारतीय बैडमिंटन के लिए बड़ी उपलब्धि

आयुष की यह जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और इससे युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। उनकी इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि भारत के खिलाड़ी अब विश्व स्तर पर किसी भी बड़े नाम को चुनौती देने में सक्षम हैं।

न्यूज बाइट्स

बड़ी कार्रवाईः 161 लीटर देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कासमा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने थाना क्षेत्र के बक्सी बिघा गांव में छापेमारी कर एक मोटरसाइकिल पर लदी भारी मात्रा में देशी शराब बरामद की है। पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई में कुल 161 लीटर देशी शराब जब्त की गई है। साथ ही मौके से एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। बरामद शराब को मोटरसाइकिल पर ले जाया जा रहा था, जिसे पुलिस ने समय रहते पकड़ लिया। कासमा थाना पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिलने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की गई, जिसमें यह सफलता हाथ लगी। गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ की जा रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने का प्रयास जारी है। पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

कुर्की-इश्तेहार वारंटियों पर कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

मदनपुर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। जिले में फरार अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मदनपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कुर्की एवं इश्तेहार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मदनपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दोनों वारंटियों को पकड़ा गया। ये आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे, जिनके विरुद्ध न्यायालय द्वारा कुर्की एवं इश्तेहार की प्रक्रिया जारी की गई थी। मदनपुर थाना द्वारा की गई इस कार्रवाई को फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया है। जिले में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गैस आपूर्ति सामान्य, डीएम ने पारदर्शी वितरण के दिए निर्देश

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिले में एलपीजी गैस आपूर्ति एवं वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के बाद प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गैस आपूर्ति सामान्य रूप से संचालित हो रही है। विभिन्न गैस एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं को औसत दैनिक मांग के अनुरूप सिलेंडर की डिलीवरी की जा रही है और लंबित बुकिंग का भी लगातार निष्पादन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में कुल 37 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 6785 सिलेंडर की मांग के विरुद्ध लगभग 6619 सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है। साथ ही जिले में पेट्रोल और डीजल की भी पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है, जिससे आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। जिला पदाधिकारी ने सभी गैस एजेंसियों को निर्देश दिया है कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जाए, लंबित बुकिंग का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा वितरण प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखी जाए।

जिले में महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु चलाए जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान

एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित : डीएम

एचपीवी टीकाकरण अभियान को गति, डीएम अभिलाषा शर्मा ने दो विद्यालयों में छात्राओं को किया जागरूक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु चलाए जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने अनुग्रह गर्ल्स हाई स्कूल एवं किशोरी सिन्हा गर्ल्स हाई स्कूल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया और अभियान के महत्व से अवगत कराया। डीएम ने कहा कि किसी भी टीकाकरण को लेकर प्रारंभ में बच्चों में भय होना स्वाभाविक है, जैसा कि पहले हेपेटाइटिस सहित अन्य अभियानों में देखा गया था। उन्होंने छात्राओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। पहले यह वैक्सीन उपलब्ध नहीं थी, लेकिन अब सरकार द्वारा इसे उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वर्तमान पीढ़ी को लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक बालिकाओं को इस अभियान से जोड़ा जाए और शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाए। इसके लिए जीविका समूह, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिन विद्यालयों में 14–15 वर्ष आयु वर्ग की छात्राओं की संख्या अधिक है, वहां कैंप मोड में टीकाकरण कराया जा रहा है। साथ ही एपीएचसी एवं पीएचसी स्तर पर भी वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है, ताकि सभी पात्र बालिकाएं आसानी से इसका लाभ उठा सकें। डीएम ने कहा कि एक महिला के अस्वस्थ होने पर उसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। महिलाओं का स्वास्थ्य समाज और परिवार की नींव है। यदि बालिकाएं स्वस्थ रहेंगी, तो वे भविष्य में समाज और परिवार को सशक्त बनाएंगी। इसलिए सभी बालिकाओं का टीकाकरण आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एचपीवी वैक्सीन को लेकर फैल रही भ्रांतियां पूरी तरह निराधार हैं। यह वैक्सीन सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है तथा इससे प्रजनन क्षमता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अधिक से अधिक बालिकाओं को टीकाकरण के लिए प्रेरित करें।

एचपीवी वैक्सीन गंभीर बीमारी से बचाव का प्रभावी माध्यम

छात्राओं को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित यह अभियान बालिकाओं के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर एवं ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है, साथ ही कैंसर से होने वाली मृत्यु दर में भी इजाफा हुआ है। ऐसे में एचपीवी वैक्सीन इस गंभीर बीमारी से बचाव का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने जानकारी दी कि गार्डासिल वैक्सीन 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को दी जा रही है, जो सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में सहायक है। यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है तथा निर्धारित आयु वर्ग में इसका टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है। साथ ही 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की उन बालिकाओं को, जिन्हें पूर्व में टीका लगाया जा चुका है, आवश्यकतानुसार दूसरा डोज भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

एस. सिन्हा कॉलेज के बी.एड. प्रशिक्षुओं का इंटर्नशिप शुरू, चार सप्ताह तक मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण

- उद्देश्यः प्रशिक्षुओं को वास्तविक शिक्षण अनुभव और कौशल विकास
- विभिन्न स्कूलों में भेजे गए प्रशिक्षु, करेंगे कक्षा शिक्षण व अन्य गतिविधियां

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

एस. सिन्हा कॉलेज के बी.एड. प्रशिक्षुओं का चार सप्ताह का इंटर्नशिप कार्यक्रम विधिवत रूप से प्रारंभ हो गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को विद्यालयी वातावरण में वास्तविक शिक्षण अनुभव प्रदान करना तथा उनके शिक्षण कौशल का व्यावहारिक विकास करना है। इंटर्नशिप के तहत प्रशिक्षुओं को जिले के विभिन्न विद्यालयों में भेजा गया है, जहां वे कक्षा शिक्षण, पाठ योजना निर्माण, कक्षा प्रबंधन, मूल्यांकन प्रक्रिया एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस दौरान उन्हें अनुभवी शिक्षकों एवं सुपरवाइजरों का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत टाउन इंटर स्कूल, औरंगाबाद में छोटेलाल यादव, अनुग्रह इंटर विद्यालय, औरंगाबाद में संतोष कुमार तिवारी, अनुग्रह कन्या उच्च विद्यालय, औरंगाबाद में डॉ. किरण कुमारी, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, अकौना में कौशल किशोर कुमार तथा किशोरी सिंह उच्च विद्यालय, औरंगाबाद में सुनीता कुमारी एवं डॉ. अभय को सुपरवाइजर के रूप में नियुक्त किया गया है। बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि यह इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रशिक्षुओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे वे एक कुशल एवं प्रभावी शिक्षक बनने की दिशा में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। वहीं कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुधीर कुमार मिश्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रशिक्षुओं के सर्वांगीण विकास में सहायक है और उन्हें भविष्य में एक सक्षम शिक्षक बनने के लिए तैयार करेगा। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को अनुशासन, समयपालन एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने खाया जहर, हालत गंभीर, रेफर

निज संवाददाता | फेसर (औरंगाबाद)

जिले के फेसर थाना क्षेत्र अंतर्गत बसडीहा गांव में घरेलू विवाद के बाद एक युवक द्वारा आत्महत्या की कोशिश का मामला सामने आया है। युवक ने गुस्से में जहरीला पदार्थ (सल्फास) खा लिया, जिसके बाद उसकी हालत गंभीर हो गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित की पहचान 30 वर्षीय संजय चंद्रवंशी के रूप में हुई है, जो प्रशासनिक वाहन चालक के रूप में कार्यरत है। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर उसकी पत्नी के साथ कहासुनी हो गई थी। विवाद बढ़ने पर आवेश में आकर उसने सल्फास का सेवन कर लिया। जहर का असर होते ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, लेकिन काफी देर बाद परिजनों को घटना की जानकारी मिली। इसके बाद आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है, वहीं गांव में भी चिंता का माहौल है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

डीडीसी ने आवासीय कन्या विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, एचपीवी टीकाकरण व्यवस्था संतोषजनक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह ने 720 छात्राओं की क्षमता वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर +2 कन्या आवासीय उच्च विद्यालय, कुशी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय प्रबंधन द्वारा उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

निरीक्षण के क्रम में डीडीसी ने विद्यालय परिसर में संचालित एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम का अवलोकन किया। यह कार्यक्रम राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित हो रहा है, जिसे उन्होंने सुव्यवस्थित एवं संतोषजनक पाया। उन्होंने कहा कि एचपीवी टीकाकरण अभियान बालिकाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम संभव है। इसके बाद उन्होंने विद्यालय परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान छात्राओं की उपस्थिति, पठन-पाठन व्यवस्था, छात्रावास की स्थिति, स्वच्छता, पेयजल, भोजन व्यवस्था सहित अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। अधिकांश व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने विद्यालय प्रबंधन के प्रयासों की सराहना की और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सुरक्षित आवासीय वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए।

हालांकि निरीक्षण के दौरान जीविका समूह के माध्यम से संचालित साफ-सफाई व्यवस्था में कुछ कमियां पाई गईं, जिस पर उन्होंने असंतोष जताते हुए संबंधित कर्मियों को त्वरित सुधार के निर्देश दिए। साथ ही जीविका समूह द्वारा संचालित मेस की कार्यप्रणाली भी अपेक्षित स्तर की नहीं पाई गई। इस पर भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और समयबद्धता में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने को कहा गया। डीडीसी ने जीविका समूह को आवश्यकतानुसार कर्मियों की संख्या बढ़ाने और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं विद्यालय प्रबंधन को साफ-सफाई एवं मेस व्यवस्था में शीघ्र सुधार कर सभी व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, स्वास्थ्य विभाग के कर्मी, जीविका समूह के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हीट वेव को लेकर प्रशासन सतर्क, डीएम ने नल-जल योजनाओं का किया निरीक्षण

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

भीषण गर्मी (हीट वेव) की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने शनिवार को कुटुम्बा प्रखंड के अंबा पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-8 में संचालित नल-जल योजनाओं का सघन स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सीधे आमजनों से संवाद स्थापित कर घर-घर पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली और मौके पर ही जलापूर्ति की जांच भी की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि आगामी गर्मी के मौसम में किसी भी नागरिक को पेयजल की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जहां कहीं भी तकनीकी खराबी, जलापूर्ति में बाधा, कम दबाव, पाइपलाइन क्षति या मोटर-पंप में गड़बड़ी जैसी समस्याएं सामने आएं, उनका त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतों के निष्पादन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यूजीसी प्रस्ताव के विरोध में 13 अप्रैल को औरंगाबाद में महापंचायत

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर में आगामी 13 अप्रैल को प्रस्तावित यूजीसी कानून के विरोध में महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सिन्हा कॉलेज मोड़ स्थित एक निजी रिसोर्ट में आयोजित होगा। आयोजन का नेतृत्व सवर्ण एकता मंच द्वारा किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रस्तावित कानून के खिलाफ रणनीति तय करना और समाज के लोगों को एकजुट करना है। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में मंच के संस्थापक एवं भाजपा नेता प्रवीण सिंह ने विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रस्तावित यूजीसी कानून को "देश विरोधी" और "काला कानून" बताते हुए कहा कि इसके लागू होने से देश में असंतोष का माहौल उत्पन्न हो सकता है। उनका आरोप है कि यह कानून विशेष रूप से सवर्ण समाज के छात्रों के हितों के प्रतिकूल है और इससे वे उच्च शिक्षा से वंचित हो सकते हैं। प्रवीण सिंह ने कहा कि इस तरह के प्रावधानों से सवर्ण समाज के बच्चों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि छात्र या तो पढ़ाई से दूर हो जाएंगे या उन्हें विभिन्न प्रकार की बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। मंच के कार्यकर्ता इस मुद्दे को लेकर गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं और महापंचायत में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। इससे पहले देव में आयोजित महापंचायत में भी भारी भीड़ जुटने का दावा किया गया था, जिससे इस मुद्दे को लेकर समाज के एक वर्ग में सक्रियता देखी जा रही है। प्रवीण सिंह ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन यदि शिक्षा क्षेत्र में ऐसे कानून लागू होते हैं, तो यह लक्ष्य प्रभावित हो सकता है। उन्होंने समान अवसर की वकालत करते हुए कहा कि जब तक सभी वर्गों को बराबरी से शिक्षा नहीं मिलेगी, तब तक समग्र विकास संभव नहीं है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सवर्ण समाज के जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं, लेकिन समाज के एकजुट होने पर उन्हें समर्थन देना पड़ेगा। मंच की ओर से प्रखंड एवं विधानसभा स्तर पर बैठकें जारी हैं, वहीं आगे जिला और राज्य स्तर पर भी बड़े कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है।

'ज्ञान भारतम् मिशन' के तहत पांडुलिपियों के संरक्षण व डिजिटाइजेशन का अभियान तेज

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार "ज्ञान भारतम् मिशन" के अंतर्गत जिले में प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा को सुरक्षित रखते हुए उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना है। इस मिशन के तहत 75 वर्ष या उससे अधिक पुराने हस्तलिखित दस्तावेजों को चिन्हित कर उनका डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। ये दस्तावेज कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र, कपड़ा, धातु सहित विभिन्न पारंपरिक माध्यमों पर लिखे गए हैं और निजी व्यक्तियों व संस्थानों के पास संरक्षित हैं। इन ऐतिहासिक धरोहरों को डिजिटल रूप में सुरक्षित कर शोध, अनुवाद एवं प्रकाशन के माध्यम से वैश्विक स्तर पर प्रसारित करने की योजना है।

जिला प्रशासन के अनुसार अब तक कुल 1670 पांडुलिपियों की पहचान की जा चुकी है, जिनका डिजिटाइजेशन विशेष ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही इनके संरक्षण और उपचार के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि समय के साथ इनके नष्ट होने की आशंका को कम किया जा सके। पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए जिले के कई प्रमुख स्थलों की पहचान की गई है, जिनमें दाउदनगर गुरुद्वारा, पातालगंगा मठ, देवकुंड मठ, हसपुरा मठ, अमझर शरीफ, मनौरा शरीफ, दाउदनगर शरीफ, चन्द्रगढ़ (नवीनगर), देव किला, ओबरा कारा एस्टेट, सिंक देव सूर्य मंदिर, उमंगेश्वरी सूर्य मंदिर, देवकुंड सुल शिव मंदिर, औरंगाबाद अभिलेखागार, विभिन्न पुस्तकालय, सिन्हा कॉलेज एवं दाउदनगर कॉलेज सहित कई ऐतिहासिक एवं शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी दाउदनगर अमित राजन तथा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज द्वारा लगभग 300 वर्ष पुराने हस्तलिखित गुरु ग्रंथ साहिब का भी निरीक्षण किया गया, जो इस अभियान की गंभीरता और महत्व को दर्शाता है। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि यदि उनके पास 75 वर्ष या उससे अधिक पुराने हस्तलिखित दस्तावेज सुरक्षित हैं, तो वे उनके डिजिटाइजेशन के लिए आगे आएं।

विवेकानंद मिशन स्कूल में स्थापना दिवस पर 'उड़ान' कार्यक्रम आयोजित, छात्रों की प्रतिभा का भव्य प्रदर्शन

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

विवेकानंद मिशन स्कूल के स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को भव्य 'उड़ान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार यह आयोजन वर्ष 2018 के बाद अब तक का सबसे बड़ा और आकर्षक कार्यक्रम रहा, जिसमें शिक्षा, संस्कृति और रचनात्मकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन काराकाट के सांसद राजाराम सिंह, पूर्व विधायक बीरेंद्र कुमार सिन्हा, राज्य अति पिछड़ा आयोग के पूर्व सदस्य प्रमोद सिंह चंद्रवंशी, भाजपा जिला प्रवक्ता अश्विनी तिवारी तथा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ऋषिकेश अवस्थी सहित कई गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से किया। बाद में ओबरा के विधायक डॉ. प्रकाश चंद्र एवं गोह के पूर्व विधायक डॉ. रणविजय सिंह भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

अपने संबोधन में सांसद राजाराम सिंह ने कहा कि प्रश्न करने की क्षमता ही ज्ञान और मौलिकता के विकास का मूल आधार है। उन्होंने भारतीय सभ्यता की प्राचीनता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि जब वे स्वयं को बिहार, यानी गौतम बुद्ध की धरती से जुड़ा बताते हैं, तो लोग सम्मान करने लगते हैं। विधायक डॉ. प्रकाश चंद्र ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। वहीं पूर्व विधायक डॉ. रणविजय सिंह ने भी विवेकानंद के शिकागो भाषण का उल्लेख करते हुए शिक्षा के महत्व पर बल दिया और कहा कि समाज को मंदिर-मस्जिद से अधिक विद्यालयों की आवश्यकता है। प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ चरित्र निर्माण और संस्कारयुक्त ज्ञान भी आवश्यक है। विद्यालय के निदेशक डॉ. शंभू शरण सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने विज्ञान, कला, भारतीय संस्कृति एवं खान-पान से जुड़ी आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी के साथ-साथ बच्चों द्वारा लगाए गए फूड स्टॉल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे।

इस अवसर पर अतिथियों को सम्मानित किया गया तथा प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के छात्र-छात्राओं की टीम ने किया, जिसमें अनुष्का कुमारी, श्रेया कुमारी, सृष्टि कुमारी, हर्षित कुमार, दिव्यांशु कुमार, तान्या चौरसिया, आयुष पांडेय, तृषा मौर्या, परी एवं विवेकिता शामिल रहे।

जलभरी के साथ भागवत कथा एवं प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

बारुण प्रखंड के धुरिया ग्राम में श्रीमद् भागवत कथा सह मां भगवती प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के अवसर पर शनिवार को जलभरी कार्यक्रम भक्ति और उत्साह के माहौल में संपन्न हुआ। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा में भाग लेकर पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। धुरिया गांव से निकली भव्य कलश यात्रा विभिन्न गलियों का भ्रमण करते हुए पवित्र सोन नदी तट पर पहुंची, जहां वैदिक विधि-विधान के साथ जलभरण किया गया। इसके बाद श्रद्धालु पवित्र जल से भरे कलश लेकर पुनः गांव लौटे।

"जय माता दी" के उद्घोष से पूरा धुरिया गांव गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह धार्मिक रंग में रंग गया। जलभरी के पश्चात मंडप प्रवेश कर पंचांग पूजन के साथ यज्ञ की विधिवत शुरुआत की गई। कार्यक्रम का आयोजन श्री स्वामी राम प्रपन्नाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में किया जा रहा है, जिनके मार्गदर्शन में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। यज्ञ आयोजन समिति के व्यवस्थापक नीतीश पांडेय एवं नरेंद्र पांडेय ने बताया कि सात दिनों तक चलने वाली इस भागवत कथा में प्रतिदिन प्रवचन होंगे। 14 अप्रैल को मां भगवती की प्रतिमा का नगर भ्रमण एवं सैयाधिवास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं 15 अप्रैल को विधि-विधान के साथ मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। 16 अप्रैल को भागवत कथा के समापन, भंडारा तथा यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ आयोजन का समापन किया जाएगा। पूरे कार्यक्रम को लेकर गांव में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन इसमें भाग ले रहे हैं।

डीएम अभिलाषा शर्मा ने कुटुम्बा के अम्बा पंचायत का किया निरीक्षण, आंगनबाड़ी व मोक्ष धाम व्यवस्था सुधारने के निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने शनिवार को कुटुम्बा प्रखंड के अम्बा पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-08 का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मोक्ष धाम योजना, आंगनबाड़ी केंद्र सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में वार्ड संख्या-08 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति की समीक्षा की गई। डीएम ने निर्देश दिया कि इस केंद्र को निकटवर्ती आंगनबाड़ी केंद्र से संबद्ध करते हुए बच्चों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि पठन-पाठन और पोषण सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

इसके बाद चिल्हकी बिगहा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र (कोड संख्या-134) का औचक निरीक्षण किया गया। यहां शौचालय की साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाई गई, जिस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित कर्मियों को नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान केंद्र परिसर में पर्याप्त भूमि उपलब्ध पाई गई। इस पर डीएम ने वहां पोषण वाटिका विकसित करने का निर्देश दिया, जिससे बच्चों एवं गर्भवती व धात्री महिलाओं को ताजा हरी सब्जियां उपलब्ध हो सकें और उनके पोषण स्तर में सुधार हो।

इसके उपरांत जिला पदाधिकारी ने मोक्ष धाम स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल, शौचालय, पहुंच पथ सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित करने का निर्देश दिया। साथ ही मोक्ष धाम योजना की महत्ता बताते हुए कहा कि जिले के प्रत्येक पंचायत में चरणबद्ध तरीके से इसका निर्माण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोक्ष धाम परिसर में शेड, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, पहुंच मार्ग और लकड़ी भंडारण जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि यह स्थल स्वच्छ, व्यवस्थित और जनोपयोगी बन सके। जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजनों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रकार के निरीक्षण लगातार किए जा रहे हैं।